हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

शुक्ल पक्ष, विशाखा, विक्रम संवत् 2082 • औरंगाबाद • शुक्रवार • 26 सितम्बर 2025 • वर्ष 27 • अंक 286 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

देवी स्कंदमाता

मां दुर्गा के पांचवें रूप का नाम है स्कंदमाता। स्कंदमाता की गोद में कार्तिकेय भगवान हैं और उन्हें कार्तिकेय की मां के रूप में जाना जाता है। मां का यह स्वरूप आपको प्रेम और ममता सिखाता है। आचार्य राहुल कहते हैं कि दुनिया में मां के समान ममता और एक स्त्री के समान कोई प्रेम कर नहीं सकता। मां का यह स्वरूप उसी प्रेम की याद दिलाता है जिसमें निश्छलता भी है और त्याग भी। मां अपने इसी प्रेम के बल पर अपनी संतान के लिए कुछ भी कर जाती हैं।

मतगणना को लेकर चुनाव आयोग ने ईवीएम और पोस्टल बैलट की गिनती के नियमों में किया बदलाव, यह व्यवस्था दिव्यांगजनों और 85 वर्ष से अधिक आयु के मतदाताओं के लिए है

पोस्टल बैलट के बाद ही ईवीएम की गिनती

एजेंसी | नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने वोटों की गिनती के नियमों में अहम बदलाव किया है। जिसमें डाक मतपत्रों की गिनती पूरी होने में अब यदि देरी होती है, तो ईवीएम के अंतिम राउंड के मतों की गिनती रोक दी जाएगी। और वह तब तक नहीं होगी जब तक पोस्टल बैलेट की गिनती पूरी न हो जाएगी। वोटों की गिनती की मौजूदा व्यवस्था में ईवीएम के मतों की गणना को पोस्टल बैलेट की गणना की ओर ध्यान दिए बगैर ही पूरा किया जा सकता था। वोटों की गिनती की यह व्यवस्था बिहार विधानसभा चुनाव से लागू होगी। चुनाव आयोग ने गुरुवार को इन नियमों को जारी करते हुए कहा है कि चुनाव में डाक मतपत्रों की तेजी से बढ़ रही संख्या को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। आयोग का कहना है कि चुनाव में दिव्यांगजनों व 85 वर्ष या उससे अधिक आयु के बुजुर्गों के लिए घर बैठे मतदान की व्यवस्था किए जाने से इनमें बढ़ोतरी हो रही है। वैसे भी देश में बढ़ती बुजुर्गों की संख्या को देखते हुए आने वाले दिनों में इसमें और बढ़ोतरी होने की संभावना है।आयोग के वोटों की गिनती के नए निर्देशों के तहत अब मतगणना केंद्रों पर यदि डाक मतपत्रों की गिनती बाकी रहती है तो ईवीएम की गिनती को अंतिम राउंड के एक चरण पहले (सेकेंड लास्ट) ही रोक दी जाएगी। और उसको डाक मतपत्रों की गणना के पूरा होने के बाद ही फिर शुरू किया जाएगा। आयोग ने डाक मतपत्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जिला निर्वाचन अधिकारियों से पर्याप्त संख्या में मतों की गिनती के लिए टेबल लगाने व कर्मचारियों की तैनाती के निर्देश दिए है, ताकि ईवीएम की गणना को रोकने की स्थिति न पैदा हो। अब तक जो देखने को मिलता था, उसमें डाक मतपत्रों की गिनती प्रारंभ के एक-दो घंटे में ही पूरी हो जाती थी, जबकि ईवीएम की गिनती जारी रहती थी। लेकिन डाक मतपत्रों की बढ़ती संख्या को देखते हुए इसमें अधिक लगने को देखते हुए चुनाव आयोग ने यह बदलाव किया है। आयोग से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक मतगणना के अंत में डाक मतपत्रों की गिनती होने से परिणाम में नजदीकी मामला होने पर उसमें गड़बड़ी या विवाद की स्थिति पैदा हो सकती है। ऐसे में जहां ईवीएम की अंतिम राउंड के पहले यानी यदि दस राउंड की गिनती है तो आठवें राउंड में ही यह देखा जाएगा कि डाक मतपत्रों की गिनती हो गई है या नहीं। यदि नहीं हुई तो उसके पूरा होने का इंतजार किया जाएगा।

चुनाव आयोग ने फैसला क्यों लिया?

चुनाव आयोग के मुताबिक मतगणना में दो प्रमुख हिस्से होते हैं – डाक मतपत्र और ईवीएम मत। पहले डाक मतपत्र की गणना सुबह 8 बजे शुरू होती है, जबकि ईवीएम की गिनती 8:30 बजे से शुरू होती है। कई सेंटरों पर मशीन से ईवीएम जल्दी गिन जाती थी, लेकिन डाक मतपत्र में समय लगता था। इस कारण आयोग ने नया नियम लागू किया है कि पोस्टल बैलट की पूरी गिनती होने तक ईवीएम की गिनती रोकी जाएगी, ताकि सभी वोटों की सही और पारदर्शी गणना सुनिश्चित हो सके।

छह अक्टूबर के बाद किसी भी समय की जा सकती है चुनाव की आधिकारिक घोषणा

- छह अक्टूबर तक अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले की प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश

निज संवाददाता | पटना

बिहार में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच चुनावी हलचल तेज हो गई है। इसी क्रम में बिहार चुनाव आयोग ने राज्य सरकार के सभी विभागों को 6 अक्टूबर तक अधिकारियों और कर्मचारियों के तबादले की प्रक्रिया पूरी करने का सख्त निर्देश दिया है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि उसी दिन तक तबादला एवं पदस्थापन से संबंधित रिपोर्ट भी अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करनी होगी। इस कदम से संकेत मिलते हैं कि विधानसभा चुनाव की आधिकारिक घोषणा 6 अक्टूबर के बाद किसी भी समय की जा सकती है। सूत्रों के मुताबिक, मुख्य चुनाव आयुक्त के नेतृत्व में आयोग की टीम कभी भी बिहार का दौरा कर सकती है। पहले ही आयोग ने चुनाव से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण तथा पदस्थापन को लेकर दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। इसमें कहा गया है कि किसी भी अधिकारी या कर्मचारी की तैनाती उनके गृह जिले में नहीं की जाएगी। इसके अलावा, यदि किसी कर्मी का कार्यकाल 30 नवंबर तक या उससे पहले तीन साल या उससे अधिक का हो रहा है, तो उनका अनिवार्य रूप से तबादला किया जाएगा।

गयाजी में हादसा : रिल्स बनाने के चक्कर में नदी में नौ लड़के डूबे, पांच की मौत, दो की हालत गंभीर

निज संवाददाता | गयाजी

बिहार के गया जी में बड़ा हादसा हुआ है। गया जी में नौ लड़के नदी के गहरे पानी में डूबे, जिसमें से पांच की मौत हो गई। दो की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद परिजनों में चित्कार मच गया है। गया जी के खिजरसराय थाना क्षेत्र में नदी में डूबने से पांच किशोर की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार सभी स्कूल से पढ़कर लौट रहे थे। इसी क्रम में खिजरसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत केनी नदी में स्नान करने लगे। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार सभी लड़के रिल्स बनाने में भी मशगूल हो गए थे। रिल्स बनाने के चक्कर में नदी के गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। डूबने के दौरान खुद को बचाने के लिए सभी ने शोर मचाया तो आसपास के ग्रामीण दौड़े। यह देखकर स्थानीय ग्रामीण दौड़े और सभी लड़कों को बचाने की कोशिश की। सभी को किसी तरह से ग्रामीणों ने नदी से बाहर निकाला। किंतु पांच की मौत हो गई। वहीं, दो की स्थिति गंभीर है। पांच लड़कों के मौत की जानकारी होते ही उनके परिजनों में चित्कार मच गया। जानकारी के अनुसार सभी मृतक बेलागंज थाना अंतर्गत छोटकी मस्जिद बेला के रहने वाले थे।

यह घटना बेलागंज और खिजरसराय थाना के सीमा पर हुई है। घटनास्थल खिजरसराय थाना क्षेत्र पाया गया। वहीं, मृतक बेलागंज थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। पांच किशोरों की मौत हो गई है,जिसमें 1। मोहम्मद कैफ उम्र 17 वर्ष, 2। मोहम्मद शाहनवाज उम्र 18 वर्ष, 3। मोहम्मद सारिक उम्र 17 वर्ष, 4। मोहम्मद अनस उम्र लगभग 16 वर्ष, 5। मोहम्मद सूफियान उम्र 16 वर्ष शामिल हैं। बेलागंज के प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बताया कि पांच लड़कों की मौत डूबने से हुई है। वही, दो लड़के इलाजरत है। मृतक सभी बेलागंज प्रखंड अंतर्गत के ही रहने वाले थे। मामले में प्रशासनिक कार्रवाई की जा रही है।

स्वच्छता पखवाड़ा: एलआईसी ने चलाया सफाई और जागरूकता अभियान

निज संवाददाता | पटना

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मनाए जा रहे 'स्वच्छता पखवाड़ा' के अंतर्गत बुधवार को व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक प्रमोद हरि के नेतृत्व में अधिकारियों और कर्मचारियों ने एग्जीबिशन रोड स्थित क्षेत्रीय कार्यालय से गांधी मैदान तक मार्च किया और तालाबों समेत अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सफाई अभियान चलाया। अभियान के दौरान आम लोगों को भी साफ–सफाई बनाए रखने का संदेश दिया गया। रैली के बाद निगम की ओर से विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें सफाई मित्रों और कर्मचारियों की स्वास्थ्य जांच की गई। इस दौरान 'एक दिन, एक घंटा, एक साथ का संकल्प लिया गया और गांधी मैदान के गेट नंबर 10 पर अभियान का समापन हुआ। एलआईसी द्वारा इस पखवाड़े में न केवल स्वच्छता अभियान बल्कि वृक्षारोपण कार्यक्रम भी चलाया जाएगा। इसके साथ ही स्कूलों, सार्वजनिक उद्यानों, नदियों के घाटों और अन्य संस्थानों के परिसरों में भी सफाई कार्य किए जाएंगे। अभियान के अंतर्गत जगह-जगह कूड़ेदान लगाने की भी व्यवस्था की जाएगी।

इस अवसर पर प्रादेशिक प्रबंधक (विपणन) मनोज कुमार पंडा, प्रादेशिक प्रबंधक (कार्यालय सेवा एवं सम्पदा) विवेक प्रसाद स्वाई, उप प्रमुख अभियंता आर.के. मिश्रा, प्रादेशिक प्रबंधक (नियमित संवेक्षण) विनोद कुमार, सचिव (कार्यालय सेवा) प्रभात खाबरा समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना

आज महिलाओं को मिलेगी 10 हजार रुपये की पहली किस्त

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिलाओं को स्वरोजगार के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। योजना के तहत पहली किस्त के रूप में प्रत्येक पात्र महिला के बैंक खाते में सीधे 10,000 रुपये ट्रांसफर किए जाएंगे। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करना है। जीविका स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं इस योजना के लिए आवेदन कर सकती हैं। इसके लिए जिला, प्रखंड और ग्राम स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा आज डीबीटी के माध्यम से राशि हस्तांतरित की जाएगी। कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

कौआकोल में चुनावी तैयारियों का डीएम ने लिया जायजा

» उग्रवाद प्रभावित दनियाँ गांव का भ्रमण कर लिया जायजा, गांव में ही मतदान केंद्र बनाने की कही बात

कौआकोल। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने नवादा के जिलाधिकारी रवि प्रकाश बुधवार को कौआकोल पहुंचे। जहाँ उन्होंने एसपी अभिनव धीमान के साथ संयुक्त रूप से आवश्यक तैयारियों का जायजा किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार डीएम सर्वप्रथम बापू इंटर विद्यालय पांडेयगंगौट पहुंचे, जहां उन्होंने विद्यालय के प्रधानाचार्य अजय कुमार से आवश्यक पूछताछ की। इस दौरान उन्होंने विधानसभा चुनाव को लेकर प्रखण्ड के बापू इंटर विद्यालय पाण्डेयगंगौट,उच्च माध्यमिक विद्यालय धमनी एवं कोल्हुआवर विद्यालय का निरीक्षण कर चुनाव करवाने आने वाले सुरक्षाकर्मियों के ठहरने एवं अन्य सुविधाओं का भौतिक निरीक्षण कर सम्बन्धित विद्यालय के प्राचार्यों एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। वहीं डीएम एवं एसपी ने हैलीपैड बनने वाले सम्भावित स्थलों का भी निरीक्षण किया। इसके बाद द्वय अधिकारियों की टीम ने बिहार-झारखण्ड की सीमा पर महुलियाटांड या इसके आस-पास चेक पोस्ट बनाने वाले स्थलों का भी निरीक्षण किया। वहीं प्रखण्ड के महुडर पंचायत के दनियाँ गाँव के ग्रामीणों द्वारा प्रत्येक बार चुनाव में वोट बहिष्कार करने के मामलों में संज्ञान लेते हुए डीएम एवं एसपी ने प्रशासनिक अधिकारियों की पूरी टीम के साथ बाइक पर सवार होकर दुर्गम रास्तों से दनियाँ गांव पहुंचे। इस दरम्यान उन्होंने इस गांव के नागरिकों को हर मूलभूत सुविधाओं का लाभ पहुंचाने की बात कही। वहीं ग्रामीणों से संवाद स्थापित कर उन्होंने कहा कि इस बार विधानसभा चुनाव में मतदान केंद्र उनके गांव में ही बनाया जाएगा। मौके पर थानाध्यक्ष उमाशंकर सिंह,सीओ मनीष कुमार,बीडीओ डॉ० अखिलेश कुमार,बीसीओ सह प्रभारी बीईओ अजित कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

बिजली बिल में सुधार को लेकर लगाया गया शिविर

कौआकोल। विद्युत विभाग के सौजन्य से गुरुवार को प्रखण्ड मुख्यालय परिसर में बिजली बिल सुधार को लेकर शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बिजली उपभोक्ताओं से बिजली बिल में सुधार को लेकर आवेदन प्राप्त किये गए। कनीय विद्युत अभियंता अनीश कुमार ने बताया कि शिविर में स्मार्ट मीटर समेत अन्य त्रुटियों को लेकर 08 उपभोक्ताओं ने बिल सुधार हेतु आवेदन दिए। जिसमें 06 उपभोक्ताओं का ऑन स्पॉट बिजली बिल सुधार हेतु मामला का निपटारा किया गया। शेष आवेदन पर उन्होंने जांचोपरांत कार्रवाई करने की बात कही। वहीं शिविर में बिहार सरकार द्वारा दिए जा रहे 125 यूनिट मुफ्त बिजली के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। मौके पर जेएलएम प्रभात कुमार सिन्हा,राहुल कुमार,मोहम्मद इम्तियाज,राजू कुमार,सुबोध कुमार,मनीष कुमार,कुंदन कुमार आदि विद्युतकर्मी मौजूद थे।

टीबी मरीजों के बीच फूड बास्केट का किया गया वितरण

कौआकोल। प्रखण्ड के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र कौआकोल के गुरुवार को प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी की देखरेख में टीबी मरीजों के बीच फूड बास्केट के वितरण किया गया। इस दरम्यान मरीजों को टीबी रोग से मुक्ति के लिए नियमित रूप से दवा का सेवन करने के साथ-साथ आवश्यक पौष्टिक आहार का सेवन करने की जानकारी प्रदान की गई। मौके पर डॉ० सविहा रजा,अभिजीत आनन्द,राजेश कुमार सिन्हा,कौशल किशोर,पिन्टु ठाकुर,संदीप कुमार आदि मौजूद थे।

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव-2025 के सफल संचालन हेतु आईटी एप्लीकेशन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

नवादा ।आगामी बिहार विधानसभा चुनाव-2025 को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने के उद्देश्य से आज जिला प्रशिक्षण कोषांग, नवादा के तत्वावधान में डी.आर.डी.ए. सभागार में आईटी एप्लीकेशन से संबंधित एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नोडल पदाधिकारी, प्रशिक्षण कोषांग, नवादा डॉ. राज कुमार सिन्हा ने की। इस अवसर पर जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी तथा एन.आई.सी. के आईटी मैनेजर द्वारा विस्तृत प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। प्रशिक्षण के दौरान c-VIGIL, ESMS, Suvidha, Sugam, Samadhan एवं ENCORE जैसे विभिन्न आईटी एप्लीकेशनों के उपयोग, संचालन एवं चुनावी कार्यों में उनकी भूमिका पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को प्रत्यक्ष अभ्यास कराते हुए बताया गया कि इन एप्स के माध्यम से चुनाव प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी, प्रभावी एवं तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जा सकता है। साथ ही यह भी रेखांकित किया गया कि चुनावी गतिविधियों की मॉनिटरिंग, आचार संहिता के पालन, अनुमोदन प्रक्रिया, शिकायत निवारण एवं रिपोर्टिंग जैसे कार्यों में आईटी एप्लीकेशन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

राजद का कार्यकर्ता संवाद में श्रवण कुशवाहा ने बढ़ाया उत्साह

निज संवाददाता

नारदीगंज(नवादा) ।बिहार विधानसभा चुनाव का आगाज होते ही विभिन्न दलों के नेताओं चुनावी मैदान में जनसभा व रैली निकाल कर कार्यकर्ताओं में जोश भरने में लगे हुए हैं। गुरुवार को नारदीगंज स्थित मैरिज हाल में आयोजित कार्यकर्ता संवाद में राजद नेता श्रवण कुशवाहा ने कहा लोकसभा चुनाव 2019 व 2020 में आप सभी का प्यार व स्नेह मिला। इसके लिए आपलोगों को बहुत बहुत धन्यवाद है। यह भी नौजवानों, महिलाओं के बदौलत ही सम्भव हो पाया। आप सभी का बेटा व भाई हूं। इस कार्यक्रम में काफी संख्या में नौजवान व महिलाओं ने हिस्सा लेकर राजद नेता श्रवण कुशवाहा का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा मैं ऐसा कोई कार्य नहीं करूंगा,जिससे नवादा जिले वासियों को शर्म से झुकना पड़े। अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार के खिलाफ मेरी लड़ाई जारी रहेगा । नवादा का विकास चाहता हूं। रावण राज्य को समाप्त करने तक मेरी लड़ाई जारी रहेगा। लोगों को धन

नारदीगंज में आयोजित संवाद कार्यक्रम में शामिल लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी श्रवण कुशवाहा व अन्य

का घमंड है। लेकिन मुझे जनता का घमंड है। पार्टी एक विचारधारा होती है। राजद एक विचारधारा है। आप सभी राजद के साथ मेरे हाथों को मजबूत करने के लिए आये हैं। इसके लिए धन्यवाद है। सभी चुनाव में आप सभी मेरा साथ दिया है। वह सूद के साथ अवश्य लौटा देंगे। बिहार में अराजकता फैली है। भ्रष्टाचार, रेप,हत्या हो रही है। यहां मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने काम किया है। लेकिन नीतीश जी का काम करने उम्र अब नहीं रहा है। ऐसे में अब बिहार रसातल में चला जायेगा। तेजस्वी यादव के पास विजन है। राजद के बदौलत यहां एमएलए बने हैं। हमलोग को लोग भाई भाई में लड़ना चाहते हैं। लेकिन लड़ना नहीं है। कुछ दिन में आचार संहिता लागू होने वाले हैं। उन्होंने किसी का नाम लिए बिना कहा एक नेता आये हैं। कागज दिखा रहे हैं। वह झूठ का पुलिंदा है। आप मुझे साबित कर दें,कि मेरा नाम अपराध में है। लोग चरित्र की बात करते हैं। लोग भगवान हो सकते है,लेकिन चरित्रवान नहीं। मैं सच्चाई की राह पर चलकर नवादा का विकास करूंगा। पांचों विधानसभा चुनाव जीतना है,और तेजस्वी के हाथों को मजबूत करना है। तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाना है। इस पूरे कार्यक्रम की अध्यक्षता कमलेश कुमार कुशवाहा ने की। मौके पर महिला जिलाध्यक्ष रेणु सिंह,करनी सेना जिलाध्यक्ष रणविजय सिंह,राजद के वरिष्ठ नेता गौतम कपूर चंद्रवंशी, कौशल राय,उमेश शर्मा,मिराज खान,निक्की देवी,विनोद सिंह,गुड्डु कुशवाहा,श्रवण कुमार कुशवाहा,कृष्णचंद्र चक्रवर्ती, मिथिलेश कुमार सुमन समेत अन्य लोग शामिल हुए।

27 सितम्बर 2025 को एकदिवसीय रोजगार कैम्प का आयोजन

निज संवाददाता

नवादा । श्रम संसाधन विभाग, बिहार, पटना के निदेशानुसार जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर, नवादा द्वारा 27 सितंबर को संयुक्त श्रम भवन (सरकारी आई.टी.आई.) के प्रांगण में एकदिवसीय रोजगार कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। इस कैम्प में स्वतंत्र माइक्रो फाइनेंस प्रा. लि., मुंगेर द्वारा स्वतंत्र फील्ड ऑफिसर के 40 पद अधिसूचित किए गए हैं। इन पदों के लिए शैक्षणिक योग्यता दसवीं एवं बारहवीं उत्तीर्ण निर्धारित है। चयनित अभ्यर्थियों को 12,500 मासिक वेतन के साथ इंसेटिव की सुविधा मिलेगी। पात्रता के लिए उम्र सीमा 18 से 30 वर्ष तय की गई है। कार्य स्थल नवादा, गया, नालंदा, जमुई एवं अन्य जिले रहेंगे। इच्छुक अभ्यर्थी अपने शैक्षणिक प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड की छायाप्रति, रंगीन फोटो एवं बायोडाटा के साथ चयन हेतु कैम्प स्थल पर उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। रोजगार कैम्प पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 04:00 बजे तक आयोजित होगा। केवल वे ही आवेदक कैम्प में भाग ले सकते हैं, जो एन.सी.एस. पोर्टल पर निबंधित हैं। जो अभ्यर्थी अभी तक निबंधित नहीं हैं, वे स्वयं या जिला नियोजनालय, नवादा में निबंधन करा सकते हैं। ध्यान रहे कि नियोजक निजी क्षेत्र के हैं और नियोजन की शर्तों के लिए वही जिम्मेदार होंगे। जिला नियोजनालय केवल सुविधा प्रदाता की भूमिका निभाएगा।

परिवहन विभाग द्वारा व्यवसायिक वाहन चालकों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का किया गया आयोजन

निज संवाददाता

रजौली। प्रखंड मुख्यालय स्थित बाईपास के समीप अस्थाई बस स्टैंड पर पुल के नीचे गुरुवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया।यह जांच शिविर परिवहन विभाग के द्वारा व्यवसायिक वाहन के चालकों के लिए आयोजित किया गया था,जिसका मुख्य उद्देश्य नेत्र दोष के कारण हो रहे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना है।इस मौके पर परिवहन विभाग से एमभीआई पार्थ सिद्धार्थ एवं आरटीओ संदीप कुमार मौजूद रहे।वहीं अनुमंडलीय अस्पताल रजौली से नेत्र सहायक सुमन सौरभ,जीएनएम प्रमिला बिहान,गार्ड बृजनंदन कुमार,ईएमटी एवं एंबुलेंस चालक राजीव कुमार मौजूद रहे।एमभीआई पार्थ सिद्धार्थ ने बताया कि परिवहन विभाग के वरीय पदाधिकारी के निर्देश के आलोक में बस स्टैंड में निःशुल्क

बाईपास में लगे नेत्र जांच शिविर में एमभीआई व आरटीओ के साथ चालक

नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया,जिसमें स्वास्थ्यकर्मियों की सहायता से 38 व्यवसायिक वाहन चालकों का नेत्र जांच के बाद आवश्यक निर्देश दिए गए।साथ ही बताया कि सड़क सुरक्षा को ध्यान में रख वाहन चालकों के लिए निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।इस पहल के तहत ट्रक,बस,ऑटो,ई-रिक्शा एवं अन्य व्यवसायिक वाहनों के चालकों का परीक्षण किया गया।वहीं आरटीओ संदीप कुमार ने बताया कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वाहन चालकों का स्वास्थ्य व विशेषकर नेत्र परीक्षण बेहद आवश्यक है।दृष्टि संबंधी समस्या से दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।ऐसे में व्यवसायिक वाहन चालकों के लिए आयोजित नेत्र जांच शिविर सड़क हादसों की रोकथाम में सहायक सिद्ध होगा और सुरक्षित परिवहन व्यवस्था को बढ़ावा देगा।

रोड ब्रेकर को पार करने के दौरान हुआ सड़क हादसा,घायल स्कूटी सवार रेफर

निज संवाददाता

रजौली। थाना क्षेत्र के सिमरकोल में बीते बुधवार की रात्रि लगभग 9 बजे एक स्कूटी सवार रोड ब्रेकर को पार करने के दौरान दुर्घटना का शिकार हो गया।इस सड़क दुर्घटना में स्कूटी सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।घायल युवक के कान आदि से खून बहता देख स्थानीय लोगों ने डायल 112 की टीम को सड़क दुर्घटना की जानकारी दी।सूचना पाकर पहुंची डायल 112 की टीम ने घायल युवक को इलाज हेतु अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया।अस्पताल में ड्यूटी में रहे चिकित्सक डॉ. बरकत अली ने बताया कि घायल स्कूटी सवार युवक की पहचान रजौली निवासी शिवनारायण यादव के पुत्र प्रेमन कुमार के रूप में हुई

अस्पताल में इलाजरत घायल युवक

है।साथ ही बताया कि घायल युवक के सीने और कान में अत्यधिक चोटें आई थी,जिसका प्राथमिक इलाज कर बेहतर इलाज हेतु पावापुरी स्थित विम्स अस्पताल रेफर किया गया है।वहीं अस्पताल रहे परिजनों ने बताया कि रजौली क्षेत्र में फोरलेन के बगल स्थित सर्विस लेन में दर्जनों रोड ब्रेकर दिए गए हैं।किंतु रोड ब्रेकर के समीप रेडियम आदि नहीं लगवाया गया है।रोड ब्रेकर के आसपास कोई संकेत नहीं रहने के कारण रात्रि में आवागमन करने वाले लोग धोखा खाकर सड़क दुर्घटना के शिकार हो जाया करते हैं।परिजनों ने स्थानीय प्रशासन से रोड ब्रेकर के समीप रेडियम आदि लगाने की गुहार लगाई है।

किसानों को समय पर खाद-बीज और कालाबाजारी रोकने की मांग,भारतीय किसान संघ रजौली की बैठक में प्रस्ताव

निज संवाददाता

रजौली। भारतीय किसान संघ (दक्षिण बिहार)के रजौली प्रखंड कार्यकारिणी की मासिक बैठक गुरुवार को ठाकुरबाड़ी में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड अध्यक्ष राम लखन प्रसाद यादव ने की। इस दौरान संगठन के कार्यों को गति देने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।संघ ने फैसला किया है कि सभी ग्राम समिति की बैठक प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में आयोजित की जाएगी, जबकि प्रखंड कार्य समिति की बैठक प्रत्येक माह के दूसरे सप्ताह में होगी। बैठक में भारतीय किसान संघ के जिला मंत्री अरविंद कुमार सिंह की अगुवाई में एक महत्वपूर्ण फैसला लिया गया। संघ ने आगामी रबी फसल को ध्यान में रखते हुए रासायनिक उर्वरकों एवं गुणवत्तापूर्ण बीज ससमय पर उपलब्ध करवाने तथा रासायनिक उर्वरकों की कालाबाजारी रोकते हुए किसानों को उचित दाम पर उपलब्ध करवाने हेतु अनुमंडल कृषि पदाधिकारी रजौली को एक ज्ञापन सौंपा। जिसमें मांग किया गया कि अनुमंडल क्षेत्र में कृषि कार्य सुचारु रूप से संपन्न हो सके, इसके लिए किसानों को समय पर रासायनिक खाद एवं बीज उचित दर पर आपूर्ति करवाई जाए। साथ ही, अनुमंडल क्षेत्र में रासायनिक खाद

बैठक में शामिल किसान नेता कृषि पदाधिकारी को ज्ञापन देने जाते

की कालाबाजारी रोकने के लिए आवश्यक एवं सख्त कदम उठाए जाएं।इस मौके पर भारतीय किसान संघ के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष ब्रह्मदेव प्रसाद सिंह, प्रखंड मंत्री चंद्रशेखर आजाद, कपिल देव प्रसाद, विजय प्रसाद, सुरेंद्र प्रसाद, नरेश प्रसाद, कार्यानंद प्रसाद, विजय प्रसाद, अशोक प्रसाद सहित संघ के सभी अपेक्षित कार्यकर्ता एवं किसान मौजूद थे।

ईवीएम और मतदान प्रक्रिया पर विशेष जागरूकता अभियान, छात्र-छात्राओं को मिली संपूर्ण जानकारी

निज संवाददाता

रजौली । जिला शिक्षा पदाधिकारी के निर्देशानुसार गुरूवार को इलेक्ट्रोल लिटरेसी क्लब के तहत उच्च माध्यमिक विद्यालयों में एक विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। इस पहल का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन(ईवीएम) और संपूर्ण मतदान प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देना था। यह कार्यक्रम विशेष रूप से गुरुवार को आयोजित किया गया। इस महत्वपूर्ण प्रशिक्षण के लिए मास्टर प्रशिक्षक के रूप में वीरेंद्र कुमार घोष और उत्क्रमित मध्य विद्यालय मरमो के शिक्षक संजय कुमार ने जिम्मेदारी संभाली। उन्होंने ईवीएम संचालन और मतदान की विधि पर गहन और संपूर्ण जानकारी विद्यार्थियों को दी। जागरूकता कार्यक्रम प्रखंड क्षेत्र के पांच उच्च माध्यमिक विद्यालयों में आयोजित किया गया,जिनमें प्रोजेक्ट कन्या इंटर विद्यालय रजौली, इंटर विद्यालय रजौली, उच्च माध्यमिक विद्यालय भगवानपुर, उच्च माध्यमिक विद्यालय बलिया और उच्च माध्यमिक विद्यालय चितरकोली शामिल हैं।मास्टर प्रशिक्षकों ने बच्चों को मतदान के महत्व को समझाने

बच्चों को जागरुक करते मास्टर ट्रेनर

» किसान संघ के एक प्रतिनिधि मंडल ने अनुमंडल कृषि पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

और उन्हें जागरूक करने के लिए 'न्यूटन' फिल्म का प्रदर्शन भी किया। इस पहल के माध्यम से छात्रों को प्रोत्साहित किया गया कि वे अपने अभिभावकों को मतदान करने के लिए प्रेरित करें। इसका मुख्य लक्ष्य क्षेत्र में घटते मतदान प्रतिशत के प्रति लोगों को जागरूक कर, आगामी चुनावों में मतदान की संख्या में महत्वपूर्ण बढ़ोतरी सुनिश्चित करना है। यह प्रयास युवा पीढ़ी को लोकतंत्र में उनकी जिम्मेदारी का एहसास कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बिजली विभाग द्वारा लगाए गए कैंप में 267 मामले पहुंचे,114 का हुआ ऑन द स्पॉट निष्पादन

निज संवाददाता

रजौली। अनुमंडल मुख्यालय समेत सिरदला,अकबरपुर,मेसकौर,गोविंदपुर,नरहट,नारदीगंज,नरहट एवं हिसुआ प्रखंड परिसर में बिजली विभाग द्वारा एकदिवसीय कैंप का आयोजन किया गया,जिसका मुख्य उद्देश्य बिजली से संबंधित शिकायतों का निराकरण करना था।बिजली विभाग के रजौली प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता सुनील कुमार ने बताया कि प्रमंडल क्षेत्र के सभी प्रखंडों से कुल 267 शिकायतें ग्रामीणों द्वारा दिया गया था,जिसमें 114 शिकायतों का ऑन द स्पॉट निष्पादन किया गया।उन्होंने बताया कि शिविर में ग्रामीणों को बिजली बिल,घरेलू कनेक्शन,कृषि कनेक्शन,नए कनेक्शन एवं स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायत आए थे।वहीं कुछ लोगों ने अपने क्षेत्र में पड़े खराब ट्रांसफार्मर के बारे में जानकारी दिया।ग्रामीणों से प्राप्त

प्रखंड परिसर में लगे कैंप में ग्रामीणों को समझाते कार्यपालक अभियंता व अन्य

जानकारी के आलोक में लगभग आधे शिकायतों का निपटारा बिजली विभाग के पदाधिकारियों द्वारा तुरंत कर लिया गया है।वहीं शेष शिकायतों का निपटारा अगले एक सप्ताह के भीतर कर लिया जाएगा।शिविर में कुछ ग्रामीणों द्वारा बिहार सरकार मिलने वाली 125 यूनिट सहायता के बारे में जानकारी की मांग किया गया।इस आलोक में ग्रामीणों को बताया गया कि बिहार सरकार द्वारा सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक की बिजली के लिए कोई भुगतान नहीं करना है।वहीं 125 यूनिट से ज्यादा बिजली खपत होने पर,जितना यूनिट अधिक यूनिट बिजली खपत होगा,उसका ही भुगतान करना है।साथ ही बिजली विभाग के नाम से साइबर फ्रॉड द्वारा लोगों को कॉल करके तरह-तरह धमकी दिया जाता है,इससे आमलोगों को सावधान रहने की जरूरत है।

कौआकोल में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत डीएम ने दिलाई शपथ

निज संवाददाता

कौआकोल। जिले में चल रहे स्वच्छता ही सेवा 2025 अभियान के तहत गुरुवार को नवादा जिलाधिकारी रवि प्रकाश एवं एसपी अभिनव धीमान के नेतृत्व में जिला की प्रशासनिक टीम कौआकोल के जेपी आश्रम सोखोदेवरा पहुँचे। जहां उपस्थित अधिकारियों,कर्मचारियों व जनप्रतिनिधियों एवं स्कूली बच्चों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर डीएम रवि प्रकाश ने ने कहा कि स्वच्छता केवल एक कार्यक्रम नहीं,बल्कि जीवन की दिनचर्या का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने जिलावासियों से अपने व्यवहारिक जीवन में स्वच्छता को अपनाने का आहवान किया। इससे पहले स्वच्छता अभियान में शामिल कर्मियों के द्वारा कई स्थानों पर विशेष सफाई अभियान चलाया गया। एसपी अभिनव धीमान ने कहा कि स्वच्छता अच्छे संस्कारों की नींव है। उन्होंने जिले को स्वच्छता के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने का

आहवान किया। इसके पूर्व जेपी आश्रम पहुंचने के बाद डीएम रवि प्रकाश एवं एसपी अभिनव धीमान ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। मौके पर पकरीबरावां के एसडीपीओ राकेश कुमार भाष्कर,बीडीओ डॉ० अखिलेश कुमार,सीओ मनीष कुमार,ग्राम निर्माण मण्डल के प्रधानमंत्री अरविंद कुमार,केवीके के वरीय वैज्ञानिक डॉ० जयवंत कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे।

» डीएम एवं एसपी ने किया जेपी प्रतिमा पर माल्यार्पण, लोगों को वोट देने के प्रति किया जागरूक

जिलास्तरीय आदर्श पैक्स में दरावां पैक्स को मिला प्रथम स्थान

निज संवाददाता

कौआकोल। प्रखण्ड के दरावां पैक्स अध्यक्ष रजनीश कुमार को पटना में आयोजित एक समारोह में बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ० प्रेम कुमार के द्वारा सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें सहकारिता विभाग द्वारा मुख्यमंत्री आदर्श पैक्स प्रोत्साहन अंतर्गत वर्ष 2024-25 में प्रदर्शन के आधार पर उत्कृष्ट कार्यकलाप पर नवादा जिला से दरावां पैक्स को प्रथम स्थान पर चयनित होने पर प्रदान किया गया है। पैक्स अध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि इस योजना के तहत पुरस्कार स्वरूप माननीय मंत्री के द्वारा विभाग के सौजन्य से दरावां पैक्स समिति को पांच लाख रुपये राशि भी प्रदान किया गया है। सम्मान मिलने से उत्साहित पैक्स अध्यक्ष रजनीश ने कहा कि यह सम्मान दरावां पैक्स के किसानों की देन है। जिन्होंने हम पर भरोसा कर लगातार चौथी बार सेवा करने का मौका दिया। जिनके भरोसे पर वे लगातार उतरने का प्रयास कर रहे हैं। पैक्स अध्यक्ष रजनीश को मंत्री

» पैक्स अध्यक्ष रजनीश को सहकारिता मंत्री ने किया पटना में सम्मानित
» प्रशस्ति पत्र एवं पांच लाख रुपये देकर किया सम्मानित

के द्वारा सम्मानित होने पर पत्रकार नवीन कुमार,रौशन कुमार सोनु,कुमार सानू,दशरथ मिस्त्री,कुमार सानू,राजीव रंजन,शैलेश कुमार आर्य,अमित कुमार,अजय कुमार,रामनुग्रह सिंह समेत पैक्स अध्यक्ष रामाश्रय सिंह,नरेंद्र सिंह,सुनील कुमार आदि ने उन्हें बधाई दिया है।

संक्षिप्त समाचार

"स्वच्छता ही सेवा" अभियान, श्रमदान और पौधारोपण से पर्यावरण संदेश

गयाजी। गया जिले के प्रखंड मुख्यालय कोंच में गुरुवार को स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोपहर 2 बजे राष्ट्रव्यापी "एक दिन, एक घंटा, एक साथ" श्रमदान कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी विपुल भारद्वाज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और सभी उपस्थित नागरिकों व विद्यार्थियों को स्वच्छता के महत्व के बारे में जागरूक किया। प्रखंड की सभी पंचायतों से आए लोगों ने हाथ में झाड़ू और कूड़ादान लेकर पूरे क्षेत्र की सफाई की। "एक पेड़ मां के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया, जिससे लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। असलेमपुर पंचायत के दो विद्यालयों—सिंघड़ा मध्य विद्यालय और उत्क्रमित उच्च विद्यालय तुतुरखी—में भी कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्र-छात्राओं ने विद्यालय परिसर की सफाई में सक्रिय भागीदारी दिखाई। प्रधानाध्यापक अशोक कुमार, मोहम्मद राशिद खान, और शिक्षक रामाश्रय प्रसाद यादव, नितेश रंजन ने भी बच्चों के साथ मिलकर सफाई और पौधारोपण में योगदान दिया। कार्यक्रम में प्रखंड समन्वयक अमरेश कुमार, पर्यवेक्षक अजित कुमार, गुड्डु शर्मा, प्रभात कुमार, श्रीनिवास कुमार, रंजन कुमार, ऋषभ राज और नवलेश कुमार सहित सभी स्वच्छता कर्मी उपस्थित रहे।

महाबोधि मंदिर के बोधि वृक्ष का स्वास्थ्य जांच में पाया पूरी तरह स्वस्थ

गयाजी। अंतरराष्ट्रीय धरोहर स्थल महाबोधि मंदिर में स्थित बोधि वृक्ष के स्वास्थ्य की नियमित जांच के लिए देहरादून से वन अनुसंधान संस्थान (एफआरओ) की वैज्ञानिकों की टीम बोधगया पहुंची। वैज्ञानिकों ने बोधि वृक्ष के अंदर और उसके आसपास तथा महाबोधि मंदिर की ऊपरी मंजिल से निरीक्षण कर वृक्ष की समग्र स्थिति का अध्ययन किया। जांच के दौरान वैज्ञानिकों ने पाया कि बोधि वृक्ष पूरी तरह से स्वस्थ है। उन्होंने बताया कि वृक्ष की पत्तियां हरी और दमकती हुई हैं तथा किसी प्रकार का तनाव या रोग नहीं पाया गया। इसके अलावा वृक्ष के स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए हल्का उपचार भी किया गया। एफआरओ की टीम ने वृक्ष की फैली हुई शाखाओं को सहारा देने के लिए पीतल के खंभे लगाने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वृक्ष के नीचे लकड़ी की छाया लगाने का सुझाव दिया। इसके साथ ही आवश्यकतानुसार सूखी शाखाओं की छंटाई करने पर भी चर्चा हुई। वैज्ञानिकों ने बताया कि बोधि वृक्ष उत्तम स्वास्थ्य में है और इसकी देखभाल नियमित रूप से जारी रहेगी, ताकि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी सुरक्षित और स्वस्थ बना रहे।

मातृ शक्ति पर्व नवरात्रा पर महिलाओं को सम्मान, हजारों के बीच बांटी गई साड़ियां

गयाजी। जिले के बेलागंज विधानसभा के कोरमा मैदान के प्रांगण में भव्य महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें बतौर मुख्य अतिथि बेलागंज से जदयू विधायक मनोरमा देवी शामिल हुई. इस दौरान उनके एवं उनके समर्थकों द्वारा हजारों महिलाओं के बीच साड़ी का वितरण किया गया. इस मौके पर विधायक पुत्र सह समाजसेवी राकेश रंजन यादव ने बताया कि दशहरा पर्व को देखते हुए महिलाओं को साड़ी का वितरण किया गया है, साथ ही उन्हें सम्मान भी दिया गया है. दशहरा पर्व देवी दुर्गा की पूजा के लिए जाना जाता है. मातृ शक्ति को ध्यान में रखते हुए महिलाओं का सम्मान किया गया है. उन्होंने कहा कि जदयू विधायक मनोरमा देवी के द्वारा बेलागंज विधानसभा में व्यापक कार्य किया गया है, जो सड़के 34 सालों में भी नहीं बनी, उनका निर्माण कराया गया है. विकास का कार्य आगे भी जारी रहेगा. हमलोग क्षेत्र की जनता को हरसंभव योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए लगातार प्रयासरत है.

पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर बीजेपी का श्रद्धांजलि कार्यक्रम

गयाजी। गयाजी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर बीजेपी की ओर से समीर तकिया रविदास टोला में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पार्टी नेताओं ने दिनकर की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। बीजेपी नेता डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय एक महान राष्ट्रवादी विचारक थे। उनका जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति की चिंता और सेवा में व्यतीत रहा। उनका यह मानना था कि जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति मुख्यधारा से जुड़ा नहीं और सम्मानजनक जीवन नहीं पा जाता, तब तक विकास अधूरा है। उन्होंने इस विचार को 'एकात्म मानववाद' कहा, जो आज बीजेपी की वैचारिक आधारशिला है। डॉ. मिश्रा ने बताया कि पंडित दीनदयाल ने व्यक्तिगत जीवन की परवाह किए बिना राष्ट्र और समाज की सेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उनके सपनों का समाज समानता, न्याय और अवसर पर आधारित था। वर्तमान भाजपा सरकार गरीबों, वंचितों और दलितों के जीवन स्तर को सुधारने के लिए कई योजनाएं चला रही है। कार्यक्रम में पार्टी नेताओं ने अपील की कि पंडित दीनदयाल के विचारों को समाज के कोने-कोने तक पहुंचाया जाए, ताकि भारत उनके सपनों का राष्ट्र बन सके। कार्यक्रम में बीजेपी प्रदेश कार्य समिति सदस्य राजेंद्र प्रसाद, अधिवक्ता संतोष ठाकुर, नेता राणा रणजीत सिंह, जिला कोषाध्यक्ष दीपक पांडे, सुनील रविदास, बबलू गुप्ता, मंटू कुमार, महेश यादव सहित कई पार्टी नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शेरघाटी में नेशनल हाईवे पर सिक्स लेन निर्माण पुनः शुरू, अंडरपास बंद

निज संवाददाता। शेरघाटी

नेशनल हाईवे पर सिक्स लेन सड़क निर्माण का काम फिर से शुरू कर दिया गया है। करीब सात महीने के इंतजार के बाद शेरघाटी के नई बाजार स्थित अंडरपास को बंद कर दिया गया है। जीटी रोड के इस स्ट्रेच में सिक्स लेन परियोजना कई विवादों और मुकदमों के कारण सुस्त पड़ गई थी। अंडरपास के निर्माण में वर्षों से बने गतिरोध के चलते मोरहर पुल से आमस अंचल के अंतिम पच्छमी गांव तक लगभग 30 किलोमीटर लंबी सड़क चौड़ीकरण परियोजना रुकी हुई थी। स्थानीय लोगों और अधिकारियों के बीच अंडरपास को चालू रखने या बंद करने को लेकर मतभेद लंबे समय से थे। दक्षिणी छोर के लोग सुरक्षा कारणों से अंडरपास बंद करने की मांग कर रहे थे, जबकि पश्चिमी छोर के लोग इसे खुला रखने पर जोर दे रहे थे। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ने स्पष्ट किया कि उक्त स्थान पर अंडरपास के लिए कोई औपचारिक प्रावधान नहीं है और सुरक्षा व सार्वजनिक सुविधा को ध्यान में रखते हुए इसे बंद करने का निर्णय लिया गया।

नगर परिषद ने आम जनता की सुविधा के लिए मोरहर नदी के किनारे वैकल्पिक मार्ग का निर्माण कराया है। इसके चलते दोपहिया और चारपहिया वाहनों का आवागमन अब सुचारू रूप से हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि सड़क निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और जल्द ही पूरा सिक्स लेन सड़क तैयार हो जाएगी। स्थानीय लोग इसे क्षेत्रीय विकास और यातायात सुगमता के लिए महत्वपूर्ण कदम बता रहे हैं। सिक्स लेन सड़क बन जाने से शहर में आवाजाही आसान होगी और आसपास के गांवों तथा व्यापारिक क्षेत्रों को भी नई दिशा मिलेगी। अधिकारियों का कहना है कि निर्माण पूरी होने पर शेरघाटी और आसपास के इलाकों में यातायात व्यवस्था बेहतर होगी, जिससे समय की बचत और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

जीबीएम कॉलेज की एनएसएस प्रोग्राम ऑफिसर बनीं डॉ. रश्मि प्रियदर्शनी

प्रधानाचार्या डॉ. सीमा पटेल ने डॉ रश्मि को दीं हार्दिक शुभकामनाएं

गया जी। गौतम बुद्ध महिला कॉलेज के अंग्रेजी विभाग की सीनियर असिस्टेंट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष डॉ कुमारी रश्मि प्रियदर्शनी को कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की प्रोग्राम ऑफिसर के रूप में नया दायित्व सौंपा गया है। दिनांक 24 सितंबर को एनएसएस स्थापना दिवस के शुभ दिन मगध विश्वविद्यालय, बोधगया द्वारा निर्गत पत्र के आधार पर डॉ रश्मि को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गयी है। एमयू के एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ पिंटू कुमार ने डॉ रश्मि को कॉलेज की एनएसएस इकाई की कमान सौंपते हुए हार्दिक खुशी जताई और कहा कि डॉ रश्मि की सक्रियता तथा कुशल नेतृत्व का लाभ एमयू की एनएसएस इकाई को भी मिलेगा। जीबीएम कॉलेज की प्रधानाचार्या डॉ सीमा पटेल ने डॉ रश्मि को एमयू द्वारा प्राप्त अप्वाइंटमेंट लेटर सौंपते हुए यह अपेक्षा जताई कि डॉ रश्मि के नेतृत्व में कॉलेज की एनएसएस इकाई अपनी पुरानी गरिमा को बरकरार रखते हुए सफलता के नये प्रतिमान गढ़ेगी। उन्होंने पुष्पगुच्छ प्रदान कर डॉ रश्मि का अभिनंदन किया। वहीं डॉ रश्मि ने कहा कि वे छात्राओं के हितार्थ एनएसएस इकाई के कुशल संयोजन, संचालन, एवं समन्वयन हेतु अपनी ओर से यथासंभव प्रयत्न करेंगी। अधिक से अधिक छात्राओं को कॉलेज की एनएसएस इकाई से जोड़ने तथा निःस्वार्थ समाजसेवा में संलग्न करने हेतु अभियान चलाया जायेगा। ज्ञातव्य है कि डॉ रश्मि वर्तमान में कॉलेज की जन संपर्क अधिकारी के रूप में भी निष्ठापूर्वक कार्य कर रहीं हैं, तथा वे कॉलेज की पूर्व एनसीसी सीटीओ भी रह चुकी हैं। मौके पर उपस्थित पूर्व प्रभारी प्रधानाचार्य डॉ सहदेब बाउरी, डॉ आशुतोश कुमार पांडेय, डॉ प्यारे मांझी, रौशन कुमार, अभिषेक कुमार, नीरज कुमार, अजय कुमार ने भी डॉ रश्मि को बधाइयाँ दीं।

नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत अदरचक में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

ग्रामीणों को मिली बेहतर चिकित्सकीय सुविधा

निज संवाददाता। गयाजी

नागरिक कल्याण और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुरुवार को 29 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, गया के निर्देशन में 'सी' समवाय डुमरिया के कार्यक्षेत्र में ग्राम अदरचक, थाना डुमरिया में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का आयोजन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र डुमरिया के सहयोग से किया गया।

इस स्वास्थ्य शिविर में वाहिनी के चिकित्सक डॉ. कनन हरिदास, सहायक कमांडेंट (चिकित्सा) ने ग्रामीणों की स्वास्थ्य जाँच की और जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण किया। विशेष व्यवस्था के तहत उन ग्रामीणों के लिए बाइक एम्बुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई, जो स्वयं शिविर स्थल तक नहीं पहुँच सकते थे। उन्हें घर से लाकर चिकित्सा प्रदान की गई और उपचार के बाद सुरक्षित रूप से घर तक पुनः पहुँचाया गया। स्थानीय ग्रामीणों ने इस शिविर में बढ़-चढ़ कर भाग लिया और स्वास्थ्य जाँच का लाभ उठाया। इस शिविर के दौरान कुल 133 ग्रामीणों का सफलतापूर्वक उपचार किया गया, जिसमें पुरुष 29, महिलाएं 101 और बच्चे 3 शामिल थे। शिविर में हाई ब्लड प्रेशर, शुगर जैसी सामान्य बीमारियों का परीक्षण किया गया और जरूरतमंदों को दवाइयाँ उपलब्ध कराई गई। यह शिविर न केवल ग्रामीणों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक साबित हुआ, बल्कि ग्रामीणों में स्वास्थ्य जागरूकता भी बढ़ाई। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की और कहा कि इस तरह के स्वास्थ्य शिविर उन्हें नियमित स्वास्थ्य परीक्षण का अवसर प्रदान करते हैं। इस तरह, 29 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल द्वारा आयोजित यह निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण समुदाय के लिए स्वास्थ्य और कल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

कोंच में भाकपा माले का प्रदर्शन, गरीबों और महिलाओं के अधिकारों की रक्षा की मांग

निज संवाददाता। गयाजी

गया जिले के कोंच अंचल में गुरुवार को भाकपा माले ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्रखंड कार्यालय के सामने जुटे प्रदर्शनकारियों ने अंचल अधिकारी और प्रखंड विकास पदाधिकारी को नौ सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सबसे बड़ी मांग यह थी कि सरकारी जमीन, गैर-मजूरिया, आम-खास भूमि और मठ-मंदिर की जमीन पर रह रहे गरीब परिवारों को वासभूमि परचा दिया जाए। साथ ही सभी शादीशुदा गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर मिलने की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने मनरेगा योजना में 200 दिन का काम और 600 रुपये मजदूरी सुनिश्चित करने की भी अपील की। भाकपा माले के जिला सचिव निरंजन कुमार ने आरोप लगाया कि सरकार गरीबों को जमीन देने में विफल है, जबकि पूंजीपतियों को कम दाम पर जमीन उपलब्ध कराई जा रही है। इसके अलावा, रीता बर्णवाल ने बिहार में महिलाओं की असुरक्षा का मुद्दा उठाया और उनके सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू करने की मांग की। अन्य प्रमुख मांगों में सभी पंचायतों में महिला कॉलेज खोलना, बुजुर्गों और विधवाओं को 3000 रुपये पेंशन, महिलाओं को कर्ज मुक्ति और 3000 रुपये गुजारा भत्ता देने की आवश्यकता शामिल रही। कार्यक्रम का नेतृत्व रवि कुमार, मो. हसीब आलम, राजकुमार यादव, आलोक यादव और पूर्व मुखिया संजय राम ने किया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी शामिल हुए।

वजीरगंज प्रखंड मुख्यालय परिसर में चोरी उद्रेदन की मांग को ले समाजसेवी करेंगे आमरण अनशन, हुई बैठक

वजीरगंज। जीरगंज थाना क्षेत्र में लगातार हो रही चोरियों से आहत एक समाजसेवी पंकज कुमार ने आमरण अनशन का निर्णय लिया है। जिसके बाद समाजसेवियों के एक समूह ने बैठक कर विधिवत शांतिपूर्ण तरिके से उसमें भाग लेने के लिये कई निर्णय लिया। अनशन आगामी शनिवार को प्रखंड मुख्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी। बैठक में शामिल पंकज कुमार ने कहा कि क्षेत्र में दर्जनों चोरियां हो चुकि है और आये दिन रूक - रूक कर ये घटनायें आम होते जा रही है। इससे ऐसा प्रतित होता है कि पुलिस प्रशासन गहरी निद्रा में चली गई है, जिसे जगाने के लिये हमने यह फैसला लिया है। इससे संबंधित अनुमति के लिये गया सदर अनुमंडल पदाधिकारी को लिखित आवेदन भी दे चुके हैं। बैठक में अनशन के दरम्यान सहयोग देने वाले क्षेत्र के कई समाजसेवियों की एक कमिटी बनी है और उनका जो अंतिम निर्णय रहेगा मैं मानूंगा तथा अंत स्थिति तक मैं अनशन पर बैठा रहूँगा।

स्वच्छता सर्वेक्षण में गयाजी बना बिहार में नंबर-1 मंत्री डॉ. प्रेम कुमार और जनप्रतिनिधियों ने स्वच्छता श्रमदान में लिया भाग

निज संवाददाता। गयाजी

गयाजी में मंत्री डॉ. प्रेम कुमार, एमएलसी कुमुद वर्मा और नगर आयुक्त कुमार अनुराग ने स्वच्छता श्रमदान में हिस्सा लिया। इस दौरान नगर निगम के जनप्रतिनिधि, अधिकारी, कर्मचारी और आम नागरिक भी मौजूद रहे। कार्यक्रम दिग्घी तालाब के साथ शहर के दस अन्य स्थानों पर आयोजित किया गया, जहां सभी ने सार्वजनिक स्थलों की सफाई कर नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया। मंत्री डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण के लिए सभी की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने नगर निगम की प्रशंसा करते हुए बताया कि स्वच्छता सर्वेक्षण में गया देश में 27वें और बिहार में पहले स्थान पर आया। उन्होंने कहा कि शहर की स्वच्छता व्यवस्था अन्य बड़े शहरों और स्मार्ट सिटी को भी पीछे छोड़ रही है। उन्होंने पितृपक्ष मेले में नगर निगम की मुख्य व्यवस्थाओं की भी सराहना की। एमएलसी कुमुद वर्मा ने लोगों से अपील की कि वे स्वच्छता को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं और प्रतिदिन कुछ समय इसके लिए दें। नगर आयुक्त कुमार अनुराग ने बताया कि स्वच्छता केवल निगम की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है कि वह अपने आसपास सफाई बनाए रखे। उनका कहना था कि निगम के कर्मी लगातार कार्यरत हैं, लेकिन जनता का सहयोग न होने पर स्वच्छता बनाए रखना कठिन होता है। नगर निगम की सतत कोशिशों और नागरिक सहयोग के कारण गया ने स्वच्छता सर्वेक्षण में 272वें स्थान से सीधे 27वें स्थान पर आकर राष्ट्रीय पहचान बनाई है। शहर में लगातार बारिश और फल्गु नदी के उफान के बावजूद कहीं भी जल जमाव नहीं हुआ।

झारखण्ड सरकार
GOVERNMENT OF JHARKHAND

मेरे प्यारे झारखण्ड वासियों
जोहार !

कुपोषण मुक्त झारखण्ड के संकल्प को साकार करने हेतु 17 सितम्बर, 2025 से 16 अक्टूबर, 2025 तक 'पोषण माह' के रुप में मनाया जा रहा है। जैसा कि हम सभी जानते हैं कि स्वस्थ शरीर के लिए सही पोषण अति आवश्यक है। विशेष रुप से किशोरी बालिकाओं, गर्भवती महिलाओं, धात्री माताओं एवं बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए पौष्टिक आहार के साथ-साथ उचित व्यवहार का पालन का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा है। राज्य में स्वास्थ्य एवं पोषण के क्षेत्र में निरंतर प्रयासों के कारण विगत पांच वर्षों में मातृ मृत्यु दर तथा शिशु मृत्यु दर में कमी आई है।

झारखण्ड प्रदेश को प्रकृति ने विभिन्न प्रकार के हरी साग-सब्जियों, मोटे अनाज एवं मौसमी फलों का उपहार दिया है, जो हमारे घर-आंगन के आस-पास अत्यंत आसानी से कम मूल्य में उपलब्ध हैं। अपने भोजन में इनका समावेश कुपोषण को दूर करने में हमारी बहुत मदद कर सकता है। साथ ही, अपने आस-पास मौजूद लोगों में मोटापा दूर करने हेतु नमक, चीनी एवं वसा का उपयोग कम करने हेतु प्रोत्साहित करें ताकि, मोटापा से संबंधित विभिन्न रोगों से बचा जा सके। इसके लिए महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों को भी कंधे से कंधा मिलाकर चलना होगा, ताकि पूरे जन समुदाय के खान-पान की आदतों में सुधार हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके। पोषण माह के दौरान, वृद्धि निगरानी, ऊपरी आहार के महत्व का व्यापक प्रचार-प्रसार, पोषण भी पढ़ाई भी को बढ़ावा देने एवं समग्र पोषण पर जागरुकता फैलाने हेतु राज्य/जिला/परियोजना/आंगनबाड़ी केन्द्रों पर विभिन्न विभागों के समन्वय से विभिन्न गतिविधियां जन आंदोलन के रुप में आयोजित की जाएंगी। आंगनबाड़ी केन्द्रों, शिक्षण संस्थानों तथा पंचायतों आदि में अन्नप्राशन, गोदभराई, पोषण रैली, पोषण रथ, पोषण पर चर्चा, वाद-विवाद प्रतियोगिता, रचनात्मक गतिविधियां यथा रंगोली प्रतियोगिता, क्विज प्रतियोगिता तथा अन्य प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिससे समुदाय का पोषण के विषय पर ज्ञानवर्द्धन हो सके।

मेरा अनुरोध है कि विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लें एवं पोषण के संदेशों को घर-घर तक पहुंचाएं ताकि, कुपोषण मुक्त झारखण्ड का हमारा सपना साकार हो सके।

सुपोषित झारखण्ड, साक्षर झारखण्ड, सशक्त झारखण्ड !

हेमन्त सोरेन
मुख्यमंत्री, झारखण्ड

महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड सरकार

PR. No.- 362885/IPRD/2025-26

संक्षिप्त समाचार

मारपीट मामले में दो गिरफ्तार,गए जेल

बिक्रमगंज । पुलिस ने मारपीट मामले में दो भाई को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के मोहनी निवासी स्वर्गीय सुकन सिंह के पुत्र विनोद सिंह एवं प्रमोद सिंह को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्त सगे भाई हैं । इनके विरुद्ध स्थानीय थाना में कांड संख्या 664/25 के आलोक में मारपीट करने का मामला दर्ज था । बताया कि गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों को जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया । शराबी गया जेल बिक्रमगंज । स्थानीय पुलिस ने मिली सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के जरलाही मठिया निवासी शिव शंकर गिरी को नशे की हालत में गिरफ्तार कर लिया । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार शराबी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया ।

गुमशुदा युवक का शव पुलिस ने किया बरामद

राजपुर / रोहतास। बघैला थाना क्षेत्र के नोनियाडिह गांव से 18 सितंबर को गायब गांव निवासी नथुना चौधरी का तीस वर्षीय बेटा राकेश चौधरी उर्फ नागा चौधरी का शव बुधवार को पुलिस ने गांव के पूरब बधार स्थित एक बगीचा से बरामद किया । थानाध्यक्ष करण कुमार ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा नोनियाडीह गांव के समीप नदी किनारे बगीचे अन्तर्गत एक झलास में शव मिलने की सूचना दी गई। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में ले लिया और पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया । उन्होंने बताया कि 18 सितंबर को मृतक की पत्नी मिरा कुमारी ने अपने पति की गुमशुदगी का सूचना थाना में दर्ज कारवाया था।जिसके बाद पुलिस कांड संख्या 152/25 बीएनएस धारा 140 (तीन) दर्ज कर अनुसंधान में जुटा हुआ था.उन्होंने कहा कि मामले की जांच एवं पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हीं घटना की सच्चाई सबके सामने आ पायेगा । घटना को लेकर स्थानीय लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं हैं । कोई हत्या तो कोई आत्म हत्या कर लिये जाने का शंका जता रहा है। मृतक के चाचा बुधन चौधरी व पिता नथुना चौधरी ने बताया कि उक्त युवक विगत कुछ दिनों से नशा के गिरफ्त में आ चुका था.नशा के लिये कई तरह की दवाईया खाया करता था।दिन रात नशा में बेहोशी की हालत में रहता था । विश्वकर्मा पूजा के दिन नशे की हालत में वह दिन रात साथ रहने वाले अपने गोतिया के ट्रैक्टर के हल का बहिंया खोलकर राजपुर एक कबाडी दुकान में बेच आया था.हम सभी लोगों ने मिलकर पता लगाया और कबाडी दुकानदार ने स्वीकार किया कि ये बहिया नागा चौधरी द्वारा उसको बेचा गया है.परिवार के सभी लोगों ने उस पर बिना कोई दबाव बनाये समझाया कि ऐसा नहीं करना चाहिये । नशे की हालत में अपने मित्र एवं पड़ोसी के साथ इस तरह के चोरी की घटना को अंजाम देने से वह दु:खित रहने लगा था।18 सितंबर को बिना बताये घर से गायब हो गया।तभी से गांव के पड़ोसी एवं परिवार के लोग उसे ढूंढने में लगे थे।

पितृपक्ष में श्री मंदिर ऐप के जरिए 30 हजार से अधिक पूजाएं सम्पन्न

दुनियाभर के श्रद्धालुओं ने तकनीक से जोड़ी आस्था

गया।पितृपक्ष के दौरान बिहार के गया सहित विभिन्न तीर्थस्थलों पर इस वर्ष डिजिटल आस्था का अनूठा विस्तार देखने को मिला। श्री मंदिर ऐप के माध्यम से देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने 30 हजार से अधिक ऑनलाइन पूजाएं कराईं। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में दोगुनी है। श्री मंदिर ऐप के फाउंडर एवं सीईओ प्रशांत सचान ने बताया कि प्रत्येक अनुष्ठान विधिवत परंपराओं के अनुसार सम्पन्न होता है और उसकी रिकॉर्डिंग श्रद्धालुओं को उपलब्ध कराई जाती है। यदि भक्त संतुष्ट न हों तो पूजा दोबारा कराई जाती है। देश का सबसे बड़ा भक्ति ऐप बने श्री मंदिर के अब तक 4.5 करोड़ से अधिक डाउनलोड हो चुके हैं। इसके माध्यम से भक्त वर्चुअल दर्शन, ऑनलाइन पूजा, प्रसाद और चढ़ावा जैसी सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। विदेशों में बसे भारतीयों ने भी ऐप के जरिए पितृपक्ष पर अपने पारिवारिक संस्कार पूरे किए। आयोजकों का कहना है कि डिजिटल माध्यम अब आस्था और परंपरा को वैश्विक स्तर पर जोड़ने का नया सेतु बन रहा है।

दुर्गापूजा प्रेम, सद्भावना और अहिंसा का द्योतक - डॉ. कमर

गयाजी। दुर्गापूजा जहाँ संपूर्ण राष्ट्र में धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। वहीं दूसरी तरफ गया के प्रसिद्ध हैम्योपैथिक चिकित्सक और आजाद बेलफेयर सेन्टर के सचिव, डॉ के के कमर ने कहा कि दुर्गापूजा का त्योहार ना केवल धार्मिक आस्था का पर्व है बल्कि यह प्रेम, सौहार्द, सद्भावना और अहिंसा का द्योतक है। यह समाज को शक्ति, साहस और नैतिक मूल्यों का भी त्योहार है। एक तरफ जहाँ मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीरामचंद्र ने रावण का वध कर हिंसा पर अहिंसा का विजय दिलाया। वहीं दूसरी तरफ माँ दुर्गा ने महिषासुर का वध कर दानवों से देव एवं मानवों को मुक्ति दिलाई। उन्होंने कहा कि हमें भी अपने अंदर की बुराई को नष्ट कर अच्छाई और नेकी को अपनाने की जरूरत है तभी दुर्गापूजा की सार्थकता साबित होगी। उन्होंने एकजुटता, शांति, सद्भावना और भाईचारा का आह्वान करते हुए देशवासियों को दुर्गापूजा की शुभकामनायें दी। डॉ कमर ने लोगों से संयम, धैर्य, सुरक्षा और उत्साह के साथ दुर्गापूजा मनाने की अपील किया।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पूर्व मंत्री बिहार सुमित्रा देवी की 123 वीं जयंती सम्पन्न

निज संवाददाता

सासाराम ,रोहतास । स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पूर्व मंत्री बिहार सुमित्रा देवी की 123 वीं जयंती कांग्रेस कार्यालय इंदिरा गांधी आश्रम सासाराम में मनाई गई । देवी जी 1952 में पहली बार जगदीशपुर एवं आरा,नोखा विधानसभा से चुनाव जीतकर सम्पूर्ण बिहार का एक पहली महिला कैबिनेट मंत्री बनी । अपने कार्यकाल में सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निर्माण पूरे बिहार में करवाने का कार्य किया एवं उच्च विद्यालयो,महाविद्यालयो का निर्माण करावाने का कार्य किया । उनके जयंती के पर नमन कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई जिसमें कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमरेंद्र कुमार पांडेय, राजेश्वर कुशवाहा,सुमंत कुशवाहा, डॉ जावेद अख्तर,ज्ञानचंद ओझा, श्री भगवान सिंह,नवल किशोर,अरविंद यादव, रवि यादव, सौरभ कुशवाहा,मनोरंजन यादव, दीपक कुशवाहा सहीत कई लोग शामिल थे । रोहतास जिला कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर पांडेय ने सुचित्रा देवी के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का आह्वान किया । श्री पांडेय ने कहा कि श्रीदेवी का चरित्र,चाल,व्यौहार सहनशीलता , अनुकरणीय है जिसे अमल करना हम लोगों का परम कर्तव्य है।

ट्रक से नटवार बिक्रमगंज पथ प्रतिदिन हो रहे जाम

निज संवाददाता

बिक्रमगंज /रोहतास । बिक्रमगंज अनुमंडल क्षेत्र के नटवार बिक्रमगंज पथ पर,आए दिन जाम की समस्या से यात्री जूझ रहें है इस पथ से प्रतिदिन करीब पांच हजार वाहनों का आवागमन होता रहता हैं,प्रत्येक दिन करीब दो, तीन एंबुलेंस की गाड़िया भी मरीजों को ले कर इस महा जमा में क़रीब घंटों फसे रहते हैं प्रशासन भी कभी कभी रहती है, नहीं तो वह भी नदारत ही नजर आती हैं महा जाम में फंसे नटवार बाजार निवासी उमा शंकर सिंह ने ने बताया कि हम सप्ताह में चार से पांच दिन पिरो जाते हैं , हमें रोज जाम के कारण अपने काम पर लेट से पहुंचना पड़ता है, प्रशासन को चाहिए कि इस पथ पर से ट्रक का आवागमन पर रोक लगाए ।

दुर्गापूजा में शांति,सुरक्षा और दिशा- निर्देशों का अक्षरसः पालन जरूरी : एडीएम ललित भूषण रंजन

निज संवाददाता

बिक्रमगंज /रोहतास । दुर्गापूजा को लेकर गुरुवार को बिक्रमगंज थाना परिसर में अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई । बैठक की अध्यक्षता रोहतास एडीएम ललित भूषण रंजन ने की । इस बैठक में एसडीएम प्रभात कुमार,एएसपी सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार,एलआरडीसी संतोष कुमार,फायर ब्रिगेड के वरीय अधिकारी,इलेक्ट्रॉनिक व प्रिंट मीडिया के प्रतिनिधि,अनुमंडल के सभी विभागों के अधिकारी,सभी थानाध्यक्ष,बीडीओ,सीओ समेत पूजा समिति अध्यक्ष व सदस्य,शांति समिति सदस्य,प्रबुद्धजन, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय थाना के पुलिस अधिकारी व कर्मी शामिल हुए । बैठक के दौरान अनुमंडल क्षेत्र से आये पूजा समिति अध्यक्ष,सदस्य व जनप्रतिनिधियों ने दुर्गापूजा के दौरान सुरक्षा,स्वास्थ्य,यातायात की व्यवस्था,बिजली,पानी,साफ-सफाई, अग्निशमन व अन्य व्यवस्थाओं से संबंधित अपनी बातें प्रशासन के समक्ष रखीं । अधिकारियों ने सभी मुद्दों को गंभीरता और बारीकी से सुना । एडीएम ललित भूषण रंजन ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि दुर्गापूजा के दौरान शांति,सौहार्द्र और कानून-व्यवस्था बनाये रखना सबसे अहम है । सरकार द्वारा जारी किए गए गाइडलाइन का अक्षरसः पालन सुनिश्चित करना होगा । सभी पूजा समितियों से अपील है कि वे पंडालों में उचित अग्निशमन की व्यवस्था, साफ-सफाई,भीड़-नियंत्रण और यातायात व्यवस्था में प्रशासन को सहयोग करें । सोशल मीडिया पर अफवाह या भ्रामक संदेश फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी । सभी अधिकारी अपने-अपने स्तर पर पूरी सतर्कता व मुस्तैदी के साथ कार्य करें,ताकि त्योहार शांतिपूर्ण व सफलतापूर्वक संपन्न हो सके ।एसडीएम प्रभात कुमार ने कहा कि पूरे अनुमंडल क्षेत्र में दुर्गापूजा के दौरान प्रशासन की ओर से पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं । पूजा समितियों को सुरक्षा,स्वास्थ्य,साफ-सफाई,यातायात की व्यवस्था और बिजली-पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की समस्या आने पर तुरंत अनुमंडल प्रशासन मुहैया कराएगी । साथ ही संवेदनशील इलाकों में विशेष टीम तैनात की जाएगी और अधिकारियों द्वारा लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी ।एएसपी सह अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संकेत कुमार ने कहा कि पूजा पंडालों,सार्वजनिक स्थलों और जुलूस के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी । संवेदनशील एवं अति-संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस गश्त बढ़ाई जाएगी । सीसीटीवी के जरिए भी निगरानी रखी जाएगी । किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन हर स्तर पर सजग और तत्पर रहेगा । सभी पूजा समितियों से अपेक्षा है कि वे भीड़-नियंत्रण में पुलिस का सहयोग करें ।फायर ब्रिगेड के वरीय अधिकारी ने कहा कि पूरे अनुमंडल क्षेत्र में दुर्गापूजा के दौरान अग्निशमन की विशेष व्यवस्था की जाएगी । सभी पूजा पंडालों में आग से बचाव के साधन जैसे बाल्टी,रेत,अग्निशामक यंत्र आदि रखने की सलाह दी । प्रशासन की ओर से फायर ब्रिगेड की टीम लगातार गश्त कर रही है और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत सहायता देने के लिए तैयार है । साथ ही पंडालों में बिजली की वायरिंग सुरक्षित ढंग से करने का भी अनुरोध की । बैठक के अंत में एडीएम ने सभी अधिकारियों,समिति सदस्यों व जनप्रतिनिधियों को निर्देश दिया कि वे मिलकर दुर्गापूजा को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और सफल बनाने में प्रशासन को पूरा सहयोग करें ।

भव्य पंडालों और मां दुर्गा की दिव्य प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में कारीगर जुटे

निज संवाददाता

सासाराम / रोहतास । जिले के सभी कस्बों में दुर्गापूजा को लेकर उत्साह,भक्ति और उल्लास का वातावरण है । नगर के हर मोहल्ले, गांव और कस्बे के पूजा पंडालों में मां दुर्गा की प्रतिमाओं को अंतिम स्वरूप देने तथा भव्य पंडालों की सजावट के लिए कारीगर दिन-रात युद्धस्तर पर काम कर रहे हैं । जगह-जगह रंग- बिरंगे कपड़े,झिलमिलाती लाइटें और थीम आधारित सजावट से पंडालों की शोभा बढ़ाई जा रही है । कारीगरों का कहना है कि इस बार की प्रतिमाएं विशेष रूप से आकर्षक और आधुनिक शैली में बनाई जा रही हैं ।जिसमें शिल्पकला और पारंपरिक आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा । कुछ पूजा समितियों ने तो अपने पंडालों को ऐतिहासिक और धार्मिक थीम पर सजाने का निर्णय लिया है,जिससे श्रद्धालुओं को अद्भुत अनुभव प्राप्त हो । स्थानीय पूजा समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए सुरक्षा,स्वच्छता और सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं ।पंडालों में सीसीटीवी कैमरे,वॉलंटियर और स्वास्थ्य सुविधा के लिए मेडिकल टीम भी तैनात की जाएगी । अनुमंडल प्रशासन के अनुसार सभी पूजा समितियों को सरकार द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करने का निर्देश दिया गया है । प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे शांति,सौहार्द और स्वच्छता बनाए रखते हुए मां दुर्गा की आराधना करें । पूरे अनुमंडल क्षेत्र में दुर्गापूजा को लेकर भक्तों में गहरी आस्था और उमंग देखने को मिल रही है । पंडालों में देवी गीतों और भजन की गूंज के साथ-साथ मातृशक्ति की आराधना का माहौल हर ओर व्याप्त है ।

श्री श्री 1008 श्री दुर्गा पूजा समिति धर्मागत परासी एवं गोरख परासी (सातों परसिया) जलयात्रा संपन्न

निज संवाददाता

काराकाट /रोहतास। प्रखंड काराकाट अंतर्गत पंचायत मानिक परासी में श्री श्री 1008 श्री दुर्गा पूजा समिति धर्मागत परासी एवं गोरख परासी (सातों परसिया) जलयात्रा का शुभ आरम्भ दोपहर 2 बजे से दुर्गा पंडाल से आरम्भ हुआ जो सातो परसिया से होते करूप , इटावा ,जमुआ से मां की जयकारा लगाते हुए भक्त सखावा नाहर पुल पर आचार्यों ,पंडित के वैदिक मंत्रो चारण के साथ संपन्न हुआ जिसमें हाथी, घोड़े ऊंट, हजारों श्रदालुओं ने भाग लिया बैंड बाजा इत्यादि मौके पर मानिक परासी, गोरख पारसी, धर्मागत पारसी,नोक परासी सहित सातों परसिया के सभी धर्म प्रिय सनातनी बन्धु भाग लिया और छोटे बच्चों नर नारी ने बढ़ चढ़ कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई इसी के साथ आज के जल भारी बड़ी ही उत्सव और हरसोला से समाप्त हुई।

काराकाट में प्रखण्ड स्तरीय क्विज और विज्ञान प्रदर्शनीः प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी की अध्यक्षता में हुआ आयोजन

निज संवाददाता

काराकाट । रोहतास जिले के काराकाट मुख्यालय स्थित प्रखण्ड संसाधन केंद्र में गुरुवार को प्रखण्ड स्तरीय क्विज प्रतियोगिता और विज्ञान प्रदर्शनी का सफल आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी मो. कलीम उद्दीन ने की। इस आयोजन में 21 सीआरसी (क्लस्टर रिसोर्स सेंटर) से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। क्विज प्रतियोगिता में दो वर्गों में विजेताओं का चयन किया गया। वर्ग छह से आठ में उच्चतर मध्य विद्यालय गोडारी के शिक्षा कुमारी क्विज में प्रथम स्थान प्राप्त कर, जिला के लिए चयनित हुई ; जबकि वर्ग नौ से बारह में रामरूप प्लस टू उच्च विद्यालय गोडारी के अमृत कुमार दुबे विजेता रहे जिनको जिला के लिए चयनित किया गया।इसी प्रकार, विज्ञान प्रदर्शनी में भी दो वर्गों में परिणाम घोषित किए गए। वर्ग छह से आठ में उच्चतर मध्य विद्यालय मुंजी के खालिदा खानम ने प्रथम स्थान प्राप्त कर जिला के लिए चयनित हुई और वर्ग नौ से बारह में उच्च माध्यमिक विद्यालय जयश्री के रानी कुमारी, पिता विनोद साह ने पहला स्थान हासिल किया और जिनको जिला के लिए चयनित किया गया। सभी सफल छात्र-छात्राओं को प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी द्वारा पुरस्कृत किया गया और वही 6 से 8 मूल्यांकन हेतु प्रतिनियुक्त शिक्षक/शिक्षिका वाला पहले उमाशंकर सिंह, संजय कुमार, प्रेम प्रकाश, अभिषेक कुमार, सरिता कुमारी एवं 9 से बारह संतोष कुमार मिश्रा, प्रमोद पांडेय, शशि कुमार पासवान, अभय कुमार, कुमारी अर्चना थे। इस अवसर पर कार्यक्रम के संचालकर्ता और कार्य सहयोगी शिक्षक संजय कुमार, डाटा ऑपरेटर किसु कुमार, सहित कई अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

थाना परिसर में नवविवाहित महिला की संदिग्ध मौत, पिता ने दामाद पर हत्या का आरोप

निज संवाददाता

करगहर (रोहतास)। रोहतास जिले के करगहर थाना परिसर में तैनात सब इंस्पेक्टर ज्ञानदीप कुमार की पत्नी मीनू कुमारी का शव उनके सरकारी आवास में पंखे से लटका पाया गया। घटना बुधवार रात करीब 9 बजे हुई। घटना की सूचना मिलते ही एसडीपीओ कुमार वैभव और एफएसएल टीम मौके पर पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद ही मौत की सटीक वजह सामने आएगी। मीनू कुमारी के पिता मनोज कुमार गुप्ता ने दामाद ज्ञानदीप कुमार गुप्ता पर हत्या का आरोप लगाते हुए प्राथमिकी दर्ज करने का आवेदन दिया है। उन्होंने कहा कि शादी के बाद से मीनू को लगातार दामाद द्वारा प्रताड़ित किया जाता रहा। शिकायतों और परेशानियों से तंग होकर मीनू कई बार अपने माता-पिता के घर भी लौटी। मनोज कुमार ने बताया कि 20 नवंबर 2025 को मीनू को दामाद करगहर लेकर आए। 24 नवंबर को अचानक उसका

» दस माह पहले हुई थी मृतिका शादी

मोबाइल बंद मिलने पर दामाद ने कहा कि मीनू को अस्पताल ले जाया गया है। कुछ ही समय बाद परिवार को सूचना मिली कि मीनू की मौत हो गई है। परिवार ने जब गुरुवार की सुबह थाना परिसर के कमरे में शव देखा, तो मृतका के गले पर प्लास्टिक की रस्सी का निशान था। पिता का कहना है कि यह हत्या एक सोची-समझी साजिश के तहत की गई और इसमें दामाद के साथ किसी अज्ञात सहयोगी की संलिप्तता हो सकती है। एसडीपीओ कुमार वैभव ने बताया कि मामला संदिग्ध है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच की जा रही है।

125 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना, स्मार्ट प्रीपेड मीटर व विद्युत सुरक्षा से जुड़ी जानकारी हेतु शिविर आयोजित

निज संवाददाता

काराकाट /रोहतास । मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु सभी प्रशाखा मे उपभोक्ताओं को 125 यूनिट निःशुल्क बिजली योजना, स्मार्ट मीटर, बिल सुधार, नए कनेक्शन, शिकायत निवारण एवं विद्युत सुरक्षा से जुड़ी जानकारी के लिए गुरुवार को शिविर का आयोजन किया गया। विद्युत कार्यपालक अभियंता सासाराम ब्रवीम ने बताया की आयोजित शिविर मे मुख्यतः गलत रीडिंग, एकमुश्त रीडिंग, गलत औसत, खराब मीटर एवं अन्य कारणों से संबंधित विद्युत विपत्र सुधार कराने हेतु उपभोक्ता पहुंचे। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं को योजनाओं का प्रत्यक्ष लाभ मिले और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान हो, यह सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है। इसके अलावा उन्होंने पीएम सूर्यघर मुफ़्त बिजली योजना के विषय में भी लोगों को जागरूक करने को कहा। राज्य सरकार की ओर से सभी कुटीर ज्योति उपभोक्ताओं के छतों पर निःशुल्क सौर संयंत्र लगाए जाएंगे। शिविर मे इसके लिए भी उपभोक्ता आवेदन कर सकते हैं। सहायक विद्युत अभियंता, बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया कि कुछ उपभोक्ताओं का बिजली बिल ऑनस्पॉट सुधार कर दिया गया है। जिनके विपत्र में ऑनस्पॉट सुधार संभव नहीं थे उनका आवेदन पत्र ले लिया गया है तथा सात कार्यदिवस में सुधार कर दिया जाएगा। उक्त शिविर मे उपभोक्ताओं को स्मार्ट प्रीपेड मीटर क सन्दर्भ मे प्रकाश डालते हुए बताया गया की स्मार्ट प्रीपेड मीटर को लेकर किसी भी भ्रान्ति का शिकार न हो। स्मार्ट मीटर एवं नॉर्मल मीटर दोनों एक जैसा है। विद्युत विपत्र सुधार कैंप मे ख़राब मीटर वाले उपभोक्ता के परिसर का मीटर भी बदला जा रहा है एवं इच्छुक उपभोक्ताओं द्वारा अपना बकाया राशि भी जमा किया गया।

संक्षिप्त समाचार

जेनिथ पब्लिक स्कूल में शारदीय नवरात्र पर हुआ डांडिया

अररिया। जोगबनी जेनिथ पब्लिक स्कूल परिसर में गुरुवार को शारदीय नवरात्र के मौके पर डांडिया कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल के ऑडिटोरियम में आयोजित डांडिया कार्यक्रम की शुरुआत स्कूल की प्रिंसिपल कविता खान और निदेशक खुर्शीद खान ने दीप प्रज्वलन और डांडिया नृत्य कर किया।इस अवसर पर स्कूल के नृत्य शिक्षक बिपिन चौधरी, सूर्या साह और अरमान अली के द्वारा तैयार किये गए क्लास दस से लेकर नर्सरी के बच्चों के शानदार डांडिया का नृत्य ने मौजूद अभिभावकों के मन को मोह लिया। कार्यक्रम में अंत में सभी बच्चो और शिक्षकों ने साथ मिलकर डांडिया का मजा लिया और मां भगवती का जयकारा लगाकर माहौल को भक्तिमय कर दिया। मौके पर प्रिंसिपल कविता खान ने कहा कि दशहरा न केवल दस दिनों के आराधना का पर्व है,बल्कि यह बुराई पर अच्छाई की जीत के साथ ही समाजिक समरसता के भाव को पैदा करता है।

नवरात्रि के चौथे दिन फारबिसगंज में हुई माँ कूष्माण्डा की पूजा, भक्तों की उमड़ी भीड़

अररिया। नवरात्रि के चौथे दिन आज फारबिसगंज के सुल्तान पोखर स्थित माँ भगवती वैष्णो देवी मंदिर में माँ कूष्माण्डा की पूजा-अर्चना पूरे विधि-विधान और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुई। इस पावन अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। माँ कूष्माण्डा को सृष्टि की आदिस्वरूपा माना जाता है। भक्तों ने देवी को मालपुआ और पेड़े का भोग लगाकर उनकी आराधना की। ऐसी मान्यता है कि माँ कूष्माण्डा ने अपनी मंद मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना की थी, इसलिए वे भक्तों को आरोग्य और तेज प्रदान करती हैं। माँ भगवती वैष्णो देवी मंदिर, सुल्तान पोखर दुर्गा पूजा समिति के सदस्यों ने इस पूजा के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने श्रद्धालुओं के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएँ सुनिश्चित कीं। मौके पर बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और श्रद्धालु मौजूद थे, जिन्होंने माँ कूष्माण्डा के दर्शन कर उनका आशीर्वाद लिया।

बांका में रील बनाने वाली पत्नी प्रेमी संग भागी

बांका। बांका के रजौन थाना क्षेत्र के कठचातर गांव से गुरुवार को चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां शादी के महज चार महीने बाद ही नवविवाहिता अपने पति को छोड़कर प्रेमी संग फरार हो गई। धनकुंड थाना क्षेत्र निवासी दिलीप दास (24) ने बताया कि उसकी शादी कविता कुमारी से 16 मई 2025 को हुई थी। शादी के बाद पत्नी 3 महीने तक ही ससुराल में रही और इसके बाद मायके चली गई। वहीं युवती के पिता ने अपने दामाद के ऊपर बेटी के लापता कर देने का आरोप लगाया है। जबकि रील में साफ दिख रहा है की युवती का किसी अन्य लड़के से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पति दिलीप दास जो चेन्नई में रहकर मजदूरी करता है, उसने बताया कि कई बार पत्नी को लाने के लिए ससुराल गया लेकिन उसे न तो पत्नी से मिलने दिया गया और न ही साथ भेजा गया।पीड़ित पति ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी इंस्टाग्राम पर लगातार सक्रिय रहती थी और रील भी बनाती थी।

अज्ञात युवक के साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर किया पोस्टः हाल ही में उसने देखा कि पत्नी ने रील में एक अज्ञात युवक के साथ वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। वीडियो में दोनों की नजदीकियां देखकर उसे शक हुआ कि पत्नी का पहले से ही प्रेम प्रसंग चल रहा है।

पुलिस को आवेदन देकर न्याय और कार्रवाई की मांगः पति का आरोप है कि ससुराल वालों ने मिलकर योजना बनाते हुए पत्नी को उसी युवक के साथ भगा दिया है। दिलीप दास ने इस मामले में रजौन थाना पुलिस को आवेदन देकर न्याय और कार्रवाई की मांग की है।पुलिस ने आवेदन और दोनों की तस्वीरें अपने पास रख ली हैं और छानबीन शुरू कर दी है।

1.5 लाख रुपए पत्नी के खाते में रखा थाः दिलीप दास ने बताया कि मैं अपने पत्नी के खाते में 1.5 लाख रुपया रखा था। वह भी साथ में लेकर अपने प्रेमी के साथ हुआ फरार हो गई है। इंस्टाग्राम के रील पर एक लड़के के साथ वीडियो देखने के बाद पता चला कि उस लड़के के साथ ही फरार हो गया है। उस लड़के के बारे में मुझे कोई जानकारी नहीं है कौन है और कितने दिनों से उसके साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। थानाध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया कि आवेदन के अनुसार मामले में जांच पड़ताल की जा रही है।

बांका में खेल-खेल में फांसी लगाने से बच्चे की मौत

बांका। बांका के बेलहर थाना क्षेत्र अंतर्गत लौढ़िया गांव में बुधवार की संध्या एक दर्दनाक घटना सामने आई। खेल-खेल में 12 साल के मासूम बच्चे ने फांसी लगा ली, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। परिजनों की नजर जब बच्चे पर पड़ी तो वह रस्सी से लटका हुआ था। आनन-फानन में उसे फंदे से उतारकर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है। मृतक बच्चे के पिता पप्पू साह मजदूरी के सिलसिले में संग्रामपुर गए हुए थे, जबकि मां नीतू देवी घर के अंदर सो रही थीं। जागने के बाद जब उन्होंने बेटे को बरामदे में रस्सी से लटकते देखा तो चीख-पुकार मच गई। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण पहुंचे और बच्चे को फंदे से उतारकर अस्पताल ले गए। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

दंपती का इकलौता बेटा था मृतक बच्चाः मृतक बच्चा दंपती का इकलौता बेटा था। उसकी मौत के बाद पिता और मां का रो-रो कर बुरा हाल है। मां नीतू देवी दहाड़ें मारते हुए कह रही थीं कि अब उनके कुल का चिराग बुझ गया।इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

पोस्टमॉर्टम कराने से इनकारः घटना की सूचना पर बेलहर थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। थानाध्यक्ष राजकुमार प्रसाद ने बताया कि परिजनों ने पोस्टमॉर्टम कराने से इनकार कर दिया है। पुलिस ने यूडी केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बांका में सफाई कर्मी का रेलवे ट्रैक पर मिला शव

बांका। बांका के रजौन थाना क्षेत्र में बुधवार शाम को एक सफाई कर्मी की रेल हादसे में मौत हो गई। घटना खैरा गांव के पास भागलपुर-मंदारहिल रेल खंड पर हुई। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। मृतक की पहचान खैरा वार्ड नंबर 12 के स्वच्छता कर्मी सुबित दास के रूप में हुई है। सुबित बिना कुछ बताए घर से निकले थे। कुछ समय बाद स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक पर उनके शव की सूचना दी।

परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचेः सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे। शव की पहचान के बाद परिजन उसे अपने साथ घर ले गए। घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। घटना की जानकारी न तो रेलवे को दी गई और न ही स्थानीय पुलिस को। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह एक दुर्घटना थी या आत्महत्या का मामला। स्वच्छता कर्मियों और पर्यवेक्षकों में इस घटना से शोक की लहर है। रजौन थाना अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने कहा कि उन्हें घटना की कोई सूचना नहीं मिली है।

भाजपा ने मनाई दीनदयाल उपाध्याय की जयंती

मुंगेर। खड़गपुर के सामुदायिक भवन सिंहपुर में भारतीय जनता पार्टी ने गुरुवार को पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती मनाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष शिव शंकर चौधरी ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तारापुर विधानसभा संयोजक शंभु केसरी और जिला मंत्री रजनीश झा मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने सबसे पहले उपाध्याय के तैल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। नगर अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से दीनदयाल उपाध्याय के विचारों और जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उपाध्याय का एकात्म मानववाद आज भी समाज के लिए मार्गदर्शक है। कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी ध्रुव कुमार, संजय कुमार सुमन, अजीत कुमार, पूर्णानंद केसरी, राजेश चौधरी, माधव ठाकुर, शंकर चौधरी और सुरेंद्र शाह समेत बूथ कमेटी के कई सदस्य उपस्थित थे।

टीएमबीयू में छात्र राजद के विश्वविद्यालय अध्यक्ष की पिटाई

निज संवाददाता। भागलपुर

♦ एबीवीपी कार्यकर्ताओं पर मारपीट का आरोप, उपाध्यक्ष बोले- ये विद्यार्थी परिषद की गुंडागर्दी है

भागलपुर के तिलकामांझी विश्वविद्यालय में गुरुवार को मारपीट हुई। दो छात्र संगठनों के बीच विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। छात्र राजद के विश्वविद्यालय अध्यक्ष लालू यादव का आरोप है कि उन्हें फोन कर बुलाया गया और कैंपस में उनकी जमकर पिटाई कर दी गई। मारपीट का आरोप अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं पर लगाया गया है। घटना में घायल हुए छात्र राजद के अध्यक्ष लालू यादव को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। पूरी घटना विश्वविद्यालय थाना पुलिस और सुरक्षा गार्डों की मौजूदगी में हुई। इस दौरान मारपीट का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें 10 से 15 लोग छात्र राजद के अध्यक्ष और अन्य कार्यकर्ताओं पर हमला करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दोनों पक्ष एक दूसरे पर लगा रहे आरोपः विश्वविद्यालय परिसर में पिछले कई दिनों से छात्र राजद और एबीवीपी कार्यकर्ताओं के बीच वर्चस्व को लेकर तनातनी बनी हुई है। दोनों एक-दूसरे पर प्रोविजनल सर्टिफिकेट दिलाने के नाम पर अवैध वसूली का आरोप लगा रहे हैं। इस पूरे विवाद में विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. कृष्ण कुमार की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। छात्र संगठनों का आरोप है कि उनकी संलिप्तता के कारण भ्रष्टाचार बढ़ा है और छात्रों का शोषण किया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और घायलों का इलाज अस्पताल में जारी है।

विश्वविद्यालय के छात्र राजद के उपाध्यक्ष आशीष कुमार ने बताया कि यह विद्यार्थी परिषद की गुंडागर्दी है। हमारे विश्वविद्यालय अध्यक्ष को फोन कर बुलाया और कहा कि कोई काम है करवा दीजिए, जिसके बाद लालू यादव विश्वविद्यालय पहुंचे। पहले से विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता लाठी डंडे लेकर तैयार थे, जैसे ही लालू यादव घुसे 15-20 की संख्या में लोगों ने मारपीट करना शुरू कर दी। इस घटना में विश्वविद्यालय अध्यक्ष लालू यादव गंभीर रूप से घायल है, जिनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा है

मुंगेर के बीएसपी जवान की इलाज के दौरान मौत

निज संवाददाता। मुंगेर

मुंगेर के हेमजापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत शिवकुंड निषाद टोला निवासी लाल बिहारी महतो के बेटे और बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस (BSAP) बल के जवान मदन कुमार का इलाज के दौरान निधन हो गया। मिली जानकारी के अनुसार मदन कुमार तीन माह पहले वैशाली जिले में ड्यूटी पर तैनात थे। ड्यूटी से लौटते समय उनकी बाइक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। गंभीर चोटों के कारण उन्हें पटना के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां कई दिनों तक उनकी स्थिति नाजुक बनी रही। जिसके बाद उनके बेहतर देखभाल के लिए उन्हें मुंगेर के सफियाबाद स्थित आपातकालीन अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। गुरुवार को इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। मृतक जवान के दो पुत्र और एक पुत्री हैं। उनकी पत्नी विद्या कुमारी शोक में डूबी हैं। मदन कुमार के निधन की खबर से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

स्थानीय लोगों और अधिकारियों ने दी श्रद्धांजलिः ग्रामीणों के अनुसार, वे बचपन से ही गंभीर और जिम्मेदार स्वभाव के थे। पुलिस बल में भर्ती होकर देश और समाज की सेवा करना उनका सपना था। उनका अंतिम संस्कार पूरे राजकीय सम्मान के साथ किया गया। हेमजापुर थाना पुलिस ने शव को तिरंगे में लपेटकर गार्ड ऑफ ऑनर दिया। सैकड़ों लोगों ने अंतिम यात्रा में हिस्सा लिया। पुलिस अधिकारियों और ग्रामीणों ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान "मदन कुमार अमर रहें" और "भारत माता की जय" के नारे लगे।

बेगूसराय के मंदिरों में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक

निज संवाददाता। बेगूसराय

गिरिराज सिंह के संसदीय क्षेत्र बेगूसराय के मंदिरों में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाया जा रहा है। जिला मुख्यालय के काली स्थान, कर्पूरी स्थान और खातोपुर मंदिर में गिरिराज सिंह फैंस क्लब ने गुरुवार को बैनर लगाया गया है। बैनर में स्पष्ट रूप से लिखा गया है कि यह मंदिर हिंदुओं का पवित्र स्थल है, यहां गैर हिंदुओं का प्रवेश वर्जित है। नवरात्रि के दौरान लगाया गया यह बैनर चर्चा का विषय बना हुआ है। बैनर में एक ओर दुर्गा जी का फोटो है तो दूसरी ओर फोटो में महाकाल का टोपी लगाए गिरिराज सिंह हाथ में त्रिशूल है। गिरिराज सिंह फैंस क्लब के आयुष ईश्वर ने बताया कि शहर के मंदिरों से हमने बैनर लगाने की शुरुआत है। आने वाले दिनों में हम सभी मंदिरों में बैनर लगाएंगे और गैर हिंदुओं का प्रवेश रोकेंगे। अभी मां दुर्गा की आराधना हो रही है और ऐसे में जितने भी दुर्गा पूजा पंडाल हैं, जितनी दुर्गा पूजा समितियां हैं, सभी से अनुरोध किया जा रहा है कि सभी लोग अपने-अपने तरीके से यह पोस्टर लगाएं और गैर हिंदुओं का प्रवेश मंदिर परिसर और पूजा पंडाल में रोकें। पूजा हमारे सनातनियों के गर्व का विषय है, हमारे मान मर्यादा से जुड़ा है। हमारी मां, बहन, बेटियां पूजा पंडाल और मंदिर परिसर में आती है, पूजा-अर्चना करतीं हैं। गैर हिंदुओं का मंदिर परिसर में कोई जगह नहीं है। जिन लोगों ने ईंट पत्थर जोड़कर अपना जगह बनाई है, वहां जाकर इबादत करें। हमारे लिए मंदिर ईंट-पत्थर से बना ढांचा नहीं है, हमारे भावना और आस्था का यह केंद्र है।

जो जिस भाषा से समझने वाले लोग हैं उन्हें वैसी भाषा में समझाएंगेः आयुष ने कहा कि मंदिर की मान मर्यादा की सुरक्षा की जिम्मेदारी हम और हमारे समाज की है। जो काम मंदिर प्रबंधन को करना चाहिए, वह काम हम लोग कर रहे हैं। आने वाले दिनों में सभी मंदिर के अध्यक्ष और सचिव से मिलकर अनुरोध करेंगे की गैर हिंदुओं का परिसर और आसपास पूरी तरह से निषेध होना चाहिए। यहां काली मंदिर के चारों ओर प्रसाद के लिए जितने भी लड्डू बिक रहे हैं, सभी मुसलमान बनाते हैं। जो अपवित्र है। हमने जो बैनर लगाया है यह राजनीति का हिस्सा नहीं है। हमारे सांसद गिरिराज सिंह हिंदुओं की प्रखर आवाज हैं। उन्हीं की प्रेरणा से हम लोग विभिन्न तरह के कार्यक्रम करते हैं। बच्चों के बीच कॉपी किताब का वितरण करते हैं, रक्तदान करते हैं। सामाजिक कार्यों में हमारी सहभागिता गिरिराज सिंह फैंस क्लब के तले रहेगी।

जिस तरह गिरिराज सिंह हिंदुओं की प्रखर आवाज हैं, अपनी आवाज को आमजन तक पहुंचाते हैं। हम उनकी प्रेरणा से हिंदुओं के बीच जन जागृति चलाने के लिए अनेक पहल करते रहेंगे। जिससे हमारी सनातनी परंपरा और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद रहे वह मजबूत होता रहे। गिरिराज सिंह का त्रिशूल वाला फोटो एक सांकेतिक है। हमारे यहां गदा, चक्र, बांसुरी और वाण सब कुछ है, जो जिस भाषा से समझने वाले लोग हैं उन्हें उसे भाषा से समझाएंगे। फोटो में गिरिराज सिंह के सिर पर महाकाल का टोपी है, वह महाकाल के भक्त हैं। इसलिए वह भी त्रिशूल से संदेश दे रहे हैं कि हम शास्त्र के साथ शस्त्र भी लेकर खड़े हैं।

पूर्व मध्य रेल

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा नोटिस सं.–31 ऑफ 2025–26/खुला/इंजीनियरिंग, डीडीयू।

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/डी.डी.यू एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकी दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोकनिर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड मिलिटरी इंजीनियर सर्विस लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूची बद्ध है, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती हैं।

निविदा सं.–04–डीडीयू–अधिशासी अभियन्ता–सेतु–25–26, (i) कार्य का नाम एवं लोकेशन : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू डिवजीन में वरीय अनुभाग अभियन्ता/सेतु/डीडीयू के तहत गया–डीडीयू के बीच जीसी सेक्शन में 345 डाउन (एसपी–01 से 09), आर.ओ.बी./गया बो स्ट्रिंग गर्डर, 383 डाउन, 391 डाउन, 445 अप, 445 डाउन, 676 प्रतिवर्ती, 676 डाउन, का समय–समय पर पुलों की पेटिंग। (ii) कार्य का अनुमानित लागतः ₹40,11,013.89 (iii) धरोहर राशि : ₹80,200/– (vii) ई–निविदा बंद होने की तिथि एवं समय : 17.10.2025 12:00 बजे तक। (viii) बेवसाईट पर ई–निविदा की विस्तृत जानकारी : www.ireps.gov.in

नोट : विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक /
पूमरे/पं दीन दयाल उपाध्याय
पीआर/1019/डीडीयू/अभिं./टी/25–26/36

भागलपुर में महिला की मौत फंदे से लटका मिला शव

निज संवाददाता। भागलपुर

♦ पुलिस ने पति को किया गिरफ्तार, पिता बोले- ससुराल वालों ने मर्डर किया है

भागलपुर में मंगलवार को संदिग्ध हालत में एक महिला की मौत हो गई। कमरे में फंदे से लटका हुआ शव मिला है। मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने बुधवार को आरोपी पति विजय जमादार को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका के पिता ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। जिसमें पति विजय, देवर अजय, ननद पूजा और भांजा सागर कुमार को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। घटना बरारी थाना क्षेत्र के छोटी खंजरपुर दरगाह के पास की है। मृतका के पिता दर्शन ने आरोप लगाते हुए कहा कि सुसाइड तो बहाना है। साजिश करके मेरी बेटी को मार डाला। साल 2018 में शादी हुई थी। मंगलवार को सूचना मिली कि मेरी बेटी की मौत हो गई। मीरा अपने पति के लिए शर्ट बनवा कर लाई थी। विजय ने जैसे ही शर्ट ट्राय किया तो बोला की इसकी सिलावट बहुत की खराब है। इसी बात पर दोनों के बीच विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर उसकी जमकर पिटाई कर दी। गाल और चेहरे पर चोट के निशान थे। ससुराल वाले उसे प्रताड़ित करते थे। सभी ने प्लान करके उसे मार दिया।

पति-पत्नी के बीच क्या हुआ, मुझे नहीं पताः वहीं, मृतका की ननद पूनम देवी ने बताया कि झगड़ा जरूर हुआ था, लेकिन बंद कमरे में दोनों ने क्या किया, उन्हें पता नहीं। इसके बाद विजय घर से बाहर चला गया। माहौल सामान्य लग रहा था। मैं पूजा करने के लिए दुर्गा मंदिर चली गई। लौट कर आई तो बच्चों ने बताया कि ऊपर के कमरे में मीरा पंखे से लटक रही है। परिवार के सदस्यों को बुलाकार फंदे से नीचे उतारा। तुरंत अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर गिया।

बहन बार-बार बेहोश हो रही थीः मीरा की मौत के बाद मायके वाले गहरे सदमे में थे। बहन सीमा बार बार बेहोश हो जा रही थी. होश आते ही वह दहाड़ मार कर रोने लगती थी। रोते-रोते फिर बेहोश हो जाती थी। तीन बहनों में सबसे बड़ी मीरा थी। भाई अंशु ने बताया कि हर त्योहार में दीदी के घर जाता था। साथ में मेला देखने जाता था, लेकिन इस बार दीदी ही नहीं रही। यह कह कर अंशु की आंखें नम हो जाती है।

बिहार सरकार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, औरंगाबाद
अल्पकालीन निविदा संख्या– 05/भ0प्र0 औरंगाबाद/2025–26

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :–कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल, औरंगाबाद।
2. निविदा आमंत्रित करने की तिथि :–दिनांक 22.09.2025
3. परिमाण विपत्र बिक्री की तिथि एवं समय :–दिनांक 09.10.2025 को अपराहन 1:00 बजे तक.
4. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :–दिनांक 10.10.2025 को अपराहन 3:00 बजे तक.
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :–दिनांक 10.10.2025 को अपराहन 3:30 बजे
6. परिमाण विपत्र बिक्री का स्थान :– (क) कार्यपालक अभियंता का कार्यालय भवन प्रमंडल, औरंगाबाद (ख) सहायक अभियंता का कार्यालय भवन अवर प्र0सं0–1 औरंगाबाद। (ग) सहायक अभियंता का कार्यालय भवन अवर प्र0सं0–2 औरंगाबाद। (घ) अधीक्षण अभियंता का कार्यालय भवन अंचल गया।
7. निविदा प्राप्ति एवं खुलने का स्थान क्रमांक 6 के अनुसार
8. कार्य विवरणीः–

क0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
1	Renovation of Toilet for Male, Female, PWD and Transgender in the campus of Civil Court, Aurangabad Bihar	3-094	6200-00	750-00	45 दिन
	कुल	3.094 लाख			

विस्तृत जानकारी **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** से प्राप्त की जा सकती है।

PR. No. 015849 (BCD) 25-26

कार्यपालक, अभियंता
भवन प्रमंडल, औरंगाबाद

नशे की मार, बर्बाद करे सुखी परिवार।

जोगबनी-अररिया-सिलीगुड़ी रेलखंड पर ट्रेन चलाने की मांग

निज संवाददाता। अररिया

नवनिर्मित अररिया-ठाकुरगंज रेल मार्ग के लोकार्पण के बाद जोगबनी-फारबिसगंज से सिलीगुड़ी के लिए ट्रेन चलाने की मांग उठनी शुरू हो गई है। जोगबनी-अररिया- सिलीगुड़ी रेलखंड पर जोगबनी से एक भी ट्रेन के नहीं चलाए जाने से सीमांचल कै रेल यात्री अपने आप को ठगा महसूस कर रहे हैं और धीरे धीरे आक्रोश पनप रहा है। उल्लेखनीय है की वर्तमान में सिर्फ एक जोड़ी पैसेंजर्स ट्रेन 15701 / 02 कटिहार से अररिया कोर्ट होते हुए सिलीगुड़ी के लिए दी गई है, जो यात्रियों की संख्या को देखते हुए ऊंट के मुंह में जीरा साबित हो रही है । इस ट्रेन में यात्रियों की बेतहाशा भीड़ होती है।यात्री भेड़ बकरी की तरह लदकर यात्रा करने को मजबूर हैं। इस संदर्भ में कटिहार रेल मंडल की रेल परामर्श दात्री समिती के सदस्य एवं बिहार दैनिक रेल यात्री संघ की केंद्रीय समिति के सदस्य बछराज राखेचा ने डीआरएम, सीनियर डीसीएम तथा सीनियर डिविजनल ऑपरेटिंग मैनेजर को पत्र भेजकर वर्तमान में जोगबनी से सिलीगुड़ी टाउन के बीच परिचालित हो रही 15723/24 इंटरसिटी एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन कर इसे अररिया से रहमतपुर, पौवाखाली,ठाकुरगंज होते हुए चलाए जाने की मांग की है।साथ ही ट्रेन का जोगबनी से प्रस्थान समय परिवर्तन कर प्रातः 6:30 बजे एवं सिलीगुड़ी टाउन से वापसी में अपराह्न 3:00 किए जाने को लिखा है। इसके साथ ही राखेचा ने जोगबनी से सिलीगुड़ी के लिए एक पैसेंजर ट्रेन चलाए जाने का सुझाव दिया है, जो जोगबनी से अपराह्न 2:30 बजे खुलकर वापसी में सिलीगुड़ी से दूसरे दिन सुबह 6:00 बजे खुले। इसके साथ ही रक्सौल- जोगबनी के बीच परिचालित हो रही ट्रेन 15501/02 को त्रिसाप्ताहिक करते हुए इसका विस्तार न्यू जलपाईगुड़ी तक करने तथा पूजा स्पेशल 05737/38 नरकटियागंज -न्यू जलपाईगुड़ी एक्सप्रेस को नियमित करते हुए इसे त्रिसाप्ताहिक ट्रेन के रूप में चलाये जाने की मांग की गई। कटिहार रेल डिवीजन के मुख्य परिचालन प्रबंधक ने श्री राखेचा को दूरभाष पर बताया की इन ट्रेनों को चलाए जाने की संभावना पर विभागीय रेल अधिकारीयों से बात कर रहे हैं,जिसके सुखद परिणाम आने की आशा की जा सकती है। सांसद के रेल प्रतिनिधि सह डीआरयूसीसी के सदस्य विनोद सरावगी, रेल कम्प्यूटर्स फोरम के सदस्य राकेश रौशन,रेल यात्री संघ के सदस्य चंदन भगत आदि ने भी इन ट्रेनों के परिचालन हेतु सांसद प्रदीप सिंह से पहल किए जाने के अनुरोध किया है।

बिहार सरकार

नगर विकास एवं आवास विभाग
कार्यालय, नगर पंचायत, रफीगंज (औरंगाबाद)
ई–निविदा आमंत्रण सूचना सं०– 01/2025–26
(E-Tendering on website-www.eproc2.bihar.gov.in)

1. विज्ञापन दाता का नाम एवं पता : नगर कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत, रफीगंज (औरंगाबाद)
2. निविदा आमंत्रण सूचना निर्गत की तिथि : दिनांक – 20.09.2025
3. निविदा कागजात अपलोड करने की तिथि/समय : दिनांक – 06.10.2025 को 10:00 बजे से। (on website www.eproc2.bihar.gov.in)
4. प्री० बिड मिटींग की तिथि/स्थल/समय : समय 02:00 बजे स्थान– कार्यालय कक्ष, नगर पंचायत, रफीगंज, दिनांक – 08.10.2025
5. संवेदक द्वारा निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि/समयः दिनांक – 19.10.2025 अपराहन 15:00 बजे तक। (on website www.eproc2.bihar.gov.in)
6. तकनीकी बीड/वित्तीय बीड खोलने की तिथि/समय : दिनांक – 20.10.2025 अपराहन 15:30 बजे से (on website www.eproc2.bihar.gov.in)
7. अग्रधन सभी मूल शपथ पत्र, Existing Commitment (मूल में), परिमाण विपत्र के मूल्य का बैंक ड्राफ्ट जमा करने की अंतिम तिथि/समय एवं स्थान : दिनांक– 20.10.2025 के 15:00 बजे तक। 1. नगर कार्यपालक पदाधिकारी का कार्यालय, नगर पंचायत, रफीगंज (औरंगाबाद)। 2. कार्यपालक अभियंता, नगर विकास प्रमण्डल औरंगाबाद। 3. अधीक्षण अभियंता, नगर विकास मगध प्रमंडल, गया।
8. कार्य का मद :– SBM, आंतरिक संसाधन

ग्रुप सं०	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल	Bid Processing Fee (Through Online Payment)	कार्य की समाप्ति अवधि
1	2	3	4	5	6	7
1	वार्ड संख्या– 07 में बस स्टोप के पास सामुदायिक शौचालय का निर्माण	6,54,540	13100	1250	As Per EPROC 2.0	01 माह

9. निविदा की वैधता अवधि : 120 दिन
10. विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना विभागीय वेबसाईट www.eproc2.bihar.gov.in अथवा **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** में देखा जा सकता हैं।

नगर कार्यपालक पदाधिकारी
नगर पंचायत, रफीगंज

PR. No. 015866 (B&C) 2025-26

विस्तृत जानकारी **www.state.bihar.gov.in/prdbihar** से प्राप्त की जा सकती है।

गर्भावस्था की पहली तिमाही में माँ की एच.आई.वी. और सिफलिस की जाँच जरूर करायें।

संक्षिप्त समाचार

वार्ड 16 में न नाला साफ हो रहा, न स्ट्रीट लाइट जल रही

आरा| नगर निगम क्षेत्र के वार्ड संख्या 16 में पिछले दो महीनों से नाले व कूड़े की गंदगी और सड़कों पर अंधेरे से लोग जूझ रहें है। जिम टाउन से लेकर लकवा अस्पताल तक की सड़क पूरी तरह अंधकारमय रहती है। दिन में नाले की बदबू और गंदगी से लोग परेशान हैं तो रात में अंधेरे के कारण लोगों के लिए चलना मुश्किल हो जाता है। स्थानीय निवासी ललन पासवान ने कहा कि इस समस्या से कई बार निगम को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। अब तक स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है। नगर निगम और प्रशासन इसपर ध्यान दें और जल्द से जल्द सफाई और स्ट्रीट लाइट लगवाने का काम करें।

चोरी के मोबाइल के साथ आरोपी गिरफ्तार

आरा|आरपीएफ ने आरा रेलवे स्टेशन से मोबाइल चोरी के आरोप में एक आरोपी को चोरी के एक मोबाइल के साथ गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी मिथलेश कुमार है। वह बड़हरा थाना क्षेत्र के केशोपुर गांव के निवासी है। आरपीएफ ने गिरफ्तार आरोपी को जीआरपी को अग्रिम करवाई के लिए सुपुर्द कर दिया। जीआरपी ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जेल भेज दिया।

जगत की रक्षा करती हैं जगदंबा

आरा|शारदीय नवरात्रोपासना तथा श्रीसनातन शक्तिपीठ संस्थानम के ३८ वें स्थापना-दिवस पर फ्रेंड्स कॉलोनी में मातृ आराधना उत्सव का शुभारंभ हुआ। कलश पूजन, श्री दुर्गा सप्तशती का पाठ और सत्संग हुआ। प्रवचन में आचार्य डॉ भारतभूषण जी महाराज ने कहा कि जगदंबा मूल प्रकृति हैं। वे जगत की निर्मातृ, पालिका और सभी प्राणियों की रक्षिका हैं। महाभारत युद्ध की शुरुआत में अर्जुन ने मां दुर्गा की उपासना की और विजय का वरदान प्राप्त किया था। रामायण में भगवान श्रीराम ने रावण से युद्ध के पहले भगवती दुर्गा से प्रार्थना पूर्वक विजय का वरदान प्राप्त किया। भगवान श्रीकृष्ण स्यमंतक मणि प्राप्त करने के लिए गए थे और ऋक्षराज जाम्बवान से गुफा में युद्ध करने में कई दिनों तक फंसे रहे तब देवकी-वसुदेव के नेतृत्व में द्वारिका के लोगों ने यज्ञ के द्वारा जगदंबा दुर्गा की उपासना की और यज्ञ की पूर्णाहुति के समय भगवान श्रीकृष्ण जाम्बवती के साथ सकुशल द्वारिका वापस आए। कार्यक्रम में सत्येन्द्र नारायण सिंह, मधेश्वर नाथ पाण्डेय, विश्वनाथ दूबे, डॉ सत्यनारायण उपाध्याय, जनार्दन मिश्र, वीरेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

पूजा पंडालों को किया जाएगा पुरस्कृत

बक्सर| दुर्गा पूजा के अवसर पर पूजा समिति द्वारा बनाये जा रहे पूजा पंडाल को भारत एवं बिहार के ऐतिहासिक सांस्कृतिक धरोहर एवं बिहार की माटी की पहचान को प्रदर्शित करने के लिए प्रोत्साहित किये जाएंगे। उक्त थीम पर आधारित सर्वश्रेष्ठ तीन पूजा पंडाल को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। प्रथम पुरस्कार के रूप में 25000, द्वितीय को 15000 एवं तृतीय को 5000 की राशि प्रदान की जाएगी।

स्वच्छता का जीवन में है महत्वपूर्ण योगदानः कर्नल

बक्सर| 30 बिहार बटालियन एनसीसी, बक्सर के कमान अधिकारी कर्नल रितेश रंजन की अध्यक्षता में स्वच्छता सेमिनार एवं शपथ ग्रहण समारोह हुआ । उक्त कार्यक्रम राजकीय अभियंत्रण कॉलेज, इटाढ़ी बक्सर में आयोजित किया गया। इसमें पीआई, अधिकारी एवं कैडेटों ने हिस्सा लिया। इस समारोह में पीआई अधिकारी और कैडेटों ने स्वच्छता की शपथ ली। उन्हें साफ-सफाई के प्रति जागरूक भी किया गया। इस स्वच्छता सेमिनार को संबोधित करते हुये कमान अधिकारी कर्नल रितेश रंजन ने कहा कि स्वच्छता हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण योगदान देती है। यह हमें स्वस्थ रखती है, हमारे वातावरण को स्वच्छ रखती है और समाज को सुदंर बनाती है। स्वच्छता की सफलता में सबसे बड़ा योगदान हमारे देश की जनता का होता है। जब तक हमारे देश की जनता अपने कर्त्तव्यों को नहीं समझेगी तब तक हमारा देश एक समृद्ध देश नहीं बनेगा। स्वच्छता अपनाने से व्यक्ति भी रोगमुक्त रहता है और एक स्वस्थ समृद्ध देश का निर्माण करता है। इस समारोह में हवलदार गंगाधर खेदर एवं हवलदार रवि शंकर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

महदह में स्वास्थ्य जांच शिविर का हुआ आयोजन

बक्सर। सदर प्रखंड के महदह एवं चुरामनपुर पंचायतों में स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत स्वच्छता कर्मियों के लिए निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य स्वच्छता कार्य में संलग्न कर्मियों के स्वास्थ्य की नियमित जांच कर उन्हें समय रहते उचित स्वास्थ्य परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराना है। शिविर में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा ब्लड प्रेशर, शुगर, बीएमआई, नेत्र परीक्षण एवं अन्य प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। यह पहल स्वच्छता कर्मियों के प्रति सम्मान और उनके कल्याण की दिशा में एक सराहनीय कदम है।"स्वच्छता में योगदान देने वालों की सेहत का ध्यान रखना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

अम्बा डांडिया नाइट में भक्ति गीतों पर जमकर थिरके लोग

आरा। होटल ग्रांड में अम्बा डांडिया नाइट मंगलवार को हुआ। लगातार 9वें वर्ष के इस डांडिया सांस्कृतिक महोत्सव में शहरवासियों का उत्साह चरम पर दिखा। हॉल में रंग-बिरंगी रोशनी, डांडिया की धुन और मां के जयकारों ने ऐसा माहौल बनाया कि लोग थिरकने से खुद को रोक नहीं पाए। हाउसफुल क्रेज के बीच हर उम्र के लोग मां दुर्गा के गीतों पर झूमते नजर आए। कार्यक्रम में बतौर सेलिब्रिटी गेस्ट मशहूर लोकगायिका मनीषा श्रीवास्तव ने मां के गीत गाकर माहौल भक्तिमय बना दिया। डांडिया की ताल पर लोग देर रात तक झूमते नजर आए। डांडिया नाइट में देश के चर्चित कार्टूनिस्ट पवन टून भी शामिल हुए। इस दौरान 9 विशेष लोगों को सम्मानित भी किया गया। आयोजक ओपी पाण्डेय के पिता जीतन पाण्डेय को विशेष सम्मान दिया गया।

शुभारंभ और सांस्कृतिक माहौल दिखा : भाजपा नेता संजय टाइगर, शोभा देवी (सांसद सुदामा प्रसाद की पत्नी), विष्णु सिंह, यशवंत सिंह, इंजीनियर मांडवी तिवारी, डॉ. श्रुति दिव्यांशिका तिवारी और भीम श्रीवास्तव ने संयुक्त आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इनकी रही भागीदारी डांडिया नाइट को सफल बनाने में इंजीनियर मांडवी तिवारी, डॉ. श्रुति दिव्यांशिका तिवारी, भीम श्रीवास्तव, डॉ अर्चना सिंह, राकेश कुमार बंटी, चांदनी सिंह, राजू कुमार, संयोजक ओपी पाण्डेय, राकेश राजपूत, मंगलेश तिवारी, गोलू प्रताप सिंह, सत्य प्रकाश सिंह, अदिति राज, समीर श्रीवास्तव, गौरी तिवारी, अभिषेक द्विवेदी, स्नेहा चौधरी, खुशबू श्रीवास्तव, काजल ऋतु, करिश्मा सिंह, मीरा, प्रियांशु भास्कर, अंकिता कश्यप, दीप्ति कश्यप, जया, मनीषा सिंह, अमित कुमार सिंह, ज्योत्सना, सत्यजीत सिंह, अंजली भारद्वाज, आदित्य अंकुर और अभय विश्वास भट्ट सहित कई सदस्यों का अहम योगदान रहा।

आरा के अलग-अलग इलाकों में 4 घंटे तक शटडाउन

आरा। आरा में आज(गुरुवार) अलग-अलग इलाके में चार घंटे तक बिजली कटेगी। पुरानी पुलिस लाइन GIS और जापानी PSS से सुबह 8 बजे से 11 बजे तक सप्लाई बाधित रहेगी। इस दौरान बिजली इक्विपमेंट का मेंटेनेंस और हाईटेंशन तार से सटे पेड़ों की छंटाई की जाएगी। इलाके में जर्जर तार और पोलों की मरम्मती की जाएगी। साथ ही सरैंया PSS से निकलने वाली सभी लाइन मेंटेनेंस के लिए दोपहर 12 बजे से शाम चार बजे तक सप्लाई ठप रहेगी। सहायक विद्युत अभियंता सौरभ कुमार ने उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि विभाग की ओर से अलर्ट जारी किया गया है। बिजली से जुड़ा कार्य समय से निपटा लें। पानी स्टोर करके रख लें। मेंटेनेंस वर्क पूरा होते ही बिजली सप्लाई चालू कर दी जाएगी।

इन इलाकों में कटेगी बिजलीः सिंडिकेट फीडर के पुरानी पुलिस लाइन, नाला मोड़, चौधरियाना, सिंडिकेट, तरी मुहल्ला, आम्रपाली मार्केट, आर्य समाज, एमपी बाग के आसपास के क्षेत्र। टाउन थाना फीडर के डीईओ ऑफिस, एसपी ऑफिस, नगर निगम, सिविल कोर्ट, एमपी बाग, बाबू बाजार, टाउन थाना, शाहिद भवन, महावीर टोला, पार्क-भय्यू में बिजली की आपूर्ति बाधित रहेगी।

भोजपुर में राजद ने दिया धरना

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर में समाहरणालय के पास आज गुरुवार को राजद की ओर से सात सूत्री मांगों को लेकर एक दिवसीय धरना दिया गया। धरना का नेतृत्व बड़हरा के पूर्व विधायक सरोज यादव ने किया। इस दौरान राजद नेताओं और समर्थकों ने सरकार और जिला प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बाढ़ प्रभावित लोगों के नए नाम सूची में नहीं जोड़े जा रहे हैं और कई पीड़ित अब भी मुआवजे से वंचित हैं। उन्होंने मांग की कि बाढ़ में हुई मौतों पर 25–25 लाख रुपए मुआवजा दिया जाए। साथ ही दाखिल-खारिज और इंदिरा आवास योजनाओं में हो रही धांधली पर रोक लगाने की अपील की।

अनियमितताओं को खत्म करने की भी मांगः प्रदर्शनकारियों का कहना था कि कई पंचायतें बाढ़ प्रभावित रहते हुए भी घोषित नहीं की गई हैं। अंचल और प्रखंड स्तर पर हो रही अनियमितताओं को खत्म करने की भी मांग की गई। राजद के पूर्व विधायक सरोज यादव ने कहा कि आज का धरना शांतिपूर्ण है। जिस तरीके से आरा सदर के डीएसएलआर ने मेरे साथ दुर्व्यवहार करने का काम किया है। अगर 2 घंटे के अंदर जिलाधिकारी डीएसएलआर को बेचकर माफी नहीं मंगवाते हैं, तो बाध्य होकर उनके कार्यालय में तालाबंदी करने का काम करेंगे। इसके बाद उनसे हम लोग खुद माफी मंगवाने का काम करेंगे। लोकतंत्र में जनता से बढ़कर कोई नहीं है। जनता के चुने हुए जनप्रतिनिधी से दुर्व्यवहार करने का काम किया गया है।

इस साल चार बार बाढ़ आईः हम अपने क्षेत्र के समस्याओं को लेकर पिछले दो महीनों से डीएसएलआर को फोन कर रहे थे, लेकिन उनकी ओर से एक भी बार फोन रिसीव नहीं किया गया। उनसे मिलने कार्यालय में गए तो उनकी ओर से अभद्रता किया गया। हमारा क्षेत्र बाढ़ प्रभावित इलाका है। इस साल चार बार बाढ़ आया है। बाढ़ पीड़ितों को 2024 का पैसा नहीं आया। इस साल के भी बाढ़ पीड़ितों को पैसा नहीं दिया जा रहा है। जब हम विधायक थे, तो बाढ़ पीड़ितों का नाम जुड़वाने का काम करते थे । अभी के वर्तमान भाजपा के विधायक नाम कटवाने का काम कर रहे है। जो उनका वोटर नहीं है नाम काटने का काम कर रहे है। लेकिन, आज की जनता माफ नहीं करेगी, अब समय जनता का आ गया है, इस बार के विधानसभा चुनाव में बदला लेने का। जब भी बढ़ आता है उस वक्त गरीबों का नाम काट दिया जाता है। हमारी मांग है कि बाढ़ पीड़ित ग्रामीणों के खाते में सीधे पैसा आना चाहिए। बार प्रभावित क्षेत्र घोषित होने के बाद भी अब तक ग्रामीणों को पैसा नहीं दिया गया है। बिहार सरकार और जिला प्रशासन हमारे गरीब जनता से भेदभाव कर रही है।

- कहा- बाढ़ पीड़ितों का नाम सूची में शामिल हो, मुआवजे नहीं देने का लगाया आरोप

भोजपुर जिले में पंखे से लटककर युवक ने दी जान

निज संवाददाता। आरा

- दिल्ली से लौटने के बाद लगाई फांसी, पिता बोले- किसी बात की टेंशन नहीं थी, पता नहीं क्या हुआ

भोजपुर में एक युवक ने खुदकुशी कर ली। कमरे में फंदे से लटका हुआ शव मिला। गले पर निशान मिले हैं। मृतक की पहचान नहसी गांव निवासी सत्येंद्र राम के पुत्र दुर्गेश राम(21) के तौर पर हुई है। घटना गड़हनी थाना क्षेत्र की है। पिता सत्येंद्र राम ने बताया कि वह कि छह महीना से दिल्ली में रहकर प्राइवेट कंपनी में काम करता था। बुधवार को वापस घर आया था। आने के बाद सब कुछ ठीक था। दोपहर मवेशी को देखने के लिए बाहर गए थे। उस समय घर में छोटी बेटी खुशबु थी। दुर्गेश ने अपनी बहन से कहा कि तुम बाहर बैठो मैं कमरे में सोने जा रहा हूं। इसके बाद उसने अपने कमरे का दरवाजा बंद कर पंखे में रस्सी बांधकर फांसी लगा ली। काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर मुझे जानकारी दी गई। सूचना पाकर परिवार के सदस्य वहां पहुंचे। दरवाजे को तोड़कर देखा तो वह पंखे से लटक रहा था। किस बात को लेकर टेंशन में था। इसकी जानकारी नहीं है। कभी उसने कुछ नहीं बताया।

घर में मचा कोहरामः मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। परिजनों के बयान के आधार पर छानबीन की जा रही है। फिलहाल खुदकुशी का कारण स्पष्ट नहीं है। मृतक तीन भाई औ दो बहन में सबसे बड़ा था। परिवार में मां ललिता देवी, भाई नरेंद्र कुमार, रितेश कुमार और बहन उर्मिला एवं खुशबू है। सभी का रो-रोकर बुरा हाल है

भोजपुर में सड़क हादसे में घायल कारपेंटर की मौत

निज संवाददाता। आरा

- डिस्चार्ज होने के बाद पटना से घर लौट रहे थे, रास्ते में तोड़ा दम, अज्ञात वाहन ने मारी थी टक्कर

भोजपुर में सड़क हादसे में घायल हुए कारपेंटर की मौत हो गई। इलाज के बाद घर परिजन घर लेकर जा रहे थे, इस बीच रास्ते में दम तोड़ दिया। मृतक की पहचान अलेखी टोला निवासी मोतीलाल यादव के पुत्र गणेश यादव(35) के तौर पर हुई है। घटना बड़हरा थाना क्षेत्र की है। 17 सितंबर की शाम बाइक से मुफस्सिल थाना क्षेत्र के धुंधुआं गांव स्थित मीठा फैक्ट्री पहुंचा था। दोस्त से मुलाकात के बाद घर लौट रहा था। इस बीच अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। गंभीर हालत में अस्पताल में एडमिट कराया गया। सदर अस्पताल से डॉक्टरों ने पटना PMCH रेफर कर दिया। यहां एक सप्ताह तक इलाज चला। बुधवार को डिस्चार्ज होने के बाद घर जा रहा था, लेकिन रास्ते में दम तोड़ दिया। इसके बाद फिर से परिजन सदर अस्पताल लेकर पहुंचे।

घर में मचा कोहरामः मामले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतक छह भाइयों में चौथे स्थान पर था। परिवार में पत्नी नीलम देवी, दो बेटा लाली, अंकित और एक बेटी है। मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मच गया।

रावण-बाणासुर संवाद व धनुष यज्ञ का हुआ मंचन

निज संवाददाता। आरा

नगर रामलीला समिति द्वारा हो रहे रामलीला के तीसरे दिन बुधवार को दर्शकों ने एक बार फिर पुरातन धर्म कथाओं का जीवंत स्वरूप देखा। मंच पर काशी (वाराणसी) से आए कलाकारों ने रावण-बाणासुर संवाद और धनुष यज्ञ का भव्य मंचन किया। रामलीला के कलाकारों ने रावण-बाणासुर संग्राम का शानदार मंचन किया। मिथिला के राजा जनक के आमंत्रण पर राम- लक्ष्मण विश्वामित्र के साथ राजा जनक के यहां सीता स्वयंवर में पहुंचते हैं। राम, लक्ष्मण के सौंदर्य को देख वहां सभी मोहित हो जाते हैं। इसी बीच लंकापति रावण बिना आमंत्रण सीता स्वयंवर में पहुंचता है। यह देखकर सभापति बाणासुर रावण का परिचय पूछते हैं। बाणासुर के रावण से परिचय पूछते ही वह क्रोध से तमतमा उठता है और फिर यहीं से रावण और बाणासुर का संवाद शुरू होता है। लंकापति रावण सीता स्वयंवर के लिए आमंत्रण न मिलने पर राजा जनक पर क्रोधित होता। निमंत्रण न दिए जाने का कारण पूछता है। जनक कहते हैं कि समुंदर पार लंका जाना संभव नहीं था। इसीलिए निमंत्रण नहीं भेज सके। तो रावण और क्रोधित हो जाता है और कहता है कि अगर आप ने समुद्र में एक पत्र भी डाल दिया होता तो समुद्र में इतना साहस नहीं होता कि हम तक वह न पहुंचा देता। इसके अलावा भी कलाकारों ने कई दृश्य पेश किया। धनुष यज्ञ प्रसंग में भगवान श्रीराम द्वारा शिवधनुष तोड़ने का दृश्य देखने के लिए पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। मंच संचालन दिलीप गुप्ता ने किया। मौके पर समिति के अध्यक्ष सोनू राय, सचिव शंभूनाथ प्रसाद, सहसंयोजक संजीव गुप्ता, उपाध्यक्ष संजय महासेठ, उपाध्यक्ष दिलीप कुमार गुप्ता, कोषाध्यक्ष मोहन प्रसाद समेत संरक्षक मंडल के श्री 108 महंत किंकर दास, लाल दास राय, हाकिम प्रसाद, पंकज प्रभाकर, लक्ष्मी नारायण राय, श्याम नारायण बेड़िया, प्रेम पंकज सहित कई लोग उपस्थित थे। रामलीला समिति ने बताया कि अगले चरण में सीता स्वयंवर और परशुराम संवाद का मंचन किया जाएगा।

बक्सर जिले के महादेवा घाट पर स्वच्छता और मतदान जागरूकता अभियान

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के पवनी पंचायत स्थित महादेवा गंगा घाट पर "स्वच्छता ही सेवा" एवं मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उप विकास आयुक्त (DDC) बक्सर आकाश चौधरी के निर्देशन में संपन्न हुआ। इस मौके पर जिला प्रशासन के अधिकारी, पंचायत प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। कार्यक्रम में पवनी पंचायत की मुखिया पूनम ओझा अपने पंचायत के लोगों के साथ सक्रिय रूप से शामिल हुईं। वहीं चौसा नगर पंचायत की मुख्य पार्षद किरण देवी, कार्यपालक पदाधिकारी शुभम तिवारी, जीविका दीदी, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिका, महिला पर्यवेक्षक और स्वच्छता सेनानियों ने भी हिस्सा लिया। इसके अलावा रुद्रा ग्रुप के कलाकारों और स्कूली बच्चों की सहभागिता ने कार्यक्रम को और जीवंत बना दिया।

17 सितंबर से स्वच्छता अभियान पखवाड़ाः DDC आकाश चौधरी ने अपने संबोधन में बताया कि जिले में 17 सितंबर से स्वच्छता अभियान पखवाड़ा चलाया जा रहा है, जो 2 अक्टूबर तक जारी रहेगा। इसके तहत प्रत्येक प्रखंड और पंचायत स्तर पर श्रमदान की गतिविधियां कराई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इस पहल का मकसद है, "एक साथ, एक घंटे सब लोग श्रमदान करें और अपने आसपास को स्वच्छ बनाएं।" इसी क्रम में गंगा जिला समिति द्वारा महादेवा घाट को चयनित कर श्रमदान कराया गया। इस दौरान घाट की सफाई की गई और इसे आगे भी स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम की प्रमुख गतिविधियांः रुद्रा ग्रुप ने स्वच्छ जल और स्वच्छ मतदान के महत्व पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इसके माध्यम से लोगों को संदेश दिया गया कि स्वच्छता और मतदान, दोनों ही समाज और लोकतंत्र की मजबूती के लिए बेहद जरूरी हैं। जीविका दीदी और आंगनबाड़ी सेविकाओं ने रंगोली के माध्यम से स्वच्छ जल, स्वच्छता और मतदान का संदेश दिया। आकर्षक रंगोली ने उपस्थित नागरिकों का ध्यान खींचा और जागरूकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित नागरिकों ने शपथ ली कि वे स्वच्छता बनाए रखेंगे और आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में शत-प्रतिशत मतदान करेंगे।

मुख्य संदेश और नारेः "वोट करेगा बक्सर" – लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए प्रत्येक नागरिक का मतदान आवश्यक है। "स्वच्छ बक्सर, स्वच्छ मतदान– यही है बक्सर की पहचान" – जिले को स्वच्छ और जागरूक बनाने का संकल्प। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय नागरिकों ने इसे अत्यंत उपयोगी और प्रेरणादायक बताया।

बक्सर की दिव्या ने मिस बिहार में जीता सेकेंड रनर-अप

निज संवाददाता। बक्सर

- 18 साल की स्टूडेंट ने मिस टैलेंटेड और मिस फोटोजेनिक का पुरस्कार भी जीता

बिहार की युवा प्रतिभाओं ने एक बार फिर राज्य का नाम रोशन किया है। इसी कड़ी में बक्सर में डुमरांव की रहने वाली दिव्या ने आई ग्लैम की ओर से पटना में आयोजित मिस बिहार ब्यूटी चैंपियनशिप 2025 में अपनी छाप छोड़ी। इस प्रतियोगिता में दिव्या को मिस बिहार सेकेंड रनर-अप के खिताब से सम्मानित किया गया। इतना ही नहीं, उन्होंने अपनी अद्वितीय कला और आकर्षक व्यक्तित्व के बल पर दो विशेष उपाधियां मिस टैलेंटेड और मिस फोटोजेनिक भी हासिल कीं। सिर्फ 18 वर्ष की उम्र में दिव्या ने यह उपलब्धि हासिल कर यह साबित कर दिया कि यदि मेहनत और आत्मविश्वास साथ हो, तो सपनों को हकीकत में बदला जा सकता है। वर्तमान में वह 12वीं की छात्रा हैं और पढ़ाई के साथ-साथ मॉडलिंग की दुनिया में भी अपना भविष्य तलाश रही हैं। दिव्या के पिता, वशिष्ठ सिंह, विद्युत विभाग में कार्यरत हैं, जबकि उनकी माता, रुबी देवी, गृहिणी हैं। पारिवारिक सहयोग और अपनी लगन के बल पर दिव्या ने इस मुकाम तक का सफर तय किया है।

बचपन से ही मॉडलिंग में रुचिः दिव्या का कहना है कि उन्हें बचपन से ही मॉडलिंग में रुचि रही है। वह बिहार की संस्कृति और परंपराओं को नई पहचान दिलाने की चाहत रखती हैं। इसी उद्देश्य से उन्होंने इस क्षेत्र में कदम रखा और आज मंच पर अपनी चमक बिखेर रही हैं।

हर बच्चे की अपनी रुचि और प्रतिभा- दिव्याः सेकेंड रनर-अप का खिताब मिलने के बाद दिव्या ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि आई ग्लैम चैंपियनशिप में भाग लेने से उनका आत्मविश्वास पहले से कहीं अधिक मजबूत हुआ है। उन्होंने यह संदेश भी दिया कि जीवन में सिर्फ डॉक्टर या इंजीनियर बनने का सपना ही जरूरी नहीं होता। हर बच्चे की अपनी रुचि और प्रतिभा होती है। यदि कोई अपनी रुचि को पहचानकर पूरी तन्मयता, लगन और समर्पण से उसमें कार्य करे, तो सफलता निश्चित ही उसके कदम चूमती है।

अलग-अलग जिलों से आए प्रतिभागियों ने लिया हिस्साः इस प्रतियोगिता में बिहार के अलग-अलग जिलों से आए प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच दिव्या ने न केवल अपनी सुंदरता बल्कि अपनी प्रतिभा और आत्मविश्वास के बल पर निर्णायक मंडल को प्रभावित किया। डुमरांव की धरती से निकलकर दिव्या ने यह उपलब्धि हासिल की है, जो न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि पूरे जिले और राज्य के लिए गर्व का विषय है। उनकी सफलता से अन्य युवाओं को भी प्रेरणा मिलेगी कि यदि सपनों के साथ मेहनत और धैर्य जोड़ा जाए, तो सफलता दूर नहीं रहती।

वन गमन के दौरान केवट ने प्रभु श्रीराम के चरणों को धोकर नाव से कराया नदी पार

निज संवाददाता। बक्सर

श्री रामलीला समिति बक्सर के तत्वावधान में नगर के रामलीला मंच पर चल रहे 22 दिवसीय विजयादशमी महोत्सव के क्रम में ग्यारहवें दिन वृंदावन के श्री राधा माधव रासलीला एवं रामलीला मंडल के स्वामी श्री सुरेश उपाध्याय व्यास जी के निर्देशन में रामलीला में राम वन गमन व केवट प्रसंग लीला का मंचन किया गया। इस प्रसंग में दिखाया गया कि मंत्री सुमंत जी रथ पर श्री राम, लक्ष्मण और सीता जी को बैठाकर वन को छोड़ने जाते हैं। संध्या पांच बजे भगवान का रथ रामलीला मैदान से प्रस्थान करता है जो नगर भ्रमण करते हुए स्टेशन रोड स्थित कमलदह सरोवर पहुंचती है, और वहां से पूनः रामलीला मंच पहुंचती है। श्रीराम, लक्ष्मण और सीता जब मंत्री सुमंत के साथ वन में पहुंचते है तो वहां उनकी मुलाकात निषाद राज से भेंट होती है। निषाद राज प्रभु की भांति-भांति से सेवा करते हैं। प्रभु श्री राम निषादराज से बरगद का दूध मंगाते हैं और उसी से अपने अपने बालों का जटा बनाते हैं। यह देखकर मंत्री सुमंत का हृदय दुखित हो जाता है, और वह प्रभु से वन में न जाने के लिए विनती करते हैं। श्री राम जी मंत्री को दुखित देख धीरज बंधाते हैं, और सीता जी को वन जाने से मना करते हैं। लेकिन, सीता लौटने से इनकार कर देती है तब प्रभु श्री राम सुमंत को वहां से वापस कर देते हैं। केवट से नदी पार करने के लिए नाव मांगते हैं। तभी केवट और राम के बीच संवाद होता है। केवट कहता है भगवान मैं आपके मरम को जानता हूं। आपके चरण रज का स्पर्श होते ही जब पत्थर भी नारी बन गई, यह तो मेरी नैया लकड़ी की है जब तक आपका पैर नहीं धोऊंगा मैं नाव को आगे नहीं ले आऊंगा। तब भगवान की स्वीकृति पर केवट श्री राम के चरणों को पकड़ता है, और उनके चरणों को धोकर नदी पार कराता है। पाठशाला जाने के क्रम में कृष्ण और सुदामा में हो जाती है मित्रता कृष्ण लीला के दौरान सुदामा चरित्र प्रसंग का मंचन किया गया। जिसमें दिखाया गया कि महाराज वासुदेव जी विद्या ग्रहण करने के लिए श्री कृष्ण को गुरु सांदीपन जी की पाठशाला में भेजते हैं। पाठशाला में जाते समय सुदामा से मुलाकात होती है। सुदामा के पैर में एक कंटक चुभ जाता है और उनके मुख से प्रभु के नाम की चीख निकलती है। जिसे सुनकर कृष्ण सुदामा के समीप आकर कंटक को पैर से निकालते हैं और वहीं से दोनों में मित्रता हो जाती है। सुदामा जी अपना पाठ भूल जाते हैं जिससे गुरुदेव शांदीपन जी दण्ड स्वरूप उनको वनों में जाकर लकड़ी लाने को कहते हैं। यह देखकर मित्रता निभाने के लिए श्री कृष्ण भी जानबूझ कर अपना पाठ भूल जाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

विकसित भारत का अमृत काल : सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण – लखीसराय में चित्र प्रदर्शनी और जागरूकता कार्यक्रम जारी

लखीसराय,पटना। केंद्रीय संचार ब्यूरो एवं सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के प्रादेशिक कार्यालय पटना द्वारा लखीसराय के कनीराम खेतान उच्च विद्यालय मैदान में आयोजित "विकसित भारत का अमृत काल : सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के 11 साल" विषयक चित्र प्रदर्शनी एवं जागरूकता कार्यक्रम का आज दूसरा दिन रहा। कार्यक्रम में स्वच्छता अभियान के तहत स्थल की सफाई की गई और आम जनता को स्वच्छता तथा विकसित भारत बनाने का संदेश दिया गया। इस अवसर पर नगर सभापति अरविंद पासवान, नगर परिषद के कार्यपालक पदाधिकारी अमित कुमार, स्वच्छता पदाधिकारी नीतीश कुमार तथा मंत्रालय के अधिकारी उपस्थित थे। एसएसबी के द्वितीय कमांडेंट अनिल कुमार, सहायक डाक अधीक्षक प्रसून कुमार और एलडीएम संजीत कुमार ने अपने विभागों से संबंधित कार्यों की जानकारी आम जनता को दी। कार्यक्रम स्थल पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, एसएसबी, सीआरपीएफ, स्वास्थ्य विभाग, आईसीडीएस, जीविका, डाक विभाग, लीड बैंक सहित विभिन्न विभागों के स्टॉल लगाए गए, जिससे नागरिकों को सेवाओं और सूचनाओं का लाभ मिला। केंद्रीय संचार ब्यूरो के क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी अभिषेक कुमार ने बताया कि इस विशेष चित्र प्रदर्शनी में केंद्र सरकार के 11 वर्षों के कार्यों और बिहार के विकास संबंधी चित्र एवं आंकड़े आम जनता के समक्ष प्रस्तुत किए गए हैं। इससे लोग अपने राज्य की प्रगति और सरकारी योजनाओं से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। आयोजित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया। पुरस्कार प्राप्त करने वालों में सोनू कुमार, सुलचना देवी, कमलेश राय, प्रमोद कुमार और आनंद कुमार शामिल रहे। साथ ही मेसर्स जन चेतना लोक कल्याण समिति, पटना द्वारा गीत-संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। मेसर्स अभिनंदन कुमार ने जादू का खेल दिखाकर दर्शकों का मनोरंजन करते हुए जागरूकता का संदेश भी दिया। इस अवसर पर केंद्रीय संचार ब्यूरो के अधिकारी अभिषेक कुमार, ग्यास अख्तर और सुदर्शन किशोर झा भी उपस्थित थे। यह जागरूकता कार्यक्रम और चित्र प्रदर्शनी 28 सितंबर तक चलेगी, जिसमें प्रवेश सभी के लिए निःशुल्क है।

मसौढ़ी में अज्ञात वृद्धा का शव बरामद

मसौढ़ी ।नगर के थाना क्षेत्र के सोनकुकरा भोजपुर मुहल्ले में बुधवार की सुबह एक चारदीवार हटा से एक अज्ञात महिला का शव बरामद किया गया है। जिसकी उम्र लगभग 70वर्ष है। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने मसौढ़ी पुलिस को दी. सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि फिलहाल महिला को शव को शवदाह गृह में सुरक्षित रखा गया है।उसकी पहचान के लिए पुलिस विभिन्न सोशल मीडिया ग्रुप्स में मृतका का फोटो सर्कुलेट कर उसकी पहचान का प्रयास किया जा रहा है।

आवास सहायक वायरल वीडियो मामले में आवास सहायक संविदा मुक्त

मसौढ़ी। प्रखंड की निशियावा पंचायत में पीएम आवास योजना के सर्वे के दौरान आवास सहायक द्वारा घूस लेने का वीडियो वायरल होने के मामले में आवास सहायक को संविदा मुक्त कर दिया गया है।वायरल वीडियो में आवास सहायक सूची में नाम जोड़ने के लिए लाभुकों से रुपए लेते नजर आ रहे हैं।इस संबंध में शिकायतकर्ता ने डीएम,डीडीसी व बीडीओ से शिकायत की थी।शिकायत के आलोक में डीडीसी ने टीम गठित कर घटना स्थल की जांच कराई। जांच टीम ने निशियावा पंचायत के कई लाभुकों व शिकायतकर्ता से गहनता से पूछताछ की।उसके बाद जांच टीम ने रिपोर्ट डीडीसी को सौंप दिया।इसके आलोक में डीडीसी ने आरोपी नशियावा पंचायत के ग्रामीण आवास सहायक मुकेश कुमार से स्पष्टीकरण पूछा था। इसमें आवास सहायक ने कोई ठोस जवाब नहीं दिया था जिससे असंतुष्ट डीडीसी ने आवास सहायक को घटना का दोषी मानते हुए,लाभुकों से रुपए लेने के आरोप में संविदा मुक्त करने का आदेश पारित कर दिया है।

20 सूत्री की बैठक में नदारद रहे विभागों के पदाधिकारी, मांगा स्पष्टीकरण

मसौढ़ी !प्रखंड कार्यालय सभागार में गुरुवार को बीस सूत्री कार्यक्रम वं क्रियान्वयन समिति की बैठक में नगर कार्यपालक पदाधिकारी एवं सीडीपीओ सहित आधा दर्जन से अधिक अधिकारियों के अनुपस्थित रहने पर अध्यक्ष व उपाध्यक्ष समेत सदस्यों ने नाराजगी जताई एवं जिला अधिकारी को पत्र लिखकर करवाई करने की मांग की। बीस सूत्री के अध्यक्ष सुनील कुमार वर्मा ने बताया कि कई विभागों के पदाधिकारी बैठक से अनुपस्थित रहे। बैठक से नदारद पदाधिकारी से स्पष्टीकरण मांगा गया है।इस मौके पर उपाध्यक्ष आशीष देव गोल्डी पटेल मिराज अहमद सहित अन्य सदस्यों भी शामिल रहे।

राज्य में चार वर्षों में वाहन रजिस्ट्रेशन में 38.53 प्रतिशत की उछाल

» सबसे अधिक दोपहिया वाहनों का हो रहा रजिस्ट्रेशन
» वर्ष 2024-25 में कुल 10,90,189 मोटरसाइकिलों का हुआ रजिस्ट्रेशन

पटना।बिहार में वाहन खरीद की रफ्तार लगातार बढ़ रही है। परिवहन विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, पिछले चार वर्षों में वाहन रजिस्ट्रेशन में 38.53 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में जहां 9,97,992 वाहनों का रजिस्ट्रेशन हुआ था, वहीं 2024-25 में यह आंकड़ा बढ़कर 13,82,524 तक पहुंच गया है, जो राज्य में वाहनों की बढ़ती मांग को दर्शाता है।

दोपहिया वाहनों की मांग में तेजी:आंकड़ों से पता चलता है कि राज्य में दोपहिया वाहनों की मांग सबसे अधिक तेजी से बढ़ रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 10,90,189 मोटरसाइकिलों का रजिस्ट्रेशन हुआ, जो कुल रजिस्ट्रेशन का एक बड़ा हिस्सा है। जबकि वर्ष 2021-22 में यह संख्या 8,10,625 थी।

ई-रिक्शा और कृषि ट्रैक्टरों की बढ़ती संख्या:ई-रिक्शा की मांग में भी तेजी देखी जा रही है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 76,201 ई-रिक्शा का रजिस्ट्रेशन हुआ है। कृषि ट्रैक्टरों की संख्या में भी वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में 13,268 कृषि ट्रैक्टरों का रजिस्ट्रेशन हुआ था, जो 2024-25 में बढ़कर 19,932 हो गया। इसके साथ ही, वित्तीय वर्ष 2024-25 में 14,542 व्यावसायिक ट्रैक्टरों और 24,692 मालवाहक वाहनों का रजिस्ट्रेशन दर्ज किया गया है।

एनसीसी कैडेट्स ने पुनपुन नदी व पुनपुन घाट हॉल्ट पर चलाया स्वच्छता अभियान

निज संवाददाता

मसौढ़ी । पुनपुन प्रखंड के एसएमडी कालेज एनसीसी की इकाई ने ने पिंड दान घाट स्थल को स्वच्छ बनाने के लिए लोगों को नई राह दिखा रहे हैं।गुरुवार को पुनपुन नदी के तट पर पुनपुन घाट हॉल्ट पर कैडेटों ने जमकर पसीना बहाया।तीखी गर्मी व धूप होने के बाद भी नदी तट पर साफ-सफाई अभियान चलाया।एसएमडी कालेज की एनसीसी अफसर लेफ्टिनेंट मुकेश कुमार ने बताया कि राष्ट्रीय कैडेट कोर ने राष्ट्रव्यापी पुनीत सागर अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत जलस्त्रोतों को स्वच्छ बनाने के लिए जलस्त्रोत व उसके तट की सफाई करनी है।अभियान के अंतर्गत नदियों को साफ रखने के लिए लोगों को जागरूक किया जा रहा।उन्होंने बताया कि पितृपक्ष मेला समाप्त होने के बाद घाट परिसर और पुनपुन घाट हाल्ट पर फैली गंदगी को साफ किया गया।इस अभियान में 35 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया।कैडेट्स ने न केवल सफाई की, बल्कि लोगों को स्वच्छता का महत्व भी समझाया।इस पुनीत सागर अभियान का उद्देश्य नदियों और जलस्त्रोतों को स्वच्छ और प्रदूषण मुक्त बनाना है। यह अभियान युवाओं को पर्यावरण संरक्षण की ओर प्रेरित करने के साथ समाज को स्वच्छता का महत्व समझाने का एक प्रभावी प्रयास है।

पटना फेवरेट ने बेउर जेल में किया नेत्र जांच शिविर का आयोजन

निज संवाददाता

पटना – सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के तहत लायंस क्लब ऑफ पटना फेवरेट द्वारा बेउर जेल, पटना में एक दिवसीय मेगा नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर में संस्था की 12 सदस्यीय टीम के साथ चिकित्सकों की टीम एवं नेत्र जांच हेतु सुसज्जित एम्बुलेंस वैन ने सक्रिय भूमिका निभाई। शिविर में कुल 500 कैदियों एवं मरीजों की नेत्र जांच की गई। इस दौरान चिकित्सकों द्वारा प्रत्येक मरीज की आंखों की विस्तृत जांच कर आवश्यकतानुसार चश्मे, दवाइयाँ एवं परामर्श उपलब्ध कराया गया। शिविर सुबह 9 बजे आरंभ होकर शाम 4 बजे तक संचालित हुआ। इस अवधि में लगभग 400 चश्मे वितरित किए गए, जिससे लाभार्थियों को उनके दैनिक जीवन में विशेष सहूलियत प्राप्त हुई। संस्था के सदस्यों ने बताया कि यह पहल केवल कैदियों की दृष्टि संबंधी समस्याओं के समाधान तक सीमित नहीं रही, बल्कि नेत्र स्वास्थ्य एवं देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी प्रभावी सिद्ध हुई। पटना फेवरेट ने इस जनोपयोगी कार्य में सहयोग प्रदान करने हेतु अखण्ड ज्योति नेत्रालय के प्रति आभार प्रकट किया।

'स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार' अभियान के तहत पटना कैंसर सेंटर में विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

निज संवाददाता

पटना । 24 बिहार सरकार स्वास्थ्य विभाग एवं राज्य स्वास्थ्य समिति के महत्वाकांक्षी अभियान "स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार" अभियान के तहत, पटना कैंसर सेंटर एवं मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल में महिला स्वास्थ्य जागरूकता और कैंसर स्क्रीनिंग पर केंद्रित एक विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसने सैकड़ों महिलाओं को सीधे लाभ पहुँचाया। कैंसर स्क्रीनिंग पर विशेष ध्यान शिविर में रिकॉर्ड संख्या में महिलाएँ पहुँचीं और उन्हें फ्री ओपीडी परामर्श के साथ-साथ दो सबसे आम महिला कैंसर – ब्रेस्ट (स्तन) कैंसर और सर्वाइकल (गर्भाशय ग्रीवा) कैंसर की अत्याधुनिक स्क्रीनिंग और जांच की सुविधा मिली। यह पहल समय पर पहचान और रोकथाम के सरकारी संकल्प को दर्शाती है। अस्पताल के निदेशक डॉ. नवीन कुमार ने इस आयोजन को स्वास्थ्य क्रांति की दिशा में एक कदम बताया। उन्होंने ज़ोर देकर कहा, "महिलाओं की समय पर जांच न केवल उनके जीवन की रक्षा करती है, बल्कि यह एक स्वस्थ समाज और अंततः एक सशक्त परिवार की अनिवार्य गारंटी है। यह शिविर इसी लक्ष्य को प्राप्त करने का एक बड़ा प्रयास है।" विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपस्थिति सरकारी स्वास्थ्य मिशन के तहत आयोजित इस शिविर में पटना के प्रतिष्ठित विशेषज्ञ चिकित्सकों का एक पैनल मौजूद रहा। डॉ. संजीव, डॉ. अमरजीत, डॉ. अमन, डॉ. निवेश सहित कई वरिष्ठ चिकित्सकों ने अपनी विशेषज्ञ सेवाएं दीं और प्रत्येक महिला को व्यक्तिगत स्वास्थ्य एवं कैंसर जोखिम के संबंध में विस्तृत परामर्श प्रदान किया। यह आयोजन बिहार में मातृ एवं महिला स्वास्थ्य सेवा को मुख्यधारा में लाने और कैंसर जैसे गंभीर रोगों की रोकथाम के लिए सामुदायिक स्तर पर जागरूकता फैलाने की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगा।

स्वच्छ आदतें अपनाएं, शहर को साफ-सुथरा बनाएं -डॉ. नीतू नवगीत

निज संवाददाता

पटना। नगर निगम पटना स्वच्छता जागरूकता टीम द्वारा स्वच्छोत्सव के अवसर पर शेखपुरा एवं राजा बाजार में स्वच्छता टॉक एवं स्वच्छता जागरूकता सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें नगर निगम की स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर डॉ. नीतू कुमारी नवगीत ने कहा कि स्वच्छता देवत्व जैसा ही है। स्वच्छ आदतें हमें स्वस्थ तो बनाती ही हैं, हमारे शहर और देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान भी दिलाती हैं। सबको मिलकर स्वच्छता संवर्धन के लिए प्रयास करना चाहिए। शहर को स्वच्छ रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है। इस अवसर पर डॉ. दयानिधि ने सब को स्वच्छता का संकल्प दिलाया और श्रमदान करने के लिए प्रेरित किया। जागरूकता कार्यक्रम में सैकड़ो की संख्या में शहर वासियों ने भी हिस्सा लिया और स्वच्छता टॉक में अपने विचार रखे। लोक गायिका डॉ. नीतू कुमारी नवगीत ने स्वच्छता गीतों के माध्यम से उपस्थित लोगों को स्वच्छ आदतें अपनाने के लिए प्रेरित किया।

दानापुर स्टेशन पर पूर्व सांसद कृष्णपाल सिंह यादव का भव्य स्वागत

दानापुर। मध्यप्रदेश के भाजपा के कद्दावर नेता एवं गुना लोकसभा क्षेत्र के पूर्व सांसद कृष्णपाल सिंह यादव का रविवार को दानापुर रेलवे स्टेशन पर कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। आर्यभट्ट की नगरी दानापुर की पावन धरती पर प्रदेश भाजपा नेता सनोज यादव के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने पुष्पमालाओं, अंगवस्त्रों और पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर श्री यादव ने कहा कि वे भारतीय जनता पार्टी के निर्देश पर पटना आए हैं और बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी जो भी दायित्व सौंपेगी, उसे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और लगन से निभाएंगे। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने बिहार में विकास की गंगा बहाई है और आने वाले चुनाव में जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के नेतृत्व में पुनः एनडीए की सरकार बनाएगी। उन्होंने महागठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता अब 'जंगलराज' की वापसी बर्दाश्त नहीं करेगी।श्री यादव ने बताया कि वे पटना प्रदेश कार्यालय में आयोजित पार्टी बैठक में भाग लेने पहुंचे हैं। स्वागत समारोह में खगौल नगर महामंत्री अजय शर्मा, अनिल यादव, शैलेश तिवारी, दीपक पटेल, प्रमोद यादव, अशोक शर्मा, अजय यादव, मनोज यादव, रंजन यादव, जय प्रकाश यादव, सोनु कुमार एवं शेराज अहमद सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नई तकनीक और मानव संसाधन के विकास पर जोर : मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत

पटना। विद्युत भवन में आयोजित संवाद सत्र के दौरान बिहार के मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने कहा कि बिजली के क्षेत्र में राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है और इसकी देश-विदेश में सराहना हो रही है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में चुनौतियां और बढ़ेंगी, इसलिए नई तकनीक अपनाना और मानव संसाधन को विकसित करना आवश्यक है। मुख्य सचिव ने कहा कि उपभोक्ता हमारे लिए सर्वोपरि हैं। बिजली आपूर्ति में सुधार से लोगों की जीवनशैली में बड़ा बदलाव आया है और उनकी संतुष्टि सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि बिहार सरकार उपभोक्ताओं को 125 यूनिट निःशुल्क बिजली उपलब्ध करा रही है और स्मार्ट प्रीपेड मीटर इंस्टॉलेशन में बिहार देशभर के लिए मिसाल बन रहा है। उन्होंने याद दिलाया कि 15 अगस्त 2012 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य में बिजली सुधार का संकल्प लिया था और अक्टूबर 2018 तक हर घर बिजली पहुंचाने का लक्ष्य पूरा कर लिया गया। ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव के मार्गदर्शन तथा विद्युतकर्मियों के समर्पण से आज स्थिति यह है कि लोग अब यह नहीं पूछते कि बिजली कितनी देर रहती है, बल्कि यह पूछते हैं कि कितनी देर कटती है। मुख्य सचिव ने अधिकारियों व कर्मचारियों को उपभोक्ताओं की शिकायतों का तुरंत समाधान करने और व्यवहार में पारदर्शिता व संवेदनशीलता रखने का आह्वान किया। इस अवसर पर ऊर्जा सचिव एवं सीएमडी बीएसपीएचसीएल मनोज कुमार सिंह ने कहा कि मुख्य सचिव ने टीम भावना और कार्य संस्कृति को नई दिशा दी है। कार्यक्रम में एसबीपीडीसीएल के एमडी महेंद्र कुमार, एनबीपीडीसीएल के एमडी राहुल कुमार सहित बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे, जबकि कई कर्मी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से जुड़े।

» बिहार के लोगों को हमसे बहुत उम्मीद है – विद्युत भवन में संवाद सत्र

स्वच्छ भारत दिवस पर 26 बिहार बटालियन एनसीसी का भव्य स्वच्छता अभियान

निज संवाददाता

पटना। स्वच्छ भारत दिवस 'स्वच्छोत्सव' के अवसर पर गुरुवार, 25 सितंबर को 26 बिहार बटालियन एनसीसी द्वारा पटना के दीघा घाट स्थित मरीन ड्राईव पर एक व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का संचालन बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल हरकमल अटवाल (सेना मेडल) के नेतृत्व में किया गया।कर्नल अटवाल ने इस अवसर पर कहा कि स्वच्छ भारत स्वच्छोत्सव की थीम "एक दिन, एक घंटा, एक साथ" है। इस संदेश को जीवन में उतारते हुए उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि न केवल व्यक्तिगत घरों की सफाई बल्कि सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता भी हमारी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग अपने घर तो साफ कर लेते हैं, लेकिन सार्वजनिक स्थानों पर ध्यान नहीं दे पाते। यदि हर नागरिक इस अभियान में अपनी सहभागिता निभाए, तो वातावरण को साफ-सुथरा बनाना सरल हो जाएगा। उन्होंने जागरूक करते हुए कहा, "गंदगी स्वयं न फैलाएँ और न ही किसी और को फैलाने दें। स्वच्छता का सीधा संबंध हमारे स्वास्थ्य से है। इसलिए इसे केवल एक जिम्मेदारी नहीं बल्कि एक उत्सव की भावना के साथ निभाना चाहिए।"अभियान के दौरान 26 बिहार बटालियन एनसीसी के कुल 160 कैडेट्स और अधिकारी शामिल हुए।

Govt. of Jharkhand
Department of Mines and Geology, District-Chatra
Notice Inviting E-Auction for Allocation of Sand ghats
(Through E-Procurement mode over https://www.jharkhandtenders.gov.in)

अल्प निविदा

The Jharkhand Sand Mining Rules, 2025 में उल्लेखित प्रावधानों के तहत Category-2 के बालूघाट / बालूघाटों के समूह की ई–नीलामी निम्न कार्यक्रमानुसार करायी जाएगी :–

1. ई–नीलामी कार्यक्रम:–

NIT No. MINES/ CHATRA /SAND	बालूघाट याबालूघाटों के समूह जिसे एक इकाई बालू घाट मानतेहुए नीलामी किया जाना है, की विवरणी।	निविदा दस्तावेज बिक्री शुल्क (5,000/–रू0 + GST in RCM Mode) जमा कर निविदा दस्तावेज डाउनलोड प्रारंभ करने की तिथि	ई–नीलामी से पूर्व प्री–बीड बैठक एवं प्रशिक्षण का समय एवं स्थान	अग्रधन राशि जमा तथा निविदा दस्तावेज अपलोड करने की अंतिम तिथि एवं समय	तकनीकी निविदा की जिला स्तरीय समिति द्वारा जाँच/मूल्यांकन कर सफल निविदादाताओं की सूची सिस्टम में अपलोड करने तथा प्रारम्भिक वित्तीय प्रस्ताव के मूल्यांकन की तिथि	ई–नीलामी की तिथि एवं समय
1	2	3	4	5	6	7
03/2025	**बालूघाट समूह– 'A'** Sahi 0.28 61051 Sahi 0.37 80674 Sahi 0.53 115561 Bharhi 0.53 113367 Manjhgawan,Garhi 0.90 192510 Sahi 1.02 222400 Sahi 1.51 329240 Sahi 1.90 414276 Kutki 3.2 688896 Ghorighat 3.24 1386033 Kutki 3.44 740563 Lohsighna Kalan 3.46 754418 Banki 3.74 1705517 Lohsighna Khurd 4.13 1979817 Gharkedli 4.24 2008088 Nawadih 4.93 1074937 Suggi Pandarokalan 5.72 1247188 Sahi 6.66 1452146 Garkedli 9.56 2084462 Sahi 10.74 2341749	18992893	26.09.2025 11:00 AM	समाहरणालय सभा कक्ष, चतरा तिथि – 27.09.2025 समय 04:00 PM	03.10.2025 05:00 PM	04.10.2025 11:00 AM	07.10.2025 10:00 AM to 05:00 PM
04/2025	**बालूघाट समूह– 'B'** Uraili, Bahera 24.70 5385588 Kedlikalan, Patwa, Banki, Kobani 46.54 10147581	15533169				

2. बालूघाट / बालूघाटों के समूह की विस्तृत विवरणी जिला के वेबसाईट पर उपलब्ध है।
3. बालूघाट / बालूघाटों के समूह की ई–नीलामी प्रक्रिया, ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल **www.jharkhandtenders.gov.in** से करायी जाएगी।
4. ई–नीलामी में भाग लेनेवाले व्यक्तियों / कम्पनी / फर्म / HUF को ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल https://www.jharkhandtenders.gov.in पर निबंधन कराना अनिवार्य होगा।
5. एतद् संबंधी समस्त सूचना (यथा–नीलामी कार्यक्रम, सुरक्षित जमा राशि, अग्रधन राशि इत्यादि) विस्तृत रूप से जिला के वेबसाईट एवं ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर उपलब्ध है।
6. एतद् संबंधी समस्त सूचना हेतु ई–प्रोक्योरमेंट हेल्पडेस्क एवं जिला खनन कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है।
7. बालू घाट का तात्पर्य है कि The Jharkhand Sand Mining Rules, 2025 के नियम–3 के तहत जिला सर्वेक्षण प्रतिवेदन (बालू) में चिन्हित Category-2 Sand ghat/Sand Bearing Land/River Stream होगा।
8. निविदादाता द्वारा ई–पोरक्योमेंट / ई–नीलामीपोर्टल से निविदादस्तावेज के साथ BoQ Templet (For Intital Price Offer) प्राप्त किया जाएगा। BoQ (.xls) प्रारूप में अपलोड किया जाएगा।
9. एतद संबंधी समस्त सूचना https://www.jharkhandtenders.gov.in एवं जिले के website पर उपलब्ध है।

ह0/–
कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमण्डल, चतरा

ह0/–
जिला कोषागार पदाधिकारी,
चतरा

ह0/–
जिला खनन पदाधिकारी,
चतरा

ह0/–
अपर समाहर्ता, राजस्व, चतरा

ह0/–
उप निदेशक, खान, उ0छो0 अंचल, हजारीबाग

ह0/–
उपायुक्त, चतरा

PR 362837 Mines and Geology(25-26)#D

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

सीआरपीएफ व रेड क्रॉस सोसायटी ने रक्तदान शिविर का किया आयोजन

जादूगोड़ा , एजेंसी। राष्ट्र की सुरक्षा में जुटी केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की जादूगोड़ा स्थित सासपुर मुख्यालय में सीआरपीएफ व भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी की ओर से आज बुधवार को अस्पताल परिसर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस रक्तदान शिविर में 54 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस मौके पर समारोह के मुख्य अतिथि सह सीआरपीएफ के उपमहानिरीक्षक रमेश कुमार ने कहा कि देश की सुरक्षा के साथ-साथ समाज के प्रति भी अपनी जिम्मेदारी बनती है। जिसके तहत भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित की गई है। इस मौके पर जवानों का हौसला अफजाई करने को लेकर सीआरपीएफ के डीआईजी रमेश कुमार व सहायक कमांडेंट जफर आलम ने भी खुद रक्तदान किया तथा कहा कि जवानों की समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी है जिसे लेकर रक्तदान शिविर आयोजित की गई है ताकि किसी भी व्यक्ति की मौत ब्लड की कमी से न हो सके। उन्होंने जानकारी दी कि 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक मेगा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाता है। जिसके तहत यह कार्यक्रम आयोजित की गई। कार्यक्रम को सफल बनाने में रमेश कुमार (पुलिस उपमहानिरीक्षक) जफर आलम (सहायक कमांडेंट) डॉ उर्मिला गारी (डीआईजी मेडिकल), डॉ मीना नवीन सीएमओ (एस जी), नीरज कुमार उपकमांडेंट, मकसूद आलम सहायक कमांडेंट इत्यादि मौजूद थे।

अवैध खनन पर प्रशासन की सख्ती, छेलखानी व कोलाबाडिया में डोगी ड्रम नष्ट किया

सरायकेला, एजेंसी। राजनगर थाना क्षेत्र में अवैध खनन पर लगाम कसने के लिए खनन विभाग और पुलिस ने मंगलवार को संयुक्त अभियान चलाया। छेलखानी और कोलाबाडिया इलाके में छापेमारी करते हुए अवैध खनन में प्रयुक्त डोगी ड्रम को आग लगाकर नष्ट कर दिया गया। हालांकि छापेमारी की भनक लगते ही बालू माफिया मौके से गाड़ियों समेत फरार हो गए, जिस कारण कोई वाहन जब्त नहीं हो सका। इसके बावजूद प्रशासन की ओर से यह बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है। माना जा रहा है कि इस अभियान से क्षेत्र में अवैध खनन गतिविधियों पर अंकुश लगेगा। राजनगर थाना प्रभारी चंचल कुमार ने कहा कि अवैध खनन से न केवल सरकारी राजस्व को नुकसान होता है, बल्कि पर्यावरण को भी गंभीर क्षति पहुंचती है। इस तरह की गतिविधियों को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। आगे भी इसी तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। वहीं, खनन इंस्पेक्टर समीर ओझा ने बताया कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के दिशा-निर्देशों के अनुरूप यह अभियान चलाया गया। एनजीटी ने बार-बार अवैध खनन और पर्यावरण प्रदूषण को लेकर राज्यों को सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया है। अवैध बालू खनन को लेकर कई जिलों में जुर्माने और कार्रवाई के आदेश भी दिए गए हैं। अवैध खनन करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा। ग्रामीणों का मानना है कि इस प्रकार की लगातार छापेमारी से क्षेत्र में बालू माफियाओं की गतिविधियों पर रोक लगेगी।

पेसा कानून लागू होने तक लघु खनिजों के आवंटन से रोक नहीं हटेगी -हाईकोर्ट

रांची, एजेंसी। अनुसूचित क्षेत्रों में ग्राम सभाओं को अधिकार देने के लिए पेसा कानून लागू करने की मांग को लेकर दायर याचिका पर बुधवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस तरलोक सिंह चौहान और जस्टिस राजेश शंकर की अदालत ने पेसा कानून लागू न होने पर कड़ी नाराजगी जताई। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने बालू घाटों और लघु खनिजों के आवंटन से रोक हटाने की मांग को लेकर हस्तक्षेप याचिका दाखिल की। इस पर कोर्ट ने कहा कि हम केवल आदेश देते रहेंगे और सरकार सुनती रहेगी, ऐसा नहीं चलेगा। जब तक नियमावली अधिसूचित नहीं होती, तब तक लघु खनिजों के आवंटन से रोक नहीं हटेगी। अदालत ने राज्य सरकार से पूछा कि पेसा एक्ट 1996 के तहत अब तक नियमों को क्यों अधिसूचित नहीं किया गया। जिम्मेदार अधिकारियों पर क्या कार्रवाई की गई। अदालत ने कहा कि क्यों न इसे अदालत के आदेश की अवमानना माना जाए ।सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजीव रंजन ने कहा कि पेसा कानून की नियमावली का ड्राफ्ट कैबिनेट को भेजा जा चुका है। उन्होंने अदालत से एक माह का समय मांगा। याचिकाकर्ता आदिवासी बुद्धिजीवी मंच की ओर से अधिवक्ता अभिषेक राय और ज्ञानंत सिंह ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि ऐसे ड्राफ्ट पहले भी कई बार विभिन्न स्तर पर भेजे गए हैं। इसके बावजूद आज तक नियम लागू नहीं हुआ। इस पर अदालत ने कहा कि प्रक्रिया से कोई मतलब नहीं है, आदेश का पालन होना चाहिए।

ड्रिप सिस्टम से किसान बदल रहे खेती का चेहरा, 2 महीने में 5-6 लाख की कमाई

कभी रोजगार के लिए पलायन, आज ग्रामीणों को दे रहे रोजगार

रांची, एजेंसी। रंका अनुमंडल मुख्यालय के सदर प्रखंड स्थित होन्हे खुर्द गांव के किसान अपनी मेहनत और आधुनिक तकनीक के सहारे खेती का नया आयाम गढ़ रहे हैं। अल्पवृष्टि वाले इस क्षेत्र में जहां कभी किसान बारिश की कमी से परेशान रहते थे, वहीं अब ड्रिप सिस्टम के जरिए सब्जी की खेती कर आर्थिक रूप से सबल हो रहे हैं। पहले इस भूभाग पर जंगल हुआ करता था, जिसको सफाई करके यहां के मेहनतकश किसानों ने खेती के लायक उपजाऊ जमीन बनाई।

डेढ़ लाख रुपए की राशि से ड्रिप मशीन, बीज मजदूर, बांस, धागा लेक्ट्रर, मल्चिंग बांस, नेट आदि की व्यवस्था कर एक एकड़ में खीरा और टमाटर की खेती की शुरुआत की। यहां के किसान प्रतिदिन 50 हजार से 60 हजार रुपए तक की सब्जियों की बिक्री कर अपनी आय का नया स्रोत बना चुके हैं। गांव के किसान नजाबुद्दीन अंसारी, रहमतुल्ला अंसारी, आशिक अंसारी, आदम अंसारी, इम्तियाज अंसारी, अख्तर अंसारी और जब्बार अंसारी जैसे लोगों ने खेती को न सिर्फ जीविकोपार्जन का साधन बनाया है, बल्कि दूसरे लोगों को भी रोजगार देने का काम किया है। प्रतिदिन एक किसान 10 मजदूरों को अपने खेत में रोजगार दे रहे हैं। इस प्रकार सैकड़ों मजदूर उनके खेतों में प्रतिदिन कार्य कर रहे हैं।

10 से 30 टन तक खीरा, टमाटर, मिर्चा, बैगन का कर रहे उत्पादन : होन्हे खुर्द में मुख्य रूप से खीरा, मिर्चा और बैंगन की खेती बड़े पैमाने पर की जा रही है। इसके अलावा टमाटर, गोभी और अन्य मौसमी सब्जियां भी किसान उगा रहे हैं। किसान 10 से 30 टन तक खीरा, टमाटर, मिर्चा, बैगन का उत्पादन कर रहे हैं।

किसानों का कहना है कि केवल दो महीने की फसल में ही वे 5 से 6 लाख रुपए तक की कमाई कर लेते हैं। जहां कभी लोग खेती छोड़कर पलायन करने को मजबूर थे। किसानों के अनुसार, सब्जियों की मांग स्थानीय बाजार से लेकर दूरदराज तक के शहरों में है। यहां का खीरा बिहार के औरंगाबाद, पटना, जहानाबाद, बनारस, समस्तीपुर, गया, पश्चिम बंगाल जैसे शहरों में प्रतिदिन भेजा जा रहा है।

किसान बोले... बस सरकारी सहयोग की कमी : किसानों ने बताया कि सरकार की ओर से सिंचाई की कोई ठोस सुविधा उपलब्ध नहीं कराई गई है। अगर सरकार द्वारा नहर, चेकडैम या पाइपलाइन जैसी योजनाएं लागू की जाती तो खेती की स्थिति और बेहतर हो सकती थी। किसानों का कहना है कि वे अपनी मेहनत और खुद की लागत पर कुआं खुदवाकर खेती कर रहे हैं। बावजूद इसके उन्होंने साबित किया है कि आत्मनिर्भरता के दम पर भी सफलता पाई जा सकती है।

सरकार ने कैबिनेट बैठक में लिए बड़े फैसले, 27 प्रस्तावों पर लगी मुहर, 4 जिलों में खुलेंगे एनडीपीएस थाना

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में आयोजित राज्य कैबिनेट की बैठक में 27 महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट सचिव वंदना दाड़ेल ने प्रेस ब्रीफिंग में फैसलों की विस्तृत जानकारी साझा की। सबसे अहम निर्णय अफीम की अवैध खेती पर रोक लगाने से जुड़ा रहा। इसके तहत राज्य के उन चार जिलों में, जहां अफीम की खेती सबसे अधिक होती है, नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) पुलिस थाना स्थापित किए जाएंगे। सरकार का मानना है कि इन थानों से मादक पदार्थों के अवैध कारोबार और खेती पर सख्ती से लगाम लगाई जा सकेगी।

शिक्षा के क्षेत्र में भी बड़े फैसले लिए गए। नेतरहाट आवासीय विद्यालय की तर्ज पर बोकारो में नया आवासीय विद्यालय खोला जाएगा। इसके लिए 116 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति दी गई है। वहीं, रांची स्थित पॉलिटेक्निक कॉलेज के लिए 97 करोड़ रुपये की लागत से नए भवन के निर्माण को मंजूरी दी गई है। सरकार का दावा है कि इन फैसलों से तकनीकी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को मजबूती मिलेगी। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से वन स्टॉप सेंटर योजना के तहत चार नए केंद्र खोलने का निर्णय हुआ। साथ ही, कस्तूरबा गांधी विद्यालय के कर्मियों के भत्तों में बढ़ोतरी की गई।वन विभाग की ओर से सारंडा जंगल को वाइल्ड लाइफ सेंचुरी घोषित करने के प्रस्ताव को भी कैबिनेट की मंजूरी मिली। इसके अलावा, झारखंड सचिवालय कार्यालय प्रक्रिया 2025 को स्वीकृति प्रदान की गई और निजी सुरक्षा एजेंसियों के संचालन नियमावली में संशोधन किया गया।

तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आए छात्र की मौत

गिरिडीह के जमुआ में हुआ हादसा, लाइब्रेरी पढ़ने जा रहा था, ट्रक चालक हुआ फरार

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के जमुआ थाना क्षेत्र के हाडोडीह गांव के 23 वर्षीय त्रिदेव कुमार वर्मा की बुधवार सुबह सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। त्रिदेव पढ़ाई में होनहार छात्र था। वह सिहोडीह में किराए पर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा था। प्रतिदिन की तरह वह सुबह बैंक ऑफ इंडिया के ऊपर स्थित लाइब्रेरी पढ़ने जा रहा था। तभी अचानक एक तेज रफ्तार ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। गंभीर रूप से घायल त्रिदेव को स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत सदर अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने इलाज के दौरान उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे और कोहराम मच गया।

सड़क पर उतरे परिजन, पुलिस ने की कार्रवाई

त्रिदेव के शव को लेकर परिजन और ग्रामीण शहर की देवघर-गिरिडीह मुख्य सड़क जाम कर दिया। सूचना पाकर मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। हालांकि, लोग मुआवजा मिलने तक सड़क जाम हटाने के लिए तैयार नहीं थे। पुलिस ने अस्पताल जाकर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की। फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

प्रशासन से मिला आश्वासन, जाम हटाया गया

मौके पर पहुंचे सीओ जितेंद्र कुमार ने परिजनों और ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलाया जाएगा और जल्द ही ट्रक चालक को गिरफ्तार किया जाएगा। इस आश्वासन के बाद आंदोलनकारियों ने सड़क जाम हटा दिया। स्थानीय लोगों ने कहा कि गिरिडीह शहर और आसपास के इलाकों में तेज रफ्तार वाहनों के कारण हादसे आम हैं।

बिल बकाया वाले व्यावसायिक उपभोक्ताओं की बिजली कटनी शुरू

जेबीवीएनएल के स्मार्ट मीटर का नया सॉफ्टवेयर एक्टिव, जीरो बैलेंस होने पर खुद कट जाएगी बिजली

रांची, एजेंसी। रांची के प्री-पेड स्मार्ट मीटर वाले सभी तरह के कंज्यूमर अब अलर्ट हो जाएं। जेबीवीएनएल के स्मार्ट मीटर सिस्टम का नया सॉफ्टवेयर अप-टू-डेट हो गया। इसलिए, अब बिल बकाया या जीरो बैलेंस होने पर स्वतः बिजली कट जाएगी। जेबीवीएनएल ने फिलहाल घरेलू उपभोक्ताओं को राहत दे रही है, मगर व्यावसायिक उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़नी शुरू हो गई हैं।

शहर के करीब 10 हजार व्यावसायिक उपभोक्ताओं के प्री-पेड स्मार्ट मीटर का बैलेंस खत्म हो गया है। इनका कनेक्शन काटे जाने की प्रक्रिया शुरू हो गयी है। वहीं, अब आम घरेलू उपभोक्ताओं को भी अधिक दिनों तक राहत नहीं मिलेगी। इसलिए, वे भी अपना-अपना बिजली बिल एटीपी मशीन के माध्यम से जमा कराएं या ऑनलाइन रीचार्ज कराना शुरू कर दें।

जेबीवीएनएल ने सेंट्रल डिविजन के अंतर्गत मेन रोड, थड़पखना और चर्च रोड जैसे इलाकों में करीब 3316 दुकानों की बिजली सोमवार रात को ही काट दी है। जबकि, रांची पश्चिमी डिविजन के पिस्का मोड़ और रातू रोड इलाके में लगभग 2500 उपभोक्ताओं की बिजली काटी गई है। इसके अलावा बिल बकाया या जीओ बैलेंस वाले अन्य व्यावसायिक उपभोक्ताओं की भी बिजली कनेक्शन काटे जाने की तैयारी चल रही है। इसकी कवायद शुरू कर दी गई है।

जेबीवीएनएल सभी तरह के उपभोक्ताओं से अपील की है जिनका मीटर बैलेंस शून्य हो चुका है, उन्हें तुरंत रिचार्ज करना होगा। उपभोक्ता एटीपी मशीन, ऑनलाइन माध्यम या एसबीआई ई-पे के जरिए भुगतान कर सकते हैं। बकाया राशि के साथ कम से कम 200 रुपए अतिरिक्त बैलेंस के रूप में भी रिचार्ज कर लें, ताकि आगे भी बिजली आपूर्ति बनी रहे। जिन उपभोक्ताओं को बिल में कोई त्रुटि लग रही है, वे तुरंत अपने विद्युत प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता से मिलकर समाधान करवा लें। दो दिन की रियायत दी गई है। इस दौरान उपभोक्ता रिचार्ज करवा लें, तो उनकी बिजली फिर से जोड़ दी जाएगी। लेकिन अगर तय समय के भीतर रिचार्ज नहीं किया गया, तो लाइन पूरी तरह काट दी जाएगी और दोबारा क?नेक्शन चालू कराने के लिए पूरा बकाया एक साथ चुकाना पड़ेगा।

11 अक्टूबर से दिल्ली तक चलेगी धनबाद-जम्मू एसी स्पेशल ट्रेन, डीडीयू-वाराणसी-प्रयागराज में स्टॉपेज

धनबाद, एजेंसी। धनबाद से जम्मू के बीच चलने वाली एसी स्पेशल ट्रेन अब नवंबर तक दिल्ली तक चलेगी। जम्मू में भारी बारिश से रेल ब्रिज में खराबी आने से धनबाद-जम्मू स्पेशल मध्य अक्टूबर तक रद कर दी गई है। यात्रियों की मांग पर रेलवे ने इस ट्रेन को धनबाद से दिल्ली तक चलाने की मंजूरी दे दी है।

थर्ड एसी इकोनॉमी कोच के साथ चलने वाली ट्रेन 11 अक्टूबर से सप्ताह में दो दिन चलेगी। धनबाद से गोमो, पारसनाथ, हजारीबाग रोड, कोडरमा, गया, अनुग्रह नारायण रोड, डेहरी आन सोन, सासाराम, भभुआ रोड, डीडीयू, वाराणसी, प्रयागराज, गोविंदपुरी व टूंडला होकर दिल्ली जाएगी। धनबाद से दिल्ली के बीच ठहराव व टाइम टेबल में कोई बदलाव नहीं होगा। 03309 धनबाद-दिल्ली स्पेशल प्रत्येक मंगलवार व शनिवार को 11 अक्टूबर से 29 नवंबर तक चलेगी। धनबाद से सुबह 10:10 पर चलकर अगले दिन सुबह 9:15 पर दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में 03310 दिल्ली-धनबाद स्पेशल बुधवार व रविवार को 12 अक्टूबर से 30 नवंबर तक चलेगी।

दिल्ली से दिन में 11:45 पर चलकर अगले दिन दोपहर एक बजे धनबाद आएगी। गुरुवार से इस ट्रेन में टिकटों की बुकिंग शुरू होने की संभावना है। सियालद बलिया, हावड़ा रक्सौल सहित कई ट्रेनों में अतिरिक्त डिब्बा जोड़ा जाएगा। पर्व में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने हावड़ा-रक्सौल-हावड़ा मिथिला एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त शयनयान श्रेणी का डिब्बा जोड़ने का निर्णय लिया है।

मिथिला एक्सप्रेस हावड़ा से 25 सितंबर से 31 अक्टूबर तक एवं रक्सौल से 26 सितंबर से एक नंबर तक 21 डिब्बों की बजाय 22 डिब्बों के साथ चलेगी। सियालदह-बलिया-सियालदह एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त शयनयान श्रेणी का डिब्बा जोड़ा जाएगा। यह ट्रेन 25 सितंबर से 31 अक्टूबर तक सियालद से चलेगी, जबकि 26 सितंबर से एक नवंबर तक तक बलिया से चलेगी। यह ट्रेन 19 डिब्बों की बजाय 20 डिब्बों के साथ चलेगी।

सियालदह-जयनगर-गंगासागर एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त शयनयान श्रेणी का डिब्बा जोड़ा जाएगा। यह ट्रेन 25 सितंबर से 31 अक्टूबर तक सियालदह से चलेगी और 26 सितंबर से एक नवंबर तक जयनगर से चलेगी। ट्रेन 19 डिब्बों के बजाय 20 डिब्बों के साथ चलेगी।

हावड़ा-योगनगरी ऋषिकेश-हावड़ा दून एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त शयनयान श्रेणी का डिब्बा जोड़ा जाएगा। यह ट्रेन 25 सितंगर से 31 अक्टूबर तक हावड़ा से चलेगी और 27 सितंबर से दो नवंबर तक योगनगरी ऋषिकेश से चलेगी।

ट्रांसमिशन निगम खड़ा करेगा अपना नेटवर्क, खुद करेगा बिजली आपूर्ति

रांची, एजेंसी। झारखंड सरकार ने कमांड एरिया के सात जिलों को डीवीसी से मुक्त करने की तैयारी कर ली है। अगले तीन साल में झारखंड ट्रांसमिशन निगम अपना ने?टवर्किंग सिस्टम खड़ा कर इन इलाकों में खुद बिजली आपूर्ति करेगा। इसके तहत ग्रिड सब स्टेशन बनेंगे। ट्रांसमिशन लाइन बिछाई जाएगी। इसके बनने से डीवीसी पर निर्भरता पूरी तरह खत्म हो जाएगी। मुख्यमंत्री सह ऊर्जा मंत्री हेमंत सोरेन ने कहा था कि झारखंड अपने बल पर बिजली आपूर्ति करने की तैयारी करे। इसके लिए कार्ययोजना बनाए। इसके बाद निगम ने आठ नई परियोजनाएं तैयार की है, जिसे कैबिनेट की मंजूरी मिल चुकी है। जल्दी ही इन योजनाओं पर काम शुरू होगा।

पतरातू थर्मल पावर प्लांट की पहली यूनिट से जेबीवीएनएल को 585 मेगावाट बिजली मिलने लगी है। दो साल में दूसरी और तीसरी यूनिट से भी बिजली आपूर्ति शुरू हो जाएगी। इससे 85 फीसदी बिजली झारखंड को मिलेगी। यानी झारखंड के पास पर्याप्त बिजली होगी। उधर, नेटवर्किंग सिस्टम पर भी काम शुरू हो रहा है। इससे जेबीवीएनएल इन जिलों में खुद बिजली आपूर्ति करने में सक्षम हो जाएगा और डीवीसी पर निर्भरता खत्म हो जाएगी।

डीवीसी कमांड एरिया में सात जिले देवघर, दुमका, गिरिडीह, हजारीबाग, रामगढ़, धनबाद और बोकारो है। इन जिलों में डीवीसी अपनी ट्रांसमिशन लाइन के जरिए 600 मेगावाट बिजली की आपूर्ति करता है। जबकि इन जिलों में बिजली की मांग 1200 मेगावाट तक पहुंच चुकी है। डीवीसी ने इन इलाकों में न तो कोई नई ट्रांसमिशन लाइन बिछाई है और न ही नया नेटवर्किंग सिस्टम बनाया है। सभी सिस्टम पुराने हो चुके हैं। वह मांग के अनुसार बिजली आपूर्ति करने में सक्षम नहीं है।

बंदरों से निपटने के लिए ओएचई पर लगेंगे एंटी मंकी डिवाइस

धनबाद, एजेंसी। ओएचई (ओवरहेड इक्विपमेंट) पर चढ़ कर उछल कूद करने वाले बंदरों की रोकथाम को रेलवे ने तरकीब ढूंढ़ निकाली है। इसके लिए ओएचई में एंटी मंकी क्लाइंबिंग डिवाइस लगाए जाएंगे। इससे न केवल बंदरों को चढ़ने से रोका जा सकेगा बल्कि हाई वोल्टेज के झटके से उन्हें बचाया भी जा सकेगा।

साथ ही रेलवे को ओएचई के नुकसान से बचाया जा सकेगा। झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश तक फैले धनबाद रेल मंडल के ऐसे कई रेलखंड हैं जहां अक्सर बंदर ओएचई पर चढ़ जाते हैं।

बंदर के ओएचई के खंभे या उसके एंगल को हिलाने पर ओवरहेड तार भी हिलने लगते हैं। इससे कई बार ओएचई ट्रिप कर जाती है और ट्रेनों को बिजली आपूर्ति ठीक से नहीं हो पाता। उछल कूद करने से कई बार ओएचई तार टूट जाते हैं।

इससे रेल सेवा प्रभावित होती ही है। कई बार करंट की चपेट में आकर बंदर की मौत भी हो जाती है। एंटी क्लाइंबिंग डिवाइस से ऐसी घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी।

परिंदों की बचेगी जान, रेलवे को भी नहीं होगा नुकसान : ओएचई के इंसुलेटर की परिंदों से सुरक्षा के लिए एंटी बर्ड डिस्क भी लगाए जाएंगे। ओएचई के इंसुलेटर चीनी मिट्टी के बने होते हैं। पक्षियों के उस पर बैठने से इसमें खराबी आने की संभावना बनी रहती है। साथ ही पक्षियों के करंट की चपेट में आकर मरने या घायल होने का भी खतरा रहता है।

एंटी बर्ड डिस्क पक्षियों को बिजली के तार के संपर्क में आने से बचाएगी। साथ ही इंसुलेटर को नुकसान पहुंचने से बचाने में भी मदद करेगी। लाइन ट्रिप होने से रोकेगी जिससे ट्रेनों का परिचालन सुचारू रूप से जारी रखने में मदद मिलेगी।

ओएचई खंभों में लगेगी डिवाइस

एंटी मंकी क्लाइंबिंग डिवाइस को ओएचई के खंभे में लगाया जाएगा। डिवाइस के आसपास कंटीले तार रहेंगे।इससे जैसे बंदर ऊपर चढ़ने की कोशिश करेंगे, उनका पैर फिसलने लगेगा और चढ़ नहीं सकेंगे।

इन बंदरबहुल रेलखंडों पर 1.72 करोड़ से लगेंगे 900 डिवाइस

धनबाद रेल मंडल के बरकाकाना, खलारी, लातेहार, डालटनगंज, हजारीबाग रोड, हजारीबाग टाउन, रेणुकूट व चोपन जैसे बंदरबहुल रेलखंडों पर एंटी मंकी क्लाइंबिंग डिवाइस लगाए जाएंगे। इसके लिए रेलवे ने लगभग 1.72 करोड़ का टेंडर जारी किया है। इन रेलखंडों में 900 डिवाइस लगेंगे।

उत्तराखंड सरकार ने जांच के लिए एसआईटी गठित की

देहरादून, एजेंसी।
उत्तराखंड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (यूकेएसएसएससी) की स्नातक स्तरीय परीक्षा के प्रश्नपत्र कथित तौर पर लीक होने को लेकर प्रदर्शनों के बीच राज्य सरकार ने मामले की जांच के लिए बुधवार को उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की निगरानी में एक विशेष अन्वेषण दल (एसआईटी) गठित की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चेतावनी देते हुए कहा कि उनकी सरकार नकल जिहादियों को मिट्टी में मिलाने तक चैन से नहीं बैठेगी। अधिकारियों ने बताया कि पांच सदस्यीय एसआईटी का गठन 21 सितंबर को हुए इस मामले की विवेचना कर रही देहरादून की पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) जया बलूनी की अध्यक्षता में किया गया है। इससे पहले, प्रदेश के मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में एसआईटी गठित करने के

निर्णय की जानकारी देते हुए कहा कि इसकी जांच के दायरे में पूरा प्रदेश होगा और यह एक माह में अपनी रिपोर्ट देगी। बर्धन ने कहा कि राज्य सरकार के लिए छात्रों का हित सर्वोपरि है और आम जनमानस और छात्रों में परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और शुचिता बनाए रखने के लिए यह निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि मामले की निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच के लिए यह भी निर्णय लिया गया है कि यह एसआईटी, उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की पूर्ण निगरानी में कार्य करेगी। मुख्य सचिव ने कहा कि एसआईटी द्वारा यह जांच प्रक्रिया एक माह में पूर्ण की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में दोषी पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। मुख्य सचिव ने यह भी कहा कि राज्य सरकार हरिद्वार स्थित संबंधित परीक्षा केंद्र में तैनात कक्ष निरीक्षक या सुपरवाइजर या किसी भी अन्य उस व्यक्ति के खिलाफ भी कार्रवाई करेगी जिसकी लापरवाही की वजह से यह घटना हुई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार, यूकेएसएसएससी से भी अनुरोध करेगी कि जब तक यह जांच पूरी न हो तब तक के लिए इस परीक्षा के संबंध में आगे कोई कार्यवाही न की जाए। आयोग द्वारा रविवार को आयोजित स्नातक स्तरीय प्रतियोगी परीक्षा के प्रश्नपत्र के तीन पन्नों की फोटो के 'स्क्रीनशॉट' सोशल मीडिया पर सामने आए थे, जिनमें फोटो लिए जाने का समय परीक्षा शुरू होने के कुछ ही देर बाद का दिखाई दे रहा था। इस मामले में पुलिस ने परीक्षा में अभ्यर्थी के रूप में शामिल हुए मुख्य आरोपी खालिद मलिक और उसकी बहन साबिया को हरिद्वार से गिरफ्तार किया है।

घर के बाहर टहल रही महिला पर सांड का हमला

नोएडा , एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर के दनकौर कोतवाली क्षेत्र में घर के बाहर टहल रही एक बुजुर्ग महिला को सांड ने उठाकर पटक दिया। सींग महिला के पेट में घुस गया । लहूलुहान महिला को नजदीकी अस्पताल में ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। गांव के लोगों ने बताया कि आवारा सांड पिछले दिनों में गांव के कई लोगों पर हमला कर चुके हैं।

पुलिस के मुताबिक देवटा गांव की 75 साल की शांति देवी बुधवार तड़के अपने घर के बाहर गली में किसी काम के लिए निकली थीं। वह जैसे ही दूसरी गली के मोड़ पर पहुंची, तभी अचानक सामने से आ रहे एक सांड ने उनपर हमला कर दिया। सांड ने सींग के बल पर महिला को उठा लिया और रास्ते पर पटक दिया। सींग से महिला का पेट फट गया और सड़क पर गिरने से सिर में गंभीर चोट आई। महिला की चीख पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और जैसे-तैसे हमलावर सांड को भगाया। परिजनों और ग्रामीणों ने गंभीर अवस्था में घायल महिला को ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई।

संक्षिप्त समाचार

गुरुग्राम में हैवान बना बेटा! बुजुर्ग पिता को बैट से पीटकर मार डाला

गुरुग्राम , एजेंसी। गुरुग्राम में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां के भीमगढ़ खेड़ी में बुधवार के एक शख्स ने अपने बुजुर्ग पिता को क्रिकेट बैट से पीट-पीटकर मार डाला। इस घटना में आरोपी की पत्नी को भी चोटें आई हैं। पुलिस ने सूचना मिलने के बाद तुरंत ऐक्शन लिया और हैवान बेटे को गिरफ्तार कर लिया है। मंगलवार को पुलिस को सूचना मिली कि आर्यन अस्पताल में गुलाब सिंह नामक शख्स की मौत हो गई है। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो देखा कि बहू प्रीति की हालत गंभीर है। इस मामले में डॉक्टरों ने पुलिस को बताया कि प्रीति अभी बयान देने की हालत में नहीं है। इस मामले में बुधवार को पुलिस दोबारा बयान दर्ज करवाने पहुंची तो प्रीति ने सबकुछ बताया। प्रीति ने बताया कि मंगलवार शाम को उसका पति नीरज घर लौटा और झगड़ा करने लगा। प्रीति ने बताया कि नीरज ने झगड़े के दौरान उस पर हमला किया और जान से मारने की धमकी दी। पति-पत्नी के बीच झगड़ा हो ही रहा था कि इतने में 73 साल के नीरज के पिता वहां आ गए और बीच-बचाव करने लगे। नीरज ने गुस्से में पत्नी और पिता दोनों पर हमला कर दिया। इस हमले में नीरज के पिता की मौत हो गई, जबकि प्रीति गंभीर रूप से घायल हो गई। इस मामले की जानकारी मिलने के बाद प्रीति का भाई पुलिस लेकर नीरज के घर पहुंचा। आरोपी नीरज अपने घर के अंदर ही छिपा हुआ था। पुलिस ने आरोपी की तलाश की और घर के बाहर निकाल लाई। इसके बाद घायल प्रीति और पिता गुलाब सिंह को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने गुलाब सिंह को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद प्रीति की शिकायत पर गुरुग्राम के सेक्टर-5 थाने में एफआईआर दर्ज की गई और पुलिस ने आरोपी नीरज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

वैश्विक अर्थव्यवस्था में किसानों को अच्छे मूल्य नहीं मिल रहे हैं: नितिन गडकरी

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बुधवार को कहा कि सरकार को उन किसानों का समर्थन करना चाहिए जिन्हें अपनी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पाता है क्योंकि यह दाम वैश्विक कारकों से तय होता है। गडकरी ने कहा कि भारत की 65 प्रतिशत जनसंख्या कृषि गतिविधियों में लगी हुई है लेकिन देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उनका योगदान महज 14 प्रतिशत है। गडकरी ने 'भारत जैव-ऊर्जा एवं प्रौद्योगिकी एक्सपो के दूसरे संस्करण को संबोधित करते हुए कहा कि चीनी की कीमत ब्राजील, तेल की कीमत मलेशिया, मक्के की कीमत अमेरिका और सोयाबीन की कीमत अर्जेंटीना से प्रभावित होती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, हम ग्रामीण और आदिवासी भारत में गरीबी एवं बेरोजगारी की समस्याओं का सामना कर रहे हैं क्योंकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में किसानों को अच्छे मूल्य नहीं मिल रहे हैं। उन्होंने कहा, ऐसे परिदृश्य में, हमारी ग्रामीण कृषि और आदिवासी अर्थव्यवस्था को बचाकर रखने के लिए, हमें कृषि का समर्थन करने की जरूरत है... जो उपभोक्ता, देश और आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, किसानों को अपनी फसलों का उचित मूल्य नहीं मिलने के कारण कई आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। गडकरी ने कहा कि जब सरकार ने मक्के से बायो-एथेनॉल बनाने की मंजूरी दी तो मक्के की कीमत 1,200 रुपये प्रति क्विंटल से बढ़कर 2,800 रुपये प्रति क्विंटल हो गई।

10 सदस्यीय टीम करेगी जुबिन गर्ग की मौत की जांच

असम सीआईडी के एडिशनल डीजीपी एम.पी. गुप्ता को एसआईटी का हेड बनाया है

गुवाहाटी, एजेंसी।
असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के निर्देश पर राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) हरमीत सिंह ने बुधवार को लोकप्रिय गायक जुबिन गर्ग की असामयिक मौत की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। असम सीआईडी के एडिशनल डीजीपी एम.पी. गुप्ता को एसआईटी का हेड बनाया गया है। उनके अलावा इस टीम में नौ अधिकारी रखे गए हैं। एसआईटी गठन के बारे में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने एक्स पर लिखा, हम किसी को नहीं बख्शेंगे। सीआईडी ??के एडीजी एमपी गुप्ता एसआईटी का नेतृत्व करेंगे। सरमा नेआगे कहा कि उन्हें मामले की जांच करने की पूरी आजादी होगी।

इस बीच गर्ग के अंतिम संस्कार के एक दिन बाद प्रदेश के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य बुधवार को उनके आवास पर परिवार के सदस्यों से मिलने पहुंचे। राज्यपाल आचार्य ने गर्ग के पिता मोहिनी मोहन बोरठाकुर और उनकी पत्नी गरिमा गर्ग से मुलाकात कर अपनी हार्दिक संवेदना

व्यक्त की। लोकप्रिय गायक जुबीन गर्ग की 19 सितंबर को सिंगापुर में समुद्र में तैरते समय डूबने से मौत हो गई थी। फिलहाल असम पुलिस का अपराध अन्वेषण विभाग (सीआईडी) गर्ग की मौत के मामले की जांच कर रहा है। बता दें कि 'नॉर्थईस्ट इंडिया फेस्टिवल' के आयोजकों के खिलाफ राज्य भर में 60 से अधिक प्राथमिकी दर्ज की गई हैं। गायक इसी कार्यक्रम में प्रस्तुति देने सिंगापुर गए थे। 20 सितंबर को कार्यक्रम होना था लेकिन उससे पहले ही 19 सितंबर को समंदर में डूबने से उनकी मौत हो गई।जुबिन गर्ग को न्याय दिलाने की बढ़ती माँग के बीच, जिन चार लोगों के खिलाफ राज्यभर में प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, उनमें सिंगापुर में नॉर्थ ईस्ट इंडिया फेस्टिवल के आयोजक श्यामकानु महंत, गायक के मैनेजर सिद्धार्थ सरमा, जो गर्ग का प्रतिनिधित्व करने वाली मुंबई स्थित एक टैलेंट मैनेजमेंट कंपनी से जुड़े थे; ड्रमर शेखरज्योति गोस्वामी और व्यवसायी संजीव नारायण शामिल हैं। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि महंत और उनसे जुड़े किसी भी समूह को असम में किसी भी तरह का कार्यक्रम आयोजित करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार किसी भी ऐसे कार्यक्रम को, जिससे वह प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हों, कोई वित्तीय अनुदान या विज्ञापन नहीं देगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार केंद्र सरकार से भी अनुरोध करेगी कि वह उन्हें किसी भी तरह की वित्तीय सहायता न दें। इस बीच, मुख्यमंत्री सरमा ने यह भी कहा कि गायक के दूसरे पोस्टमार्टम रिपोर्ट से इकट्ठा किए गए विसरा के नमूने विस्तृत जांच के लिए केंद्रीय न्यायालयिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) दिल्ली भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा, एसआईटी को पूरी पेशेवर निष्ठा के साथ मामले की जांच करने की पूरी स्वतंत्रता होगी।

पूर्वोत्तर में ड्रग्स पर बड़ी चोट! 100 करोड़ से ज़्यादा के नशीले पदार्थ जब्त

गुवाहटी, एजेंसी।
असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि कछार जिले से 90 करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित 'याबा टैबलेट' जब्त की गईं और इस सिलसिले में दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि कछार जिले से 90 करोड़ रुपये मूल्य की प्रतिबंधित 'याबा टैबलेट' जब्त की गईं और इस सिलसिले में दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया। याबा को थाई में 'क्रेजी मेडिसिन' कहा जाता है, जो एक शक्तिशाली और नशीला उत्तेजक पदार्थ मेथामफेटामीन और कैफीन के मिश्रण वाली एक गोली है।

बुधवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में शर्मा ने कहा किखुफिया जानकारी के आधार पर कछार जिला पुलिस ने पड़ोसी राज्य से आ रहे एक वाहन को रोका और 90 करोड़ रुपये मूल्य की तीन लाख 'याबा टैबलेट' जब्त कीं। उन्होंने बताया कि इस अभियान में पुलिस ने वाहन में सवार दो तस्करों को भी गिरफ्तार किया।

वहीं दूसरी तरफ असम राइफल्स के जवानों ने म्यांमा सीमा के पास मिजोरम के चम्फाई जिले में 11.4 करोड़ रुपये मूल्य की 1.37 किलोग्राम हेरोइन जब्त की। अर्धसैनिक बल ने बुधवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी। विश्वसनीय सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए असम राइफल्स के जवानों ने मंगलवार को जोखावथर कस्बे में तीन व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधि देखी और उन्हें उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वे एक छिपाया हुआ थैला उठाने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने बताया कि इलाके की गहन तलाशी के बाद हेरोइन बरामद हुई, जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 11.4 करोड़ रुपये है। बयान में कहा गया कि जब्त माल को तीन आरोपियों के साथ उसी दिन चम्फाई में सीमा शुल्क और नारकोटिक्स विभाग को सौंप दिया गया।

गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से दिवाली तक शुरू हो सकती हैं लखनऊ-प्रयागराज की उड़ान

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट से जल्द लखनऊ और प्रयागराज की उड़ानें शुरू होंगी। मंगलवार को सफदरजंग स्थित भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के कार्यालय राजीव गांधी भवन में हुई बैठक में एयरलाइंस कंपनियों से दिवाली से पहले इन दोनों शहरों के लिए प्रस्ताव मांगे गए हैं। गाजियाबाद के सांसद एवं हिंडन सिविल टर्मिनल विमानपत्तन सलाहकार समिति के अध्यक्ष अतुल गर्ग की अध्यक्षता में बैठक

हुई। एएआई के ऑपरेशन हेड शरद कुमार ने सबसे पहले इस साल हिंडन से व्यावसायिक उड़ानों की शुरुआत और इंफ्रास्ट्रक्चर व यात्री सुविधाओं में हुई बढ़ोतरी के बारे में जानकारी दी। सांसद ने कहा कि हिंडन एयरपोर्ट एनसीआर के यात्रियों पसंद बन चुका है। उन्होंने लखनऊ और प्रयागराज के लिए उड़ानें शुरू करने का अनुरोध किया। शरद कुमार ने सभी विमानन कंपनियों से आग्रह किया कि दिवाली से पूर्व लखनऊ और प्रयागराज के लिए प्रस्ताव दें। जमीन को लेकर की बात - सांसद ने यह बताया कि एयरपोर्ट विस्तार के लिए नौ एकड़ जमीन चाहिए। जिलाधिकारी ने जानकारी दी है कि यह जमीन सिंचाई विभाग के अधीन है। सिंचाई विभाग ने 1967 में ही जमीन का अधिग्रहण कर लिया था। मुआवजे को लेकर विवाद है। जल्द ही इस विवाद को निस्तारित कराने को कहा गया है। हिंडन एयरपोर्ट पर एक ही पार्किंग होने से अक्सर अव्यवस्था होती है और एक विमान के रुकते ही तीन से चार उड़ाने प्रभावित हो जाती हैं। अतुल गर्ग ने बताया कि बैठक में वायुसेना अधिकारियों ने पार्किंग को लेकर न तो इनकार किया।

मॉल के टॉयलेट में मुंह दबाकर बीएससी की छात्रा से रेप, धमकी भी दी

गाजियाबाद , एजेंसी। गाजियाबाद के नगर कोतवाली क्षेत्र में बीएससी की छात्रा से दोस्त द्वारा दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। छात्रा के मुताबिक आरोपी उसे मूवी दिखाने मॉल में ले गया। वहां नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर शौचालय में उसके साथ रेप किया। विरोध करने पर उसने अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी दी। पुलिस का कहना है कि आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। विजयनगर थानाक्षेत्र में रहने वाली पीड़िता का कहना है कि उत्तराखंड के एक विश्वविद्यालय में बीएससी तृतीय वर्षीय की छात्रा है। वह जून 2025 में विजयनगर थानाक्षेत्र में ही रहने वाले अपने ताऊ के घर आई थी। छात्रा के मुताबिक राकेश मार्ग निवासी आयुष उसका अच्छा दोस्त था। वह उसके साथ आठ जून 2025 को नगर कोतवाली क्षेत्र में स्थित एक मॉल में मूवी देखने गई थी। मूवी की टिकट आयुष ने ऑनलाइन बुक की थी, लेकिन सात जून की शाम 7.40 बजे ही उसने अपने टिकट के 200 रुपये ऑनाइन भेज दिए थे। छात्रा का कहना है कि मॉल के सिनेमाघर में जाने से पहले आयुष ने उसे कोल्डड्रिंक पीने को दी। उसे पीते ही वह बेसुध होने लगी। उल्टी आने का अहसास होने लगा तो वह मॉल की पहली मंजिल पर बने शौचालय में चली गई। आरोप है कि पीछे से आयुष आ धमका और मुंह बंद करके उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। छात्रा का कहना है कि उसने विरोध करने का काफी प्रयास किया, लेकिन नशीला पदार्थ और बेसुध होने के कारण वह कुछ नहीं कर सकी। पीड़िता के मुताबिक आयुष ने कहा कि उसके पास उसके अश्लील फोटो-वीडियो हैं। अगर किसी को बताया तो वह उन्हें वायरल कर देगा। पीड़िता का कहना है कि आयुष ने उसे ब्लैकमेल करते हुए रुपये की मांग भी शुरू कर दी। चांदी का सिक्का,पर्स और बेल्ट भी दबाव देकर ले ली। छात्रा का कहना है कि आयुष की धमकी से वह गुमसुम रहने लगी। मानसिक अवसाद का इलाज भी कराया। हालत बिगड़ने पर मां ने पूछा तो उसने सारी बात बता दी। इसके बाद माता-पिता ने आयुष के परिजनों से संपर्क किया तो उन्होंने अपना रसूख दिखाते हुए उन्हें दबाव में लेने की कोशिश किया। मामला रफा-दफा करने के लिए पैसे देने का भी प्रयास किया। इसके बाद उन्होंने आयुष को चेन्नई भेज दिया।

सड़क पर स्टंट और तलवार से काटा केक

15 युवक अरेस्ट; हाईकोर्ट बोला- गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं

बिलासपुर, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने राष्ट्रीय राजमार्गों और सार्वजनिक सड़कों पर लगातार हो रहे स्टंट, गुंडागर्दी और तलवार से केक काटकर जन्मदिन मनाने जैसी घटनाओं पर कड़ा रुख अपनाया है। हाईकोर्ट ने साफ कहा कि सड़क पर गुंडागर्दी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बी.डी. गुरु की खंडपीठ ने राज्य सरकार और पुलिस को कड़ी चेतावनी देते हुए दोषियों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने तक की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

9 नाबालिग सहित 15 युवक हिरासत में लिए गए: हाईकोर्ट को बताया गया कि रायपुर के खरोरा क्षेत्र में युवकों ने हाइवे पर पटाखे जलाते हुए केक काटा, वहीं बिलासपुर रतनपुर बायपास

रोड पर कुछ लड़कों ने तलवार से केक काटकर जन्मदिन मनाया था। इस दौरान ट्रैफिक जाम और दहशत का माहौल बना। पुलिस ने बिलासपुर की घटना में 15 युवकों को हिरासत में लिया है, जिनमें 9 नाबालिग हैं। तलवार और वाहन जब्त कर बीएनएस की धारा 126(2), 191(2) और आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत केस दर्ज किया गया है। हाई कोर्ट ने बिलासपुर के पुलिस अधीक्षक और रायपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिया कि वे स्टंट ड्राइविंग और सड़क पर उपद्रव रोकने के लिए अपनाए गए निवारक कदम, जागरूकता अभियान और अब तक हुई कार्रवाई का विस्तृत हलफनामा पेश करने का आदेश दिया है। साथ ही कोर्ट कहा कि जब्त सभी वाहन कोर्ट की अनुमति के बिना किसी हालत में रिहा नहीं किए जाएंगे और दोषियों के लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की जानकारी भी पेश करनी होगी।

हाईकोर्ट ने इससे पहले बिलासपुर के मस्तूरी रोड पर कार चालकों के खतरनाक स्टंट पर स्वतः संज्ञान लिया था। ग्राम लावर स्थित एक फार्म हाउस में जन्मदिन मनाने जा रहे कुछ युवक मस्तूरी रोड पर अपनी चलती कारों में स्टंटबाजी कर रहे थे। लापरवाही से कार चलाकर राहगीरों की जान जोखिम में डाल रहे थे। इन लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक-49 पर यातायात जाम की स्थिति भी पैदा कर दी थी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस मामले में पुलिस ने 18 कारों को जब्त किया था। कारों में पाए गए व्यक्तियों पर कार्रवाई भी की गई थी।

अयोध्या सपा सांसद अवधेश प्रसाद ही करने लगे योगी से बुलडोजर चलाने की मांग

अयोध्या , एजेंसी।
उत्तर प्रदेश के अयोध्या में पुलिस चौकी क्षेत्र में सेक्स रैकेट के खुलासे से सियासत गरमा गई है। सपा के सांसद अवधेश प्रसाद ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम की मर्यादा की धरती अयोध्या इस प्रकरण से कलंकित हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि फतेहगंज चौकी से चंद मीटर की दूरी पर पुलिस के संरक्षण में चकलाघर संचालित हो रहा था, लेकिन उच्चाधिकारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। सांसद ने योगी सरकार से मांग की कि जिस मकान में यह रैकेट चल रहा था, उस पर बुलडोजर चलाया जाए और अब तक इस अवैध धंधे में मिलीभगत रखने वाले

चौकी प्रभारियों पर कठोर कार्रवाई हो।

अवधेश प्रसाद ने चेतावनी दी कि यदि कठोर कदम नहीं उठाए गए तो वे इस मुद्दे को लोकसभा में उठाएंगे। उन्होंने बुधवार को सिविल लाइन स्थित एक होटल में आयोजित बैठक के दौरान ये बातें कहीं। इस मौके पर सपा जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव, बख्तियार खान, कुंवर बहादुर सिंह, रामजी पाल और शावेज जाफरी भी मौजूद रहे। सांसद ने बताया कि यह चकलाघर खीर गली मोहल्ले में संचालित किया जा रहा था। हैरानी की बात है कि इसके ठीक बगल में मां संतोषी का मंदिर और एक मस्जिद भी स्थित है। उन्होंने कहा कि इस अवैध गतिविधि ने पूरे मोहल्ले के सामाजिक माहौल को दूषित कर दिया है। युवाओं और युवतियों की शादियों में दिक्कतें आ रही हैं, कई बेटियों के रिश्ते टूट गए। अवधेश प्रसाद ने आरोप लगाया कि चकलाघर संचालक का मोहल्ले में आतंक था। यदि कोई शिकायत करता तो उसे पुलिस के माध्यम से उत्पीड़न की धमकी दिलाई जाती थी।

हिमाचल से विदा हुआ मानसून, एक हफ्ते तक खिलेगी धूप

454 लोगों की गई जान, 50 लापता

शिमला, एजेंसी।
कहर बरपाने के बाद आखिरकार हिमाचल प्रदेश से दक्षिण-पश्चिम मानसून विदा हो गया है। मौसम विज्ञान केंद्र ने बताया कि बुधवार को चंबा, कांगड़ा, ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, सोलन, सिरमौर, मंडी जिलों सहित शिमला और कुल्लू के अधिकांश हिस्सों तथा लाहौल-स्पीति के कुछ भागों से मानसून पूरी तरह लौट गया। आने वाले 2 से 3 दिनों में प्रदेश के शेष हिस्सों से भी मानसून विदा हो जाएगा। विभाग ने अनुमान जताया है कि अब 30 सितम्बर तक पूरे राज्य में मौसम साफ रहेगा और लोगों को गुनगुनी धूप का आनंद मिलेगा। बीते 24 घंटों में प्रदेश में कहीं भी वर्षा दर्ज नहीं हुई है।

इस साल मानसून 20 जून को हिमाचल पहुँचा था और सामान्य से अधिक बारिश दर्ज की गई। प्रदेश से मानसून की सामान्य विदाई तिथि 25 सितम्बर होती है, लेकिन पिछले दस वर्षों में केवल तीन बार ही सितंबर में विदाई हुई है। वर्ष 2022 में मानसून 3 अक्टूबर, 2023 में 6 अक्टूबर और 2024 में 2 अक्टूबर को विदा हुआ था। इस बार यह सामान्य से पहले लौट गया है।

हालांकि यह मानसून हिमाचल के लिए भारी तबाही लेकर आया। राज्य आपदा प्रबंधन केंद्र के अनुसार अब तक 454 लोगों की मौत हो चुकी है और 50 लोग अभी भी लापता हैं। मृतकों में सर्वाधिक 68 लोग चंबा जिले में, मंडी में 67, कांगड़ा में 57, कुल्लू में 49, शिमला में 48, सोलन में 32, किन्नौर में 30, ऊना में 29, बिलासपुर में 24, सिरमौर में 23, हमीरपुर में 17 और लाहौल-स्पीति में 10 लोगों की जान गई। लापता लोगों में सबसे ज्यादा 30 मंडी से हैं, जबकि चंबा से 5, सिरमौर से 4, शिमला और किन्नौर से 3-3, कुल्लू और कांगड़ा से 2-2 और लाहौल-स्पीति से एक व्यक्ति लापता है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

जीएसटी से उपभोक्ताओं, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम स्तर के उद्योगों को राहत मिलने की उम्मीद

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधार सोमवार से लागू हो गए। इसके बाद कई आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं पर कर दरों में कटौती से आम लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। माना जा रहा है कि इससे स्थानीय विनिर्माण आधार को भी मजबूती मिलेगी तथा बचत, निवेश और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। इसमें दोराय नहीं कि वर्ष 2017 में शुरू हुए जीएसटी के सफर में सुधारों का यह महत्त्वपूर्ण पड़ाव है। इससे न केवल उपभोक्ताओं, बल्कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम स्तर के उद्योगों को भी राहत मिलने की बात की जा रही है। मगर, सवाल यह है कि क्या करों में कटौती का सीधा और तत्काल लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंच पाएगा? हालांकि, सरकार का दावा है कि यह सुनिश्चित करने के लिए माकूल व्यवस्था की जा रही है, लेकिन यह भी सच है कि करों में कटौती के प्रभाव को लेकर आम उपभोक्ताओं के पिछले अनुभव संतोषजनक नहीं रहे हैं। ऐसे में देखना होगा कि मौजूदा कर सुधार उम्मीदों की कसौटी पर कितने खरे उतर पाते हैं। जीएसटी सुधारों की एक खास बात यह है कि अब इसमें मुख्य रूप से पांच फीसद और अठारह फीसद की सिर्फ दो श्रेणियां रखी गई हैं। इसके तहत कई आवश्यक वस्तुओं एवं सेवाओं पर कर की दर घटाकर पांच फीसद या शून्य कर दी गई है। जीवन रक्षक दवाएं, जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा अब कर-मुक्त हो गए हैं। खेती-किसानी के लिए जरूरी कृषि उपकरणों पर कर दरों को भी तर्कसंगत बनाया गया है। सरकार का मानना है कि जीएसटी की दरों में कमी से किराने और रोजमर्रा की जरूरत की वस्तुओं के खर्च में करीब तेरह फीसद की बचत होगी, जबकि शिक्षा से जुड़ी सामग्री, कपड़े, जूते और दवाइयों की खरीद पर 7-12 फीसद की बचत का अनुमान है। कम कर, कम कीमतें और सरल नियमों का मतलब है बेहतर बिक्री, कम अनुपालन बोझ और अवसरों में वृद्धि होगी। इससे छोटे उद्योगों, व्यापारियों और दुकानदारों को भी कारोबार में आसानी होने की उम्मीद है। चूंकि, ये कर सुधार त्योहारों की शुरूआत पर नवरात्रि के पहले दिन लागू हुए हैं, इसलिए सरकार की ओर से इन्हें 'जीएसटी बचत उत्सव' के नाम से प्रचारित किया जा रहा है। मगर उपभोक्ता के लिए असली उत्सव तब होगा, जब वास्तव में उन्हें कर छूट का सीधा लाभ मिलेगा। एक बड़ी समस्या यह भी है कि जिन कंपनियों के पास पहले से तैयार सामान का भंडार है, क्या वे उस पर दाम कम करेंगी। हालांकि, सरकार की ओर से इसके लिए दिशा-निर्देश बनाए गए हैं, लेकिन आम उपभोक्ताओं का एक वर्ग अब भी भ्रम की स्थिति में है। जीएसटी दरों में कटौती का एक मकसद भारत पर अमेरिका की ओर से लगाए गए पचास फीसद शुल्क के प्रभाव को कम करना भी है। आर्थिक विशेषज्ञ भी इस बात से सहमत हैं कि करों में कमी से लोगों की बचत में इजाफा होगा और उनकी खरीद क्षमता बढ़ेगी, जिसके परिणामस्वरूप देश में वस्तुओं की खपत भी बढ़ेगी। करों में राहत के साथ-साथ स्वदेशी उत्पादों को तरजीह देने और देश में उनकी खपत को बढ़ाने का मसला भी अहम है। बाजार में विदेशी सामान की चमक-दमक उपभोक्ताओं को अपनी ओर आकर्षित करती है। सरकार की ओर से उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए योजनाएं शुरू की गई हैं, लेकिन इन्हें व्यापक बनाने की जरूरत है। तभी आयात पर निर्भरता कम होकर आत्मनिर्भर भारत का सपना साकार हो पाएगा।

डॉ. गुरु पासवान जैसे प्रवक्ताओं के उदाहरण को सामने रखना चाहिए, जो अपनी मेहनत और ज्ञान के दम पर सम्मान अर्जित करते हैं। अंत में, राजद को अपनी प्रवक्ताओं की इस तरह की हरकतों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। जनता अब ऐसी राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी जो तथ्यों के बजाय शोर-शराबे और अपशब्दों पर टिकी हो। इन प्रवक्ताओं को अपनी गलतियों से सबक लेना होगा और राजनीतिक चर्चा को एक सभ्य और तार्किक स्तर पर लाना होगा। अगर राजद इस दिशा में कदम नहीं उठाता, तो उसकी छवि को और नुकसान होने का खतरा है। यह समय है कि पार्टी अपने प्रवक्ताओं को न केवल प्रशिक्षित करे, बल्कि उन्हें यह भी समझाए कि राजनीति का असली मकसद जनता की सेवा करना है।

राजद प्रवक्ताओं का टीवी डिबेट्स में व्यवहार- लोकतंत्र की गरिमा पर सवाल

(आशीष कुमार 'अंशु')

राजद प्रवक्ताओं की सबसे बड़ी कमी उनकी तथ्यहीनता और तैयारी की कमी है। जब उनसे तथ्य और आंकड़े मांगे जाते हैं, तो वे या तो विषय बदल देती हैं या फिर चीख-चिल्लाकर माहौल को तनावपूर्ण बनाने की कोशिश करती हैं। हाल के दिनों में, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की प्रवक्ताओं-कंचना यादव, सारिका पासवान और प्रियंका भारती-के टीवी डिबेट्स में अभद्र व्यवहार और अपशब्दों से भरे वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। इन प्रवक्ताओं का आचरण न केवल राजनीतिक चर्चा के स्तर को नीचे लाता है, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की गरिमा को भी ठेस पहुंचाता है। न्यूज चैनलों पर होने वाली पैनल चर्चाओं में ये प्रवक्ता तथ्यों और तर्कों के बजाय व्यक्तिगत हमलों, अपशब्दों और प्रोपेगेंडा का सहारा लेती नजर आ रही हैं। इस तरह की हरकतों की कड़ी आलोचना हो रही है, और जनता के बीच इनके प्रति गुस्सा और निराशा साफ देखी जा सकती है। इन वायरल वीडियो में कंचना यादव, सारिका पासवान और प्रियंका भारती का अन्य पैनलिस्टों के साथ व्यवहार निंदनीय रहा है। ये प्रवक्ता अक्सर चर्चा के दौरान विषय से भटककर व्यक्तिगत टिप्पणियां करती हैं और विरोधी पक्ष के तर्कों को सुनने की बजाय चीख-चिल्लाकर अपनी बात मनवाने की कोशिश करती हैं। उदाहरण के लिए, हाल ही में एक प्रमुख न्यूज चैनल पर आयोजित डिबेट में कंचना यादव ने एक पैनलिस्ट को अपशब्द कहते हुए उनकी योग्यता पर सवाल उठाया। यह व्यवहार न केवल असभ्य था, बल्कि यह भी दर्शाता है कि वे तथ्यपरक चर्चा में हिस्सा लेने के बजाय माहौल को विषाक्त करने में अधिक रुचि रखती हैं। इसी तरह, सारिका पासवान ने एक अन्य चर्चा में बिना किसी तथ्य के विपक्षी दलों पर कीचड़ उछालने की कोशिश की, जिसका कोई ठोस आधार नहीं था। प्रियंका भारती ने भी एक डिबेट में तर्कों को नजरअंदाज करते हुए भावनात्मक प्रोपेगेंडा और महिला व पिछड़ा कार्ड खेलने की कोशिश की, जो उनकी कमजोर तैयारी को उजागर करता है। यह विशेष रूप से शर्मनाक है कि ये प्रवक्ता अपनी कमजोरियों को छिपाने के लिए बार-बार महिला और पिछड़ा होने का कार्ड खेलती हैं। यह रणनीति न केवल पुरानी और घिसी-पिटी हो चुकी है, बल्कि यह समाज के उन लोगों का भी अपमान करती है जो वास्तव में अपने समुदाय के लिए संघर्ष करते हैं। अगर इन प्रवक्ताओं को वंचित वर्ग से आने वाले किसी व्यक्ति से प्रेरणा लेनी है, तो उन्हें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता डॉ. गुरु पासवान को देखना चाहिए। डॉ. पासवान, जो स्वयं एक वंचित समाज से आते हैं, अपनी हर बात को तथ्यों और तर्कों के साथ पेश करते हैं। वह किसी भी प्रश्न से पीछे नहीं हटते और न ही व्यक्तिगत हमलों का सहारा लेते। उनकी पढ़ाई-लिखाई, गहन विषय-ज्ञान और शालीनता उन्हें एक प्रभावी वक्ता बनाती है। उनकी तार्किक क्षमता और व्यवहार इस बात का प्रमाण है कि सामाजिक पृष्ठभूमि कोई बहाना नहीं होनी चाहिए; मेहनत, ज्ञान और सभ्यता ही असली ताकत हैं। क्या राजद की प्रवक्ताएं उनसे कुछ नहीं सीख सकतीं? राजद प्रवक्ताओं की सबसे बड़ी कमी उनकी तथ्यहीनता और तैयारी की कमी है। जब उनसे तथ्य और आंकड़े मांगे जाते हैं, तो वे या तो विषय बदल देती हैं या फिर चीख-चिल्लाकर माहौल को तनावपूर्ण बनाने की कोशिश करती हैं। उदाहरण के लिए, एक हालिया डिबेट में जब कंचना यादव से बिहार में राजद शासन के दौरान शिक्षा और रोजगार के आंकड़ों पर सवाल किया गया, तो उन्होंने जवाब देने के बजाय विपक्षी पैनलिस्ट पर व्यक्तिगत टिप्पणी की। यह व्यवहार न केवल उनकी अक्षमता को उजागर करता है, बल्कि यह भी दिखाता है कि वे जनता के असल मुद्दों से कितनी दूर हैं। इसी तरह, सारिका पासवान ने एक अन्य चर्चा में बिहार में अपराध दर के आंकड़ों पर सवाल उठाए जाने पर तथ्यों के बजाय विपक्षी दलों पर अनर्गल आरोप लगाए। प्रियंका भारती भी अक्सर तथ्यों के अभाव में भावनात्मक अपील का सहारा लेती हैं, जो उनकी कमजोर तैयारी को और उजागर करता है। सोशल मीडिया पर इन वीडियो को देखकर जनता का गुस्सा साफ झलकता है। लोग इन प्रवक्ताओं की तुलना उन नेताओं और प्रवक्ताओं से कर रहे हैं जो तथ्यों और तर्कों के साथ अपनी बात रखते हैं। ट्विटर और फेसबुक जैसे मंचों पर यूजर्स ने इन प्रवक्ताओं के व्यवहार को 'शर्मनाक' और 'असभ्य' करार दिया है। एक यूजर ने लिखा, 'राजद की प्रवक्ताएं तथ्यों के बजाय चीख-चिल्लाकर अपनी बात मनवाने की कोशिश करती हैं। यह राजनीति नहीं, नौटंकी है।' एक अन्य यूजर ने सवाल उठाया, 'क्या राजद के पास ऐसे प्रवक्ता नहीं हैं जो तर्क और तथ्यों के साथ अपनी बात रख सकें?' यह जनता की निराशा और गुस्से का स्पष्ट संकेत है। यह समय है कि राजद अपनी प्रवक्ताओं को प्रशिक्षित करे और उन्हें समझाए कि राजनीतिक चर्चा का मकसद प्रोपेगेंडा फैलाना नहीं, बल्कि जनता को सच्चाई से अवगत कराना है। इन प्रवक्ताओं को यह समझना होगा कि अपशब्द और अभद्रता उनकी कमजोरियों को और उजागर करती है। अगर वे डॉ. गुरु पासवान जैसे प्रवक्ताओं से प्रेरणा लें, तो शायद वे अपनी विश्वसनीयता को बचा सकें। डॉ. पासवान का उदाहरण इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वे न केवल अपनी सामाजिक पृष्ठभूमि का सकारात्मक उपयोग करते हैं, बल्कि अपनी तार्किक क्षमता और गहन ज्ञान के साथ हर चर्चा में प्रभाव छोड़ते हैं। उनकी शालीनता और तथ्यपरकता राजद की प्रवक्ताओं के लिए एक सबक हो सकती है। राजद को यह भी समझना होगा कि टीवी डिबेट्स और सोशल मीडिया के इस युग में जनता की नजरें हर बात पर हैं। लोग अब उन नेताओं और प्रवक्ताओं को महत्व देते हैं जो तथ्यों और तर्कों के साथ अपनी बात रखते हैं। अगर राजद अपनी छवि को सुधारना चाहता है, तो उसे अपनी प्रवक्ताओं को तथ्यपरक और सभ्य व्यवहार के लिए प्रशिक्षित करना होगा। इसके लिए पार्टी को निम्नलिखित कदम उठाने चाहिए- - प्रशिक्षण और कार्यशालाएं- राजद को अपने प्रवक्ताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने चाहिए, जिसमें उन्हें तथ्यपरक चर्चा, डिबेट की कला और शालीनता सिखाई जाए। तथ्यों पर जोर- प्रवक्ताओं को हर चर्चा के लिए अच्छी तरह तैयार करना चाहिए, जिसमें आंकड़े, तथ्य और नीतिगत जानकारी शामिल हो। इससे वे व्यक्तिगत हमलों और अपशब्दों से बच सकेंगी। सभ्यता और नैतिकता- प्रवक्ताओं को यह समझाना होगा कि अपशब्द और अभद्रता उनकी विश्वसनीयता को कम करती है। सभ्य और तार्किक व्यवहार ही जनता का विश्वास जीत सकता है।

न्याय की रीढ़ पर वार- क्यों जरूरी है अधिवक्ता संरक्षण कानून

(पवन शुक्ला)

17 सितंबर की वाराणसी घटना के बाद 20 सितंबर 2025 को विधान परिषद सदस्य अशुतोष सिन्हा ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम को तत्काल लागू करने की माँग की। उन्होंने कहा कि यदि सरकार अब भी ठोस कदम नहीं उठाती तो अधिवक्ता समाज का धैर्य टूट जाएगा। अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम की माँग उत्तर प्रदेश में लगातार तेज़ हो रही है। हापुड़ से वाराणसी तक हुई घटनाओं ने वकीलों की असुरक्षा को उजागर किया है। विधि आयोग और बार काउंसिल अपनी सिफ़ारिशें सरकार को दे चुके हैं। अब ज़रूरत है कि विधानमंडल तुरंत अधिनियम लागू कर न्यायपालिका की रीढ़ को मज़बूती दे। लोकतंत्र के तीसरे स्तंभ के रूप में वकील समाज का अभिन्न हिस्सा है। अदालत की चौखट पर जब आम नागरिक न्याय की उम्मीद लेकर पहुँचता है, तो उसका सबसे बड़ा सहारा अधिवक्ता ही होता है। अधिवक्ता न केवल अपने मुवक्किल का पक्ष रखते हैं, बल्कि न्यायपालिका और जनसाधारण के बीच एक सशक्त सेतु का कार्य करते हैं। किंतु दुखद है कि जो वर्ग कानून और व्यवस्था की रक्षा करता है, वही आज खुद असुरक्षित है। अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम की शुरुआत जुलाई 2021 में हुई, जब बार काउंसिल ऑफ इंडिया ने इसका मसौदा प्रस्तुत किया। इसमें अधिवक्ताओं को हिंसा, धमकी और उत्पीड़न से बचाने के लिए कानूनी सुरक्षा के ठोस प्रावधान रखे गए। 2022 में संसद की स्थायी समिति ने मसौदे की समीक्षा कर संशोधनों की सिफारिश की। इसके बाद मार्च 2023 में राजस्थान पहला राज्य बना जिसने यह अधिनियम पारित कर अधिवक्ताओं को सुरक्षा का कवच दिया और अन्य राज्यों में भी उम्मीद जगाई। उत्तर प्रदेश में यह माँग 29 अगस्त 2023 की हापुड़ घटना के बाद और तीव्र हो गई। उस दिन पुलिस ने न्यायालय परिसर में निहत्थे अधिवक्ताओं पर बेरहमी से लाठीचार्ज किया। न्याय की रक्षा करने वाले स्वयं न्यायालय परिसर में ही अपमानित और घायल किए गए। यह दृश्य पूरे प्रदेश की बार एसोसिएशनों को झकझोर गया और अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम की माँग को और प्रबल बना दिया। इसके विरोध में 4 सितंबर 2023 को उत्तर प्रदेश बार काउंसिल ने तीन-दिवसीय हड़ताल की घोषणा की और अदालतों में कामकाज ठप हो गया। हापुड़ घटना के बाद 5 सितंबर 2023 को योगी सरकार ने तीन सदस्यीय समिति का गठन किया। इस समिति का दायित्व था कि वह अधिवक्ताओं से सुझाव लेकर एक प्रारंभिक रिपोर्ट तैयार करे और सरकार को अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू करने के संबंध में ठोस दिशा-निर्देश दे। 9 सितंबर 2023 को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने अधिवक्ताओं की समस्याओं को देखते हुए एक न्यायिक समिति गठित की। समिति को 16 सितंबर से बैठकें शुरू करने का निर्देश दिया गया। अधिवक्ताओं ने पुलिस की बढ़ती दखलअंदाजी, मनमानी गिरफ्तारी और सुरक्षा की कमी की शिकायतें कीं। सितंबर के अंत तक 40 से अधिक शिकायतें मिलीं। अक्टूबर 2023 में अंतरिम रिपोर्ट में अधिवक्ताओं पर हमले को न्यायिक कार्यवाही में गंभीर बाधा बताया गया। इसके बाद उत्तर प्रदेश बार काउंसिल ने भी अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम का मसौदा तैयार कर राज्य विधि आयोग को सौंपा। विधि आयोग ने नवंबर 2023 में अपनी सिफारिशें दीं, जिनमें अदालत परिसरों में सीसीटीवी कैमरे लगाने, अधिवक्ताओं को सुरक्षित और पक्के चैंबर उपलब्ध कराने, सामूहिक बीमा योजना लागू करने और महामारी जैसी आपात परिस्थितियों में उन्हें न्यूनतम पंद्रह हजार रुपये मासिक आर्थिक सहायता देने का सुझाव शामिल था।

सुडोकू पहेली क्रमांक-5864

	5				4		6	
3				6	8	2		
4	6			9				1
					1		4	
	3	4		5		7	2	
	9		2					
6				8			7	9
		9	3	2				8
	7		9				5	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5863

3	2	6	8	4	5	1	7	9
4	8	7	6	1	9	5	2	3
9	1	5	7	2	3	6	8	4
7	9	2	5	6	8	4	3	1
6	4	8	3	9	1	7	5	2
1	5	3	4	7	2	8	9	6
2	6	1	9	5	7	3	4	8
8	7	4	2	3	6	9	1	5
5	3	9	1	8	4	2	6	7

वर्ग पहेली 5864

संकेतः बाएं से दाएं

1. भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री ने 1948 को संयुक्त राष्ट्र संघ में अपना पहला भाषण दिया (6)
7. सुगंध, खुशबू, महक (3)
8. नितांत, बिल्कुल (4)
10. पति-पत्नी का कानूनी रूप से संबंध विच्छेद (3)
11. नतीजा, परिणाम (2)
12. मेघ, घटा (3)
14. अत्यधिक घुंटा, कचूमर, चोखा (3)
15. नौका, आदेश पत्र (3)
17. लाकर उपस्थित करना, ले आना (2)
18. पथ, मार्ग, रास्ता (2)
19. नेत्र, आंख, नयन (2)
20. तौल की एक सूक्ष्म इकाई जो एक तौला का बारहवां हिस्सा होती है (2)
22. मुग्ध होना, प्रसन्न होना (3)
25. सहानुभूति करने वाला, दुख-दर्द का साथी (4)

ऊपर से नीचे

1. माता दुर्गा के नामों में से एक, शारदा (4)
2. बायां, चंद्रमा के रथ के एक घोड़े का नाम (2)
3. किसी का हक या अधिकार मारा जाना, स्वत्वहानि (5)
4. काबिल, योग्य (3)
5. भाग्य (अंग्रेजी)(2)
6. आसानी, सहजता, सुगमता (4)
9. संपूर्ण यात्रा का वृतांत (5)
13. आम का एक प्रकार (4)
14. नेक, शिष्ट, कल्याणकारी (2)
16. संगीत में ताल के अनुसार शरीर के अंगों को संचालित करना, नृत्य करना (3)
21. चेला, शिष्य, जॉय मुखर्जी, सायरा बानों, आई.एस.जौहर आदि की भूमिकाओं वाली सफल फिल्म (3)
23. तुरंत, जल्दी से (2)
24. आकाश, गगन, नभ, आसमान (2)

वर्ग पहेली 5863 का हल

अ	रू	ण	शौ	री		प	र्थ
मा	ह		क	ज	रा	रा	
न		रे		न	त		वा
वी	र		सु		औ	ला	द
य	ज	मा	न		र	म	क
	ब	न	ने		दि		
य				म	न	मौ	जी
श	कु	नि		घा		का	जी

आज का राशिफल

मेष
आज का दिन बेहद खास रहने वाला है। नवरात्रि के तीसरे दिन आपको भाग्य का पूरा साथ मिलने वाला है। जीवन में लंबे समय से चल रही आर्थिक परेशानियों से भी आज के दिन आपको राहत मिलेगी। मां चंद्रघंटा की कृपा से आप सभी बाधाओं को आसानी से पार कर लेंगे। आज के दिन आपको लाभकारी परिणाम देने वाली यात्रा पर जाने का योग भी बन रहा है।

वृष
आज परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम के आयोजन की संकेत नजर आ रहे हैं। आज के दिन आपको अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने पर ध्यान देना होगा। आपके लिए आवश्यक और स्थायी उपयोग की वस्तुओं की खरीदारी से लाभ प्राप्त होगा। बुधवार शाम के समय किसी विशेष मेहमान के आगमन की संभावना बन रही है। आपका खर्च बढ़ सकता है।

मिथुन
आज का दिन परेशानी से भरा रह सकता है। पिछले कुछ समय से कारोबार में चल रही अस्थिरता आपको परेशान कर सकती है। व्यापार या नौकरी में स्थायी सुधार और सफलता के लिए आपको आलस्य का त्याग करना पड़ेगा। इसके साथ ही अधिक आराम की आदतों से भी पीछा छुड़ाना पड़ेगा।

तुला
आज का दिन मेहनत और भागदौड़ से भरा रहने वाला है। हालांकि इसके बावजूद भी आज आप जो प्रयास करेंगे इसके नतीजे आपके लिए लाभदायक सिद्ध होंगे। आज के दिन आपकी राशि के स्वामी अपने घर में आ रहे हैं और सूर्य के साथ होने के कारण परिस्थितियां थोड़ी तप्त और चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं।

वृश्चिक
आज अचानक शुभ समाचार प्राप्त होगा। इस दिन आपको अपने कार्य क्षेत्र में तनाव का सामना करना पड़ सकता है। अच्छा होगी की आप इसे अपने ऊपर हावी न होने दें और संयम बनाए रखें। बनते बिगड़ते हालात के बीच आपको अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। इसके साथ ही आपको पुराने विवाद और झगड़ों से भी छुटकारा मिलता दिख रहा है। अधिकारियों वर्ग से आपको पूरा सहयोग मिलेगा।

धनु
आज जातकों के लिए नवरात्रि का तीसरा दिन मानसिक तनाव और चिंता से भरा रहने वाला है। शुक्र की स्थिति के कारण कुछ परेशानियों से आपको दो-दो हाथ करना पड़ सकता है, जबकि कई समस्याएं आप अपनी अदूरदर्शिता और नकारात्मक सोच से खड़ी कर लेंगे। सामाजिक और व्यावसायिक जीवन में विरोधी आपको घेरना का प्रयास करेंगे जरूर करेंगे।

कर्क
आज दिन तेजी से आगे बढ़ने का है। नवरात्रि का तीसरा दिन आपके लिए बेहद शुभ साबित होने वाला है। आज के दिन आपकी अप्रत्याशित तरक्की देखकर लोग हैरान रह जाएंगे। यहां तक कि आप खुद की नजर भी आपकी उपलब्धियों पर लग सकती है। इस समय जीवन में हो रही प्रगति की रफ्तार को बनाए रखने पर आपको ध्यान देना होगा।

सिंह
आज पारिवारिक जिम्मेदारियों से भरा रह सकता है। परिवार के लोगों के प्रति आपका लगाव आपको आज थोड़ा परेशान कर सकता है। किसी भाई या बहन की चिंता या देखभाल में आपका पूरा समय व्यतीत होने की संभावना बन रही है। । परिजनों की सहमति से स्थान परिवर्तन या यात्रा पर जाने का प्लान भी बन सकता है।

कन्या
मीन राशि के जातकों को देवगुरु बृहस्पति की कृपा से उन्नति के कई अवसर मिलेंगे। आज के दिन अध्ययन तथा अध्यात्म में आपकी रुचि बढ़ेगी। विवादास्पद मामलों के समाधान से मन को शांति मिलेगी। हालांकि आपको गुप्त शत्रुओं और ईर्ष्यालु साथियों से सावधान रहने की जरूरत है।

मकर
आज दिन नए अवसर लेकर आ रहा है। आज के दिन आपको किसी नए संपर्क से लाभ प्राप्त होने की संभावना भी उत्पन्न हो रही है। आपका रुका हुआ धन आज आपको मिल सकता है, बल्कि इसके लिए आपको थोड़ी अधिक कोशिश करनी पड़ेगी। रोजमर्रा के कार्यों में लापरवाही आपकी परेशानी में डाल सकती है। आज के दिन व्यवसाय में प्रगति से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा।

कुंभ
आज का दिन लाभ कमाने का दिन है। आज उच्च अधिकारी वर्ग के लोग आपके काम आएंगे और विकास में मददगार साबित होंगे। आयात-निर्यात जैसे व्यवसाय शुरू करने का आप निर्णय ले सकते हैं। इसके साथ ही अध्यात्म और धर्म के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। इस दिन यात्रा और मंगलोत्सव का शुभ संयोग भी बन रहा है। समय के सदुपयोग से आपके सितारे बुलंद होंगे और जीवन में नए अवसर प्राप्त होंगे।

मीन
आज मान-सम्मान को बढ़ाने वाला होगा। सामाजिक और धार्मिक कार्यों में सक्रिय भागीदारी से आपका सम्मान बढ़ेगा। ग्रहों की चाल से आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। क्रय-विक्रय जैसे व्यवसायों में आज आपको लाभ मिलने की संभावना है। दिन भर शुभ समाचार प्राप्त होते रहेंगे। व्यर्थ के झंझटों से दूर रहना आपके लिए बेहतर होगा।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- **साकेत अम्बष्ट** फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, **RNI-BIHHIN/1998/03009**

वेस्टइंडीज सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान करुण को नहीं मिली जगह, जडेजा बने उपकप्तान

मुंबई, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को भारतीय टीम का एलान हो गया है। भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की अगुआई में उतरेगी, जबकि रवींद्र जडेजा उपकप्तान होंगे। वेस्टइंडीज के खिलाफ अगले महीने होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए गुरुवार को भारतीय टीम का एलान हो गया है। भारतीय टीम इस सीरीज में शुभमन गिल की कप्तानी में खेलने उतरेगी, जबकि रवींद्र जडेजा को उपकप्तान बनाया गया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच दो अक्तूबर को दो मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेला जाएगा। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के बाद पहली बार भारतीय टीम टेस्ट मैच खेलने उतरेगी।

पंत की अनुपस्थिति में जुरेल संभालेंगे विकेटकीपिंग का जिम्मा

वेस्टइंडीज के खिलाफ ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग का जिम्मा संभालेंगे। टीम के अनुभवी विकेटकीपर ऋषभ पंत चोट से पूरी तरह उबर नहीं सके हैं जिस कारण इस सीरीज के लिए उनका चयन नहीं किया गया है। पंत इंग्लैंड दौरे पर उपकप्तानी का जिम्मा भी संभाल रहे थे और उनकी अनुपस्थिति में अब यह जिम्मेदारी रवींद्र जडेजा को सौंपी गई है। यह पहले से ही तय माना जा रहा था कि पंत वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज का हिस्सा नहीं होंगे। ऐसे में जुरेल पर जिम्मेदारी होगी जिन्होंने इंग्लैंड दौरे पर भी पंत की अनुपस्थिति में विकेट के पीछे जिम्मेदारी निभाई थी। विकेटकीपर के तौर पर जुरेल पहली पसंद हैं, जबकि बैकअप के तौर पर एन जगीदशन को भी टीम में जगह दी गई है।

बुमराह को नहीं दिया गया आराम

एशिया कप में भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रामण की अगुआई कर रहे जसप्रीत बुमराह को वेस्टइंडीज के खिलाफ आराम नहीं दिया गया है। इंग्लैंड दौरे पर बुमराह के कार्यभार प्रबंध का ध्यान रखा गया था और उन्होंने पांच में से सिर्फ तीन मैच ही खेले थे। इसे देखते हुए माना जा रहा था कि व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के मद्देनजर बुमराह को इस सीरीज से आराम मिल सकता है, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

इस बात की भी पूरी संभावना है कि बुमराह प्लेइंग-11 का हिस्सा होंगे। वहीं, उनके साथ मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा तेज गेंदबाजी का जिम्मा संभालेंगे।

करुण बाहर, सरफराज को नहीं मिली जगह

इंग्लैंड दौरे से आठ साल बाद भारतीय टीम में जगह बनाने वाले करुण नायर को वेस्टइंडीज के खिलाफ टीम में जगह नहीं दी गई है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके थे। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल पर आखिरी टेस्ट में अर्धशतक जमाने वाले करुण ने सभी पारियों में अच्छी शुरुआत की। वह खराब फॉर्म में नहीं थे लेकिन ज्यादा रन नहीं बना सके। इसके बाद उनकी अंगुली में चोट लग गई और वह दलीप ट्रॉफी नहीं खेल सके। दूसरी ओर, सरफराज खान को एक बार फिर टेस्ट टीम में जगह नहीं दी गई है। सरफराज पिछले कुछ समय से अपनी फिटनेस पर भी काम कर रहे थे और उन्होंने घरेलू क्रिकेट में रन बनाए थे, लेकिन चयनकर्ताओं ने इस सीरीज के लिए उन्हें नहीं चुना है।

अय्यर ने लाल गेंद के प्रारूप से लिया ब्रेक

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए टीम के एलान से पहले बीसीसीआई ने इस बात की पुष्टि कर दी थी कि श्रेयस अय्यर ने लाल गेंद के प्रारूप से छह महीने का ब्रेक लिया है। संभवतः इसी कारण चयनकर्ताओं ने श्रेयस के नाम पर विचार नहीं किया होगा। बीसीसीआई ने बताया था कि श्रेयस की ब्रिटेन में सर्जरी हुई थी और वह इससे उबर रहे हैं।

Asia Cup:

सफलता के बावजूद सूर्यकुमार यादव की फॉर्म ने भारत के लिए बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली, एजेंसी। सूर्यकुमार यादव बल्ले से चमक बिखेरने में लगातार असफल हो रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में यह देखने को मिला कि जैसे ही अभिषेक आउट हुए भारत की रनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। मध्यक्रम के बल्लेबाज या तो सस्ते में पवेलियन लौटे या उन्हें रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा। भारतीय टीम ने अजेय रहते हुए लगातार पांच मैच जीतकर एशिया कप 2025 के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। भारत ने बुधवार को सुपर चार चरण के मैच में बांग्लादेश को हराकर फाइनल के लिए क्वालिफाई कर लिया है। भारतीय टीम का प्रदर्शन मौजूदा टूर्नामेंट में काफी अच्छा रहा है और टीम अजेय बनी हुई है। भारत को लगातार सफलता मिल रही है, लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव की फॉर्म ने उसके लिए चिंता बढ़ा दी है।

अभिषेक के आउट होने के बाद लड़खड़ा रही पारी

भारत को फाइनल से पहले अब शुक्रवार को श्रीलंका का सामना करना है। टीम इस मैच में अपना मजबूत और कमजोर पक्ष दोनों को देखना चाहेगी क्योंकि खिताब के इतने करीब आकर सूर्यकुमार की अगुआई वाली टीम कोई गलती करने से बचना चाहेगी। बल्लेबाजी में अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल पिछले दो मैचों से टीम को अच्छी शुरुआत दिला रहे हैं। अभिषेक ने सामने से जिम्मेदारी निभाई है और लगातार दो मैच में अर्धशतक लगा चुके हैं। दूसरी ओर, सूर्यकुमार यादव बल्ले से चमक बिखेरने में लगातार असफल हो रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ मैच में यह देखने को मिला कि जैसे ही अभिषेक आउट हुए भारत की रनों की रफ्तार धीमी पड़ गई। मध्यक्रम के बल्लेबाज या तो सस्ते में पवेलियन लौटे या उन्हें रन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

मौजूदा एशिया कप में सूर्यकुमार का प्रदर्शन

मौजूदा एशिया कप में सूर्यकुमार चार बार बल्लेबाजी के लिए उतरे हैं। उन्होंने अब तक 7, 47, 0 और 5 रनों की पारी खेली है। इससे पहले साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी वह संघर्ष करते नजर आए थे। उन्होंने उस सीरीज में 5.60 की औसत से 28 रन बनाए थे जिसमें दो बार शून्य पर आउट होना भी शामिल है। सूर्यकुमार टी20 के विस्फोटक बल्लेबाज माने जाते हैं, लेकिन पिछले कुछ समय से जिस तरह उनका बल्ला खामोश है, उसने भारतीय ड्रेसिंग रूम की बेचैनी बढ़ा रखी है। भारतीय टीम के दिग्गज खिलाड़ी रहे सुनील गावस्कर ने भी इस मामले को लेकर अपनी राय रखी। उन्होंने एक न्यूज चैनल से कहा, कप्तान के लिए जरूरी है कि वह आकर कुछ रन बनाए। सूर्यकुमार चौथे नंबर पर आए और फिर से वही शॉट खेलकर आउट हो गए।

Irani Cup:

ईरानी कप में रजत पाटीदार करेंगे शेष भारत की अगुआई, ऋतुराज होंगे उपकप्तान; विदर्भ से होना है मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। शेष भारत और रणजी ट्रॉफी चैंपियन विदर्भ के बीच नागपुर में एक अक्तूबर से ईरानी कप का मुकाबला होना है। इसके लिए रजत पाटीदार को शेष भारत की कमान सौंपी गई है।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ईरानी कप के लिए शेष भारत की टीम घोषित कर दी है। शेष भारत और रणजी ट्रॉफी चैंपियन विदर्भ के बीच नागपुर में एक अक्तूबर से ईरानी कप का मुकाबला होना है। इसके लिए रजत पाटीदार को शेष भारत की कमान सौंपी गई है, जबकि ऋतुराज गायकवाड़ उपकप्तानी का जिम्मा संभालेंगे। विदर्भ की नजरें 2017-18 और 2018-19 सत्र के बाद तीसरी बार ईरानी कप जीतने पर टिकी होंगी। शेष भारत ने 29 बार यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है। शेष भारत से पहले विदर्भ ने भी इस मुकाबले के लिए अपनी टीम घोषित की थी और विकेटकीपर बल्लेबाज अक्षय वाडकर को टीम की कमान सौंपी थी। विदर्भ क्रिकट संघ की सीनियर चयन समिति की बैठक में यश राठौड़ को उपकप्तान नियुक्त किया गया था। वाडकर ने 62 प्रथम श्रेणी मैचों में 48.82 की औसत से 11 शतक सहित 3906 रन बनाए हैं।

पिछले सत्र में विदर्भ को रणजी खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले उस्मान गनी टीम के कोच होंगे। ईरानी कप के लिए शेष भारत की टीम- रजत पाटीदार (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), ऋतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), यश दुल, शेख रशीद, ईशान किशन (विकेटकीपर), तनुष कोटियान, मनव सुथार, गुरनुर बरार, खलील अहमद, आकाश दीप, अंशुल कंबोज, सारांश जैन। ईरानी कप के लिए विदर्भ की टीम- अक्षय वाडकर (कप्तान और विकेटकीपर), यश राठौड़, अथर्व तायडे, अमन मोखड़े, दानिश मालेवार, हर्ष दुबे, पार्थ रेखाडे, यश ठाकुर, नचिकेत भुटे, दर्शन नालकंडेय, आदित्य ठाकरे, अक्षय कर्णेवार, यश कदम, शिवम देशमुख, प्रफुल्ल हिंगे और ध्रुव शौरी।

आईसीसी लेगा एक्शन

हारिस रऊफ और साहिबजादा को मिलेगी भारत से बदतमीजी करने की सजा!

नई दिल्ली, एजेंसी। दुबई में खेले गए एशिया कप 2025 सुपर-4 मुकाबले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है. अब यह मामला सीधे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद तक पहुँच गया है. बीसीसीआई ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के व्यवहार के लेकर सख्त कदम उठाते हुए उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की है.

पाकिस्तान के गेंदबाज हारिस रऊफ और बल्लेबाज साहिबजादा फरहान के खिलाफ आईसीसी में आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई है. आरोप है कि इन दोनों खिलाड़ियों ने मैच के दौरान भड़काऊ और आपत्तिजनक इशारे किए थे. 21 सितंबर को खेले गए इस मैच में रऊफ ने ऐसा इशारा किया, मानो विमान को गिरते हुए दिखाया जा रहा हो. माना जा रहा है कि उन्होंने यह भारतीय सेना की कार्रवाई का मजाक उड़ाने के लिए किया. इसके अलावा, गेंदबाजी के दौरान उन्होंने शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा को अपशब्द भी कहे, जिनका जवाब दोनों बल्लेबाजों ने अपने बल्ले से दिया.

वहीं, साहिबजादा फरहान ने अर्धशतक लगाने के बाद बल्ले को मशीनगन की तरह चलाने वाला जश्न मनाया. इसे लेकर सोशल मीडिया पर उनकी कड़ी आलोचना हुई. खुद फरहान ने बाद में कहा, वह बस एक पल का सेलीब्रेशन था, मुझे फर्क नहीं पड़ता लोग कैसे लेंगे. अब रऊफ और फरहान को आईसीसी की आचार संहिता के तहत सुनवाई का सामना करना पड़ सकता है. अगर आरोप साबित हुए तो दोनों खिलाड़ियों पर कार्रवाई तय है.

पीसीबी की पलटवार शिकायत

दूसरी ओर, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भी भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव के खिलाफ आईसीसी में शिकायत दर्ज कराई है. पीसीबी का कहना है कि सूर्यकुमार ने 14 सितंबर को पाकिस्तान पर जीत के बाद अपनी टीम की जीत भारतीय सेना और पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों को समर्पित की थी, जो 'राजनीतिक बयान' है. हालांकि, यह देखना बाकी है कि शिकायत समय सीमा के भीतर की गई है या नही.

वैभव सूर्यवंशी ने 70 गेंदों पर ठोके 108 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया अंडर 19 टीम ने आयुष महात्रे की कप्तानी में 3 मैचों की यूथ वनडे सीरीज में मेजबान ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम को पहले दो मुकाबलो में लगातार हराते हुए इस वनडे सीरीज को 2-0 से अपने नाम कर लिया। पहले दो मैचों में इंडिया की तरफ से रन बनाने के मामले में टीम के विकेटकीपर अभिज्ञान कुंडू तूफानी बल्लेबाजी वैभव सूर्यवंशी से भी आगे रहे। इस सीरीज के पहले दो मैचों में अभिज्ञान ना सिर्फ भारत की तरफ से बल्कि ओवरऑल सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बैटर्स की लिस्ट में पहले स्थान पर हैं जबकि वैभव सूर्यवंशी उनसे ठीक नीचे यानी दूसरे नंबर पर काबिज हैं। वैभव स्ट्राइक रेट के मामले में अभिज्ञान से आगे हैं, लेकिन अभिज्ञान का औसत इन दोनों मैचों में कमाल का है।

वैभव ने बनाए हैं 70 गेंदों पर 108 रन

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले 2 वनडे मैचों में वैभव सूर्यवंशी की बैटिंग काफी आक्रामक रही है और दोनों ही मुकाबलों में उन्होंने अच्छा प्रदर्शन किया है। इन दोनों मैचों

में उन्होंने 70 गेंदों का सामना करते हुए 108 रन बनाए हैं जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 120.00 का रहा है जबकि औसत 54.00 का रहा है। उनका बेस्ट स्कोर इन मैचों में 70 रन है और उनके बल्ले से 12 चौके और 7 छक्के लगाए हैं जबकि एक अर्धशतक उनके बल्ले से निकला है।

भारतीय अंडर 19 टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू ने टीम की सीरीज जीत में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दोनों मैचों में उन्होंने टीम के लिए अहम पारी खेली और 2 मैचों में उन्होंने 158.00 की तगड़ी औसत के साथ 158 रन बनाए हैं .

रोहित शर्मा कमबैक पर दहाड़ने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के वनडे कप्तान रोहित शर्मा एक बार फिर चर्चा में हैं। 37 साल के रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज से वापसी की तैयारी करते हुए अपनी फिटनेस में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने ट्रेनिंग के

दौरान करीब 10 किलो वजन कम किया। उनके करीबी दोस्त और भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर ने मुंबई में रोहित की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की, जिसे देखकर हर कोई हैरान रह गया। दरअसल, रोहित शर्मा को लेकर अभिषेक नायर ने एक स्टोरी शेयर की, जिमसें उन्होंने लिखा, ÷10,000 ग्राम यानी 10 किलो कम करने के बाद भी हम मेहनत जारी रखते हैं। यह पोस्ट तेजी से वायरल हो गया और फैंस और साथी खिलाड़ी उनकी फिटनेस की तारीफ कर रहे हैं।

जिम में कड़ी मेहनत कर रहे हिटमैन

रोहित आईपीएल 2025 के बाद से इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर हैं। अब वह जिम में कमबैक के लिए जमकर पसीना बहा रहे हैं। नायर की देखरेख में उन्होंने ट्रेनिंग की और नया लुक हासिल किया है।

मोहम्मद शमी का टेस्ट करियर खत्म

वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज से नाम क्यों गायब... BCCI का प्लान B तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज के के लिए भारतीय टीम का ऐलान हो गया है. लेकिन इस टीम में एक बार फिर मोहम्मद शमी को मौका नहीं मिला.

ऐसे में एक तरह से माना जा रहा है कि अब भारतीय टेस्ट टीम से उनका बोरिया बिस्तर लगभग बंध गया है. वेस्टइंडीज की टीम अगले महीने अक्टूबर में दो टेस्ट खेलने के लिए भारत आ रही है. 35 साल

के मोहम्मद शमी ने टेस्ट में आखिरी बार भारत के लिए जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में खेला था. तेज गेंदबाज शमी ने अब तक 64 टेस्ट मैचों 229 विकेट निकाले हैं. उस सीरीज के बाद से लगातार भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी अटैक में वो जगह बनाने में नाकाम रहे.

क्यों शमी का टेस्ट टीम से पत्ता कटा, क्या चोटिल रहना वजह

इंग्लैंड दौरे पर मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और जसप्रीत बुमराह मेन पेस गेंदबाज थे. अर्शदीप सिंह भी इस दौरे पर गए थे, वहीं अंशुल कम्बोज को भी डेब्यू करने का मौका मिला था. हर्षित राणा इंग्लैंड दौरे पर बैकअप प्लेयर के तौर पर गए थे.

ऐसे में भारत के पास युवा तेज गेंदबाजों का पूल तैयार है. वहीं शमी अब 35 साल के हैं, ऐसे में WTC की मौजूदा साइकिल (2025-27) के अंत तक उनकी उम्र 37 साल हो जाएगी. वहीं दूसरी बात यह भी है कि शमी का हाल में किसी फर्स्ट क्लास क्रिकेट में भी प्रदर्शन बहुत शानदार नहीं रहा है.

एशिया कप:

बांग्लादेशी गेंदबाजों पर कहर बनकर टूटे अभिषेक शर्मा

दुबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने एशिया कप 2025 के सुपर-4 के अपने दूसरे मैच में बांग्लादेश को 41 रन से हरा दिया। भारतीय टीम की जीत के हीरो बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा रहे। शर्मा ने 37 गेंद पर 75 रन की पारी खेली थी। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय क्रिकेट टीम ने 6 विकेट के नुकसान पर 168 रन बनाए थे। भारतीय टीम को शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा ने 6.2 ओवर में पहले विकेट के लिए 77 रन जोड़कर मजबूत शुरुआत दी थी। मध्यक्रम के बल्लेबाजों ने अगर अच्छी बल्लेबाजी की होती तो स्कोर 200 के आसपास हो सकता था। अभिषेक शर्मा ने 37 गेंद पर 75 रन की पारी खेली। इस पारी में 5 छक्के और 6 चौके शामिल रहे। हार्दिक पांड्या ने 29 गेंद पर 38 और गिल ने 19 गेंद पर 29 रन बनाए। शिवम दुबे 2, कप्तान सूर्यकुमार यादव 5, तिलक वर्मा 5 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल 10 रन बनाकर नाबाद रहे।

169 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी बांग्लादेश 19.3 ओवर में 127 पर सिमट गई और 41 रन से मैच हार गई। बांग्लादेश के लिए सबसे ज्यादा 69 रन की पारी सलामी बल्लेबाज सैफ हसन ने खेली। 51 गेंद की पारी में इस बल्लेबाज ने 5 छक्के और 3 चौके लगाए। दूसरे टॉप स्कोरर परवेज हुसैन इमोन रहे। उन्होंने 21 रन बनाए। इसके अलावा कोई बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने बेहतरीन गेंदबाजी की और 4 ओवर में 18 रन देकर 2 विकेट लिए। कुलदीप यादव ने 4 ओवर में 18 रन देकर 3, वरुण चक्रवर्ती ने 4 ओवर में 29 रन देकर 2 विकेट लिए। अक्षर पटेल और तिलक वर्मा को 1-1 विकेट मिला।

'क्रिकेट से मस्ती नहीं...' सुनील गावस्कर ने गंभीर-सूर्यकुमार को एशिया कप फाइनल से पहले चेताया

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया ने एशिया कप टी20 के फाइनल में जगह बना ली है. भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में लगातार 5वीं जीत दर्ज करते हुए बांग्लादेश को 41 रनों से हराया. हालांकि मैच से पहले बल्लेबाजों की गलतियों ने चिंता बढ़ा दी. अब तक चमकते रहे बल्लेबाजी क्रम में उलटफेर का खामियाजा इस मैच में साफ दिखाई दिया. ओपनर अभिषेक शर्मा ने 37 गेंदों में तूफानी 75 रन ठोके, लेकिन उनके आउट होते ही (12वें ओवर की पहली गेंद पर) भारत का स्कोर 112/3 हो गया. इसके बाद बल्लेबाजों ने रफ्तार खो दी

और अंत तक संघर्ष करते हुए भारत 168/6 तक ही पहुंच सका. इस मैच में शिवम दुबे को अप्रत्याशित रूप से नं. 3 पर भेजा गया, तिलक वर्मा को नं. 6 पर उतारा गया और संजू सैमसन को तो बल्लेबाजी का मौका ही नहीं मिला क्योंकि उन्हें नं. 8 पर रखा गया था. इसी बदलाव पर महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कड़ी नाराजगी जताई और मुख्य कोच गौतम गंभीर तथा कप्तान सूर्यकुमार यादव को चेतावनी देते हुए कहा- क्रिकेट से मस्ती नहीं की जाती.

न्यूज बाइट्स

गांधी जयंती और दशहरा पर खादी भंडार रहेगा खुला

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। आगामी दशहरा पर्व को देखते हुये क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि एवं प्रशासन सड़क के बीचो बीच बने गड्ढे की मरम्मती करवा दें, नहीं तो हो सकती है जानलेवा दुर्घटना। उक्त बातें लोजपा(रामविलास) के प्रदेश सचिव सह वैश्य चेतना समिति के जिला संयोजक विजय कुमार अकेला ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा। बताया की बाईपास न बनने के कारण हसपुरा बाजार आए दिन जाम की समस्या से जूझते आ रही है। ऐसे में दशहरा जैसे महान त्योहार पर सतवीं से मुख्य मार्ग बंद हो जाता है और बाईपास के रूप में पोस्ट ऑफिस रोड से वाहनों का आवागमन रहता है। इसी दरमियान अमझर शरीफ में लगने वाले भूतना मेला में आने वाले वाहन भी अधिकतर इसी रास्ते से आते जाते हैं। इस रास्ते के बीचों-बीच बने नाला के ऊपर ढक्कन ना होने के कारण एवं अन्य सड़कों में बने गड्ढे के कारण हमेशा जानलेवा दुर्घटना होने का खतरा बना रहता है। बताया की हमने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से पहले भी कई दफा इस मुद्दे को उठाया,परंतु अभी तक किन्ही ने इस पर संज्ञान नहीं लिया ।

दीनदयाल उपाध्याय की मनी जयंती

हसपुरा (औरंगाबाद) (एसवीवी.सं.)। भारतीय जनता पार्टी दक्षिणी मंडल इकाई के कार्यकर्त्ताओं द्वारा जनसंघ के संस्थापक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के 109 वॉ जन्म जयंती समारोह मनाया गया जिसकी अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष बिनोद कुमार शर्मा ने की। जानकारी देते हुए मंडल अध्यक्ष ने बताया कि पं. दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितंबर 1916 ई. को मथुरा जिले के नगला चंद्रभान गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके पिता भगवती प्रसाद उपाध्याय एक ज्योतिषी थें और उनके माँ रामप्यारी उपाध्याय एक ग्रहणी, धार्मिक प्रवृत्ति की महिला के साथ एक अच्छे पर्यवेक्षक हिंदू महिला भी थीं। उन्हें अपने परिजनों द्वारा बचपन से हीं अच्छे संस्कार मिलें। भारतीय राजनीतिज्ञ, एकात्म मानववाद विचार धारा के प्रस्तावक और राजनीतिक दल भारतीय जनसंघ(भाजसं) के नेता थें, जो बीजेपी पार्टी का अग्रदूत था।

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित

डीएम ने की शांति और भाईचारे के साथ दुर्गा पूजा मनाने की अपील, डीजे बजाना पूर्णत: वर्जित

- प्रमुख पंडालों पर पुलिस बल, दंडाधिकारी और ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी।

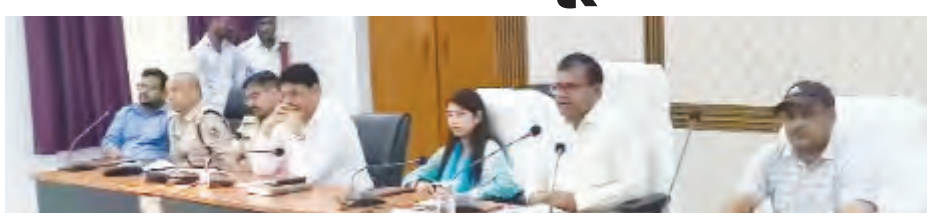

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

समाहरणालय के योजना भवन स्थित सभा कक्ष में जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री की अध्यक्षता में आगामी दुर्गा पूजा-2025 के सफल, शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण आयोजन के लिए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुमंडल स्तरीय पदाधिकारी, पुलिस प्रशासन, पूजा पंडाल आयोजक, शांति समिति के सदस्य और जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

जिला पदाधिकारी ने समिति सदस्यों और आयोजकों से पूजा पर्व के आयोजन से जुड़ी समस्याओं और सुझावों के बारे में जानकारी प्राप्त की। बैठक में सड़क और पुल-पुलिया की स्थिति, यातायात व्यवस्था, अतिक्रमण की समस्या, अवैध शराब की बिक्री और अन्य जनसुविधाओं के मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया गया। श्रीकांत शास्त्री ने आश्वासन दिया कि जिला प्रशासन इन समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाएगा और दुर्गा पूजा का पर्व शांति, सौहार्द, आपसी भाईचारा और धार्मिक एकता के साथ मनाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन ने व्यापक तैयारी कर ली है। सभी प्रमुख स्थलों पर पुलिस बल, पुलिस पदाधिकारी और दंडाधिकारी की तैनाती सुनिश्चित की गई है। डीजे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा और उल्लंघन की स्थिति में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शहर में जाम की समस्या को देखते हुए छोटे वेंडरों और ठेला चालकों के लिए पृथक स्थल चिन्हित किए गए हैं। इसके साथ ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। जिला पदाधिकारी ने यह भी अवगत कराया कि शहर में पर्याप्त संख्या में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और अन्य निकाय क्षेत्रों में भी कैमरे लगाए जाने का प्रयास किया जा रहा है। दुर्गा पूजा के अवसर पर चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे और एनडीआरएफ तथा एसडीआरएफ की टीमें पूरी तरह मुस्तैद रहेंगी। मूर्ति विसर्जन के समय शांति समिति के सदस्य और आयोजन समिति के प्रतिनिधियों को अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय उपस्थिति दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है।

सदर पुलिस उपाधीक्षक ने बताया कि लगभग सभी पूजा पंडालों पर पुलिस बल और दंडाधिकारी की तैनाती रहेगी। डीजे बजाना पूर्णतः वर्जित रहेगा और उल्लंघन की स्थिति में आयोजकों और संचालकों के खिलाफ सीधे प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। प्रमुख स्थलों पर ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जाएगी। किसी भी व्यक्ति द्वारा सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने का प्रयास किया गया तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन समय-समय पर अफवाहों का खंडन कर सही सूचना उपलब्ध कराएगा। बैठक के अंत में जिला पदाधिकारी ने सभी उपस्थित सदस्यों, आयोजकों और जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे प्रशासन के प्रयासों में सहयोग करें और दुर्गा पूजा पर्व को आपसी सद्भाव, भाईचारा और उल्लास के साथ सफलतापूर्वक सम्पन्न कराएं। उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह, अपर समाहर्ता अनुग्रह नारायण सिंह, सदर अनुमंडल पदाधिकारी संतन कुमार सिंह, सभी अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, वरीय उप समाहर्ता, थाना अध्यक्ष, अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी, जिला स्तरीय पदाधिकारी, शांति समिति के सदस्य, पूजा पंडाल आयोजक और जनप्रतिनिधि इस बैठक में उपस्थित थे।

पिकअप ने बुलेट में मारी टक्कर, चार घंटे तक सड़क जामकर लोगों ने किया प्रदर्शन

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत

- सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे थे दोनों युवक, आक्रोशित लोगों ने एनएच-120 किया जाम

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

जिले के गोह थाना क्षेत्र के पुंदौल मंदिर के पास बुधवार की देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। तेज रफ्तार पिकअप ने बुलेट सवार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे मौके पर ही दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान दुलारचक गांव निवासी प्रकाश कुमार (25) और दुमरथु गांव निवासी अभिषेक कुमार (28) के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार दोनों युवक सरैया से पेट्रोल लेकर घर लौट रहे थे। इसी दौरान पुंदौल मंदिर के पास अचानक पिकअप वाहन ने बुलेट को रौंद दिया। घटना इतनी भीषण थी कि दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने पिकअप वाहन को पकड़ लिया, हालांकि चालक मौके से फरार हो गया। दुर्घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-120 पर शव रखकर करीब पांच घंटे तक जाम लगाया। इस दौरान सड़क पर आगजनी और जोरदार प्रदर्शन किया गया। जाम के कारण दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह ठप हो गया।

सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया। आक्रोशित लोग मानने को तैयार नहीं थे, लेकिन घंटों की मशक्कत और समझाइश के बाद आखिरकार जाम समाप्त हुआ। पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। घटना से मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि दोनों युवक सेना में भर्ती होने की तैयारी कर रहे थे और रोजाना दौड़ने जाया करते थे। उनका सपना था कि वे देश की सेवा करें, लेकिन सड़क हादसे ने उनकी जिंदगी की डोर अधूरी छोड़ दी।

संदिग्धावस्था में महिला की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

रफीगंज(औरंगाबाद)(नि.सं.)। रफीगंज के अदलपुर गांव में बुधवार को संदिग्ध परिस्थिति में दीपक पासवान की 29 वर्षीय पत्नी सांकन्ति देवी की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही रफीगंज थाना अध्यक्ष शंभू कुमार, एसआई पप्पू पासवान, एएसआई बबनजीत कुमार सहित अन्य पुलिस बल मौके पर पहुंचे और कागजी प्रक्रिया कर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल औरंगाबाद भेज दिया। मृतिका के भाई उपहारा थाना क्षेत्र के गैनी गांव निवासी रघुनंदन पासवान के पुत्र मनोज कुमार पासवान ने बताया कि उनकी बहन (मृतिका) की विवाह 2013 में रफीगंज थाना क्षेत्र के राजेंद्र पासवान के पुत्र दीपक पासवान के साथ हुई थी। शादी के कुछ दिन बाद ही मेरी बहन के साथ मारपीट की घटना घटित होने लगी। कई बार सामाजिक स्तर पर बैठक भी हुआ। मेरी बहन हाल ही में अपने मायका गैनी गांव से जितिया पर्व के अगले दिन ससुराल में मुख्यमंत्री के द्वारा चलाई जा रही रोजगार योजना के तहत फार्म भरने के लिए आई हुई थी। बुधवार की सुबह ग्रामीणों ने जानकारी दिया कि आपकी बहन की मौत हो गई है।

पुलिस अधीक्षक ने जनता दरबार में सुनी समस्याएं

- जनता दरबार में आए लोगों ने उम्मीद जताई कि अब उनकी परेशानियों का समाधान समय पर होगा।
- शिकायतों के त्वरित और निष्पक्ष समाधान का दिया भरोसा

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा आयोजित जनता दरबार में बड़ी संख्या में आमजन अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे। जनता दरबार में लोगों ने पुलिस से जुड़ी शिकायतें, आपसी विवाद और अन्य मामलों से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किया।

पुलिस अधीक्षक ने सभी लोगों की बात ध्यानपूर्वक सुनी और समस्याओं के त्वरित समाधान का भरोसा दिलाया। उन्होंने उपस्थित पदाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि हर शिकायत का निष्पादन शीघ्र और निष्पक्ष तरीके से किया जाए, ताकि लोगों को न्याय मिल सके। जनता दरबार में आए लोगों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं और आशा जताई कि अब उनकी परेशानी का समाधान समय पर होगा।

औरंगाबाद में खुला अनंत विज़न इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम ग्राहकों को मिल रहा विशेष डिस्काउंट और उपहार

एसवीव संवाददाता | औरंगाबाद

शहरवासियों के लिए खुशखबरी है। अब सर्दी से लेकर गर्मी तक और शादी-ब्याह से जुड़े सभी घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स सामान की खरीदारी का नया ठिकाना बन गया हैअनंत विज़न इलेक्ट्रॉनिक्स। ओवरब्रिज के पास खुले इस भव्य शोरूम का उद्घाटन बड़े धूमधाम से किया गया। शोरूम प्रबंधन ने बताया कि धनतेरस तक सभी उत्पादों पर 15% तक अतिरिक्त डिस्काउंट दिया जा रहा है। खास बात यह है कि शादी-ब्याह से जुड़े सामान की अग्रिम बुकिंग पर ग्राहकों को न केवल छूट मिलेगी बल्कि निश्चित उपहार भी दिया जाएगा। इतना ही नहीं, शादी से पहले की बुकिंग पर ग्राहकों को लकी ड्रा कूपन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। फिलहाल हर खरीदारी पर डिस्काउंट कूपन भी दिया जा रहा है। शोरूम की खासियत यह है कि यहाँ का दाम ऑनलाइन और अन्य स्टोर्स से कहीं अधिक किफायती है।

शोरूम उद्घाटन के मौके पर मौजूद प्रबंधकों ने कहा कि 'अनंत विज़न इलेक्ट्रॉनिक्स में ग्राहकों को एक ही छत के नीचे हर मौसम और हर अवसर के लिए आधुनिक और बेहतरीन इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्ट्स मिलेंगे। हमारा प्रयास है कि औरंगाबाद की जनता को उचित दाम पर उच्च गुणवत्ता का सामान उपलब्ध कराया जाए।

स्वच्छता ही सेवा अभियान में बैंक कर्मचारी उतरे सड़कों पर, झाड़ू लेकर किया सफाई

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय के लगभग 50 कर्मचारियों ने अपने-अपने कार्यालय परिसर और आसपास के इलाकों में झाड़ू लगाकर सफाई अभियान चलाया। यह अभियान 'स्वच्छता ही सेवा' पहल का हिस्सा रहा, जिसमें बैंककर्मियों ने समाज को स्वच्छता का संदेश देने का काम किया। मेश चौक स्थित मुख्य शाखा के मुख्य प्रबंधक रितेश कुमार के नेतृत्व में बैंक के अधिकारी और कर्मचारी सड़कों पर उतरे और व्यापक सफाई अभियान चलाया। इस दौरान कर्मचारियों ने न केवल कार्यालय के भीतर, बल्कि सार्वजनिक स्थलों पर भी साफ-सफाई कर लोगों को जागरूक किया। अभियान में भाग लेते हुए हिमांशु प्रभाकर ने कहा कि स्वच्छता हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है और इसे हर व्यक्ति को अपनाना चाहिए।

शंकराचार्य ने किया सनातनी राजनीति का शंखनाद

बिहार की सभी सीटों पर गौभक्त प्रत्याशी उतारने की घोषणा

- गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की अपील

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले सनातनी राजनीति को नया आयाम देने का आह्वान जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने किया है। औरंगाबाद प्रवास के दौरान उन्होंने ऐलान किया कि बिहार की सभी विधानसभा सीटों पर निर्दलीय गौभक्त प्रत्याशी मैदान में उतारे जाएंगे। इसके साथ ही उन्होंने 'गौ मतदाता संकल्प यात्रा' निकालकर लोगों से गौ माता की रक्षा के लिए मतदान करने की अपील की। सभा को संबोधित करते हुए शंकराचार्य ने कहा कि सनातन धर्म की रक्षा तभी संभव है, जब गौ माता की रक्षा सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि गौ रक्षा केवल आस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह भारतीय समाज और संस्कृति की आधारशिला है।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में मतदाता केवल उन प्रत्याशियों को वोट दें, जो गौ रक्षा के पक्ष में स्पष्ट और दृढ़ संकल्पित हों। शंकराचार्य ने यह भी बताया कि वह राष्ट्रीय दलों से संवाद कर चुके हैं। इसके लिए वे दिल्ली स्थित विभिन्न राजनीतिक दलों के कार्यालयों में भी गए और उनसे आग्रह किया कि गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने का प्रस्ताव संसद में रखा जाए।

शतचंडी धाम और दोमुहान सूर्य धाम के आयोजकों ने डीएम को किया सम्मानित

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले के दो प्रमुख तीर्थ स्थलों सदर प्रखंड में स्थित प्रसिद्ध शक्तिपीठ शतचंडी धाम रायपुरा और दक्षिण में राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे अवस्थित दोमुहान सूर्य धाम सड़सा के आयोजकों ने जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री को सम्मानित किया। जिला पदाधिकारी को अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ भेंट कर यह सम्मान प्रदान किया गया। शतचंडी धाम महोत्सव के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह, सचिव अमरेश सिंह तथा दोमुहान सूर्य मंदिर के अध्यक्ष सिंहेश सिंह जिला पदाधिकारी के कार्यालय पहुंचे और उन्हें सम्मानित करते हुए कहा कि उनकी सक्रिय भूमिका से इन दोनों पवित्र स्थलों को कला, संस्कृति एवं युवा विभाग के कैलेंडर में स्थान मिला है।

आयोजकों ने कहा कि शतचंडी धाम जहां शाक्त परंपरा का महान शक्तिपीठ माना जाता है, वहीं दोमुहान सूर्य मंदिर सूर्य उपासना का केंद्र है, जहां छठ पर्व के दौरान भारी भीड़ उमड़ती है। दोनों ही स्थल औरंगाबाद जिले की पहचान हैं और राजकीय दर्जा मिलना जिले के लिए गर्व की बात है।

सच्चिदानन्द सिन्हा महाविद्यालय में नौ नए पाठ्यक्रमों की स्वीकृति, 20 व्यावसायिक कोर्स होंगे एक साथ संचालित

- इन सभी नए पाठ्यक्रमों में 60-60 सीटों की स्वीकृति दी गई है।

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

गुरूवार को सच्चिदानन्द सिन्हा महाविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में नए पाठ्यक्रमों के आगमन को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्राचार्य डॉ. सुधीर कुमार मिश्रा ने पत्रकारों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के लिए यह ऐतिहासिक क्षण बताते हुए कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा नौ नवीन कोर्सों को स्वीकृति मिल गई है। इनमें एमएलआईएस, एमएसीआईटी, एमएससी बायोटेक, पीजी डिग्री इन मास कम्युनिकेशन एंड जर्नलिज्म, एमएससी कंप्यूटर साइंस, एमएससी एनवायरमेंटल साइंस, एम इन वूमेन स्टडी और पीजी डिप्लोमा इन योगा शामिल हैं। प्राचार्य ने बताया कि इन सभी विभागों में 60-60 सीटों की स्वीकृति दी गई है और इच्छुक छात्र-छात्राएं महाविद्यालय से संपर्क कर सत्र 2025-26 के लिए नामांकन ले सकते हैं। इसके साथ ही, पूर्व में संचालित बीएलआईएस, बीएससी बायोटेक, बीएससी आईटी और बीएपीएसएम पाठ्यक्रमों की सीट संख्या 60 से बढ़ाकर 120 कर दी गई है।

इस तरह सच्चिदानन्द सिन्हा महाविद्यालय औरंगाबाद जिले का एकमात्र ऐसा महाविद्यालय बन गया है, जहां एक साथ 20 व्यावसायिक कोर्स संचालित किए जाएंगे। कार्यक्रम में व्यावसायिक कोर्स के समन्वयक नागेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि यह महाविद्यालय परिवार के लिए गौरवशाली पल है। उन्होंने प्राचार्य के अथक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि एक साथ इतने सारे कोर्सों को स्वीकृति दिलाना प्राचार्य के परिश्रम का ही परिणाम है। इस अवसर पर डॉ. अरविंद कुमार सिंह, डॉ. राम प्रकाश, डॉ. लालती मेहता, डॉ. कमलेश कुमार सिंह, डॉ. अनिल कुमार सिंह, डॉ. नागेंद्र कुमार सिंह, संतोष सुमन, बहादुर भीम कुमार सिंह, नीतू सिंह, अमित कुमार सिंह, अनिल कुमार यादव, अनिल कुमार सिंह, अनूप कुमार सिंह, आदित्य गुप्ता, अंजनी कुमार सिंह, शशिकांत कुमार, सौरव सुमन, प्रधान सहायक, मनोज कुमार सिंह, लेखापाल, नंदलाल कुमार एवं अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

सोन नहर में डूबने से युवक की मौत

बारूण(औरंगाबाद)(नि.सं.)। बारुण प्रखंड के मेह पंचायत में बुधवार की सुबह सोन नहर में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान रंजय शर्मा के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही मेह पंचायत के मुखिया अनुज कुमार उर्फ़ युवा शक्ति अनु यादव सक्रिय हो गए। उन्होंने तुरंत एसडीएम से बात कर नहर को बंद करवाने की अनुमति ली और अपनी टीम के साथ पूरे इलाके में युवक की खोजबीन शुरू करवाई। पूरी रात चले अभियान के बाद गुरुवार को सुबह करीब 5 बजे अंबा छठ घाट के पास युवक का शव बरामद किया गया। घटना की सूचना मिलते ही नरारी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आगे की कार्रवाई शुरू की। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया, जहां से परिजनों को सौंप दिया गया। अंतिम संस्कार के दौरान मुखिया अनु यादव मौजूद रहे और उन्होंने मृतक परिवार को आर्थिक सहायता भी प्रदान की।

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग, बिहार

वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए नाव एवं जाल पैकेज वितरण योजना

वित्तीय वर्ष 2025-26 में "नाव एवं जाल पैकेज वितरण योजना" के तहत आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं।

योजना का उद्देश्य:-

इस योजना का मुख्य उद्देश्य राज्य के मत्स्यजीवी सहयोग समिति के सदस्य/परंपरागत मछुआ - लाभुकों को नाव एवं जाल पैकेज अनुदानित दर पर उपलब्ध कराते हुए मत्स्य उत्पादन एवं मत्स्य पालकों के वार्षिक आय में अभिवृद्धि करना है।

अनुदान देय:-

योजनान्तर्गत अंतिम रूप से अवयववार निर्धारित इकाई लागत का **90 प्रतिशत सब्सिडी** की अनुमान्यता राज्य मत्स्यजीवी सहयोग समिति के सदस्य/परंपरागत मछुआ - लाभुकों के लिए होगी। शेष राशि लाभार्थी द्वारा स्वंय अथवा बैंक ऋण से वहन किया जाएगा।

योजना का क्रियान्वयन:-

वर्ष 2025-26 में "नाव एवं जाल पैकेज वितरण योजना" राज्य के सभी जिलों में क्रियान्वित है।

योजना की संक्षिप्त विवरणी:-

"नाव एवं जाल पैकेज वितरण योजन" के मुख्य घटक

क्रं0 सं0	अव्यय का नाम	इकाई लागत
1.	फिशिंग उडेन बोट पैकेज	रू0 1 लाख 24 हजार 4 सौ
2.	फिशिंग एफ0आर0पी0 बोट पैकेज	रू0 1लाख 54 हजार 4 सौ
3.	कॉस्ट (फेका) जाल पैकेज	रू0 16 हजार 7 सौ

लाभार्थी का चयन:-

नाव एवं जाल पैकेज वितरण योजना हेतु लाभुकों से ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किया जाएगा। आवेदक के द्वारा अपना मोबाईल नं0 तथा बैंक शाखा का नाम, बैंक खाता सं0, आई0एफ0एस0सी0 कोड अंकित किया जायेगा। आधार कार्ड नं0, बैंक खाता, मत्स्य शिकारमाही कार्य करने संबंधी अनुशंसा एवं स्वहस्ताक्षरित घोषणा पत्र (यदि प्रशिक्षित हो) आदि की अभिप्रमाणित प्रति संलग्न किया जायेगा।

योजना के तहत राज्य के मत्स्यजीवी सहयोग समिति के सदस्य जिन्हे परवाना प्राप्त है/मत्स्यजीवी सहयोग समिति के सदस्य जिन्हे परवाना प्राप्त नहीं है/परंपरागत मछुआ/महिला-मछुआ/अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति के मछुआ लाभुकों-जो मत्स्य शिकारमाही कार्य करते हैं आवेदक होंगे।

आवेदक द्वारा मत्स्य शिकारमाही से संबंधित साक्ष्य, मत्स्यजीवी सहयोग समिति के मत्स्य शिकारमाही कार्य करने वाले-सदस्यगण जिन्हे परवाना प्राप्त है, वे अपने समिति के मंत्री अथवा अध्यक्ष तथा मत्स्यजीवी सहयोग समिति के सदस्य जिन्हें परवाना प्राप्त नहीं है/ गैर सदस्य-परंपरागत मछुआ-जो मत्स्य शिकारमाही कार्य करते हैं, वे अपने जन-प्रतिनिधि यथा-मुखिया/प्रमुख/जिला परिषद् अध्यक्ष से मत्स्य शिकारमाही का कार्य करने संबंधी अनुशसा आवेदन-पत्र के साथ संलग्न किया जायेगा।

प्रस्तावित योजना के तहत राज्य के मत्स्यजीवी सहयोग समिति के सदस्य/मछुआ-लाभुकों, जो मत्स्य शिकारमाही कार्य करते हैं के एक व्यक्ति अथवा एक परिवार को फिशिंग उडेन बोट पैकेज, फिशिंग एफ0आर0पी0 बोट पैकेज तथा कॉस्ट (फेका) जाल पैकेज अवयवों में से अधिकतम किसी एक ही अवयव का लाभ देय होगा।

आवेदन उपरांत लाभुकों का चयन, उप मत्स्य निदेशक की अध्यक्षता में गठित समिति के द्वारा की जायेगी।

आवेदन की प्रक्रिया:-

योजना हेतु आवेदन https://fisheries.bihar.gov.in/ पर ऑनलाईन (Online) के माध्यम से प्राप्त किए जायेंगे। आवेदन करने की अंतिम तिथि 31.12.2025 तक। इस योजना की विस्तृत जानकारी सं0-3655, दिनांक-14.08.2025 से प्राप्त की जा सकती है जो विभागीय वेबसाईट https://state.bihar.gov.in/ahd/CitizenHome.html उस उस पर प्रदर्शित है।

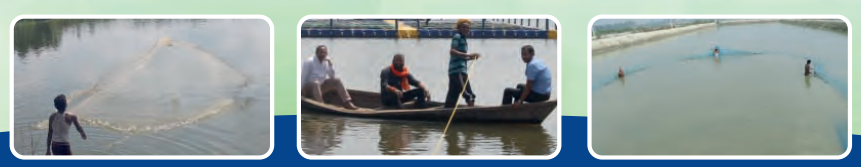

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग (मत्स्य प्रभाग) बिहार सरकार द्वारा जनहित में प्रचारित

अधिक जानकारी के लिए QR स्कैन करें

PR No.- 016186 (Animal)D. 2025-26a